



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४४] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर ३०, १९७६ (कार्तिक ८, १८९८)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 30, 1976 (KARTIKA 8, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड १

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### मंत्रिमण्डल सचिवालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

#### प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली-१, दिनांक २७ अगस्त १९७६

फा० सं० ए-II/34/76—प्रवर्तन निदेशालय के निम्न-लिखित सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन अधिकारी के पद पर उनके द्वारा अपने-अपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं।

उनके कार्य के स्थान और पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दी गई है।

नाम	कार्य का स्थान	कार्यभार करने की तारीख
१. श्री एस० सुब्बेया	कलकत्ता	९-८-७६
२. श्री एस० पी० सुभ्रमण्यन	तत्वंव-	११-८-७६

जे० एन० श्रोडा  
उप-निदेशक (प्रशासन)

(9271)

#### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक ६ अक्टूबर १९७६

सं० २/४०/७६—प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद-द्वारा श्री एस० नागराजन, अधीक्षक अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को २४ सितम्बर, १९७६ (दोपहर पूर्व) से केन्द्रीय सतर्कता आयोग में मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से आगामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

आर० के० शर्मा  
सचिव

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

#### गृह मंत्रालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक २८ सितम्बर १९७६

सं० पी०/एस० (१४१) प्रशा०-१—राष्ट्रपति, श्री जौ० वा० सक्षेत्रा जो भारतीय संघिकीय सेवा के ग्रंथ-III के अधिकारी हैं और जो भारत के पंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर हैं, के इस्तोका को दिनांक २८ सितम्बर, १९७६ के पूर्वान्तर से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

वद्वी नाथ

भारत के उप महापंजीकार और  
पदेन उप सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
महालेखाकार कार्यालय

कलकत्ता-I दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० एडमन-I/1038-14-3109—महालेखाकार, पश्चिम बंगाल निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी और स्थानापन्थ लेखा अधिकारियों के पद पर दिनांक 20 सितम्बर, 1976 या जिस दिन वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से या अगला आदेश जारी होने तक बहाली करने की कृपा की है :—

सर्वश्री

1. ज्योतिष रंजन दास
2. शैलेन्द्र नाथ हल्दार

महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री विभास चौधुरी को भी जो शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल विराम (विदेश) सेवा में हैं। उन्हें उत्तरोत्तर पदोन्नति (प्रोफार्म प्रमोशन) अस्थायी और स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर (वेतन 840-1200) साथ के कनिष्ठ अनुभाग अधिकारी श्री ज्योतिष रंजन दास के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से या अगला आदेश जारी होने तक महालेखाकार कार्यालय पश्चिम में बहाली करने की कृपा की है। सभी दशायें पूर्व नियम के अन्तर्गत उसके नीचे के नियम' (नेक्सट बिलो रूल) के लिये पूर्ण हैं। भौलिक नियम परन्तुक 30(1) के अन्तर्गत महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने श्री चौधुरी को विराम सेवा पर सामान्य नियम के बावजूद भी बहाली करने की कृपा की है।

पारस्परिक वरिष्ठता लेखा अधिकारी के पद पर यथा समय अंकित की जाएगी। कार्यभार ग्रहण करने की तिथि पर निर्भर नहीं करेगा।

घनश्याम दास  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)  
पश्चिम बंगाल

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 24 सितम्बर 1976

सं० 2/76/ए०/एम०—राष्ट्रपति ने डा० एल० एम० त्रिपाठी, स्थायी सहायक सर्जन, प्र०-I, आईनेस फैक्टरी, अम्बरनाथ को दिनांक 1-7-76 से 30-6-77 तक एक वर्ष की सेवा में बृद्धि की मंजूरी सहर्ष प्रवान किया।

पी० राजगोपालन  
अपर महानिदेशक/पी०  
कृते महानिदेशक  
आईनेस फैक्टरियां

महानिदेशालय, आईनेस फैक्टरियां  
भारतीय आईनेस फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-16, दिनांक 27 सितम्बर 1976

सं० 73/जी०/76—वार्षिक निवृत्ति शायू (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए० एन० दास, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (भौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 29 फरवरी, 1976 (अप्राह्ल) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिलाय,  
सहायक महानिदेशक,  
आईनेस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1976  
आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/713/63-प्रशा० (राज०)/6/33—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी और इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री ए० ए० कोहली को 60 दिनों की अवधि के लिए 2-8-76 से 30-9-76 तक उसी सेवा के वर्ग—I में स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति श्री कोहली को उपर्युक्त अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 सितम्बर 1976

संख्या 6/533/58/प्रशा० (राज०)/6/79—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रबरण वर्ग में स्थानापन्थ अधिकारी और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को इस कार्यालय में, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात श्री ए० रामचन्द्रन को और उन्हें दिनांक 20-7-76 से 30-10-76 तक स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० एस० गिल  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० 18(1)/73/76-सी०एल०बी०-II—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति में एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० एस०आर०ओ० 1104 दिनांक 28 अप्रैल, 1956 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में क्रम संख्या 5 के बाद स्तंभ सं० 1, 2 और 3 में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ जोड़ दी जाएंगी,  
प्रथम् :—

“6. वस्त्र आयुक्त के मुख्यालय के सभी अधिकारी 13 ए”  
जो उपनिदेशक की श्रेणी से नीचे न हों

गौरी शंकर भार्गव  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय  
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-15)

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० प्र०-15/28(217)/76—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 1 के स्थायी अधिकारी तथा पूर्ति विभाग में अवल सचिव (स्थानपत्र) श्री डॉ एस० दुग्गल को दिनांक 1 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से 3 मास के लिये केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सलैक्शन ग्रेड वेतनमान में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में निदेशक (प्रशासन) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 15/28(349)/76—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप निदेशक (समन्वय) श्री पी० आर० अहीर को दिनांक 20 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से 62 दिन के लिए केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सलैक्शन ग्रेड के वेतनमान में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में निदेशक (शिकायत तथा जन सम्पर्क) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक सितम्बर 1976

सं० प्र०-I/2(435)—राष्ट्रपति, विधि, न्याय तथा कार्यनी कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के विधि कार्य विभाग में स्थानापन्न सहायक विधि सलाहकार (केन्द्रीय विधि सेवा के ग्रेड-IV) श्री सुल्तान सिंह मेहरा को दिनांक 1-9-76 (पूर्वाह्न) से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति के आधार पर उप निदेशक (मुकदमा) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 24 सितम्बर 1976

सं० 2222(सी०आर०एस०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री चित्तरंजन साहा को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में

वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 7 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 50/66(के०एस०एस०आर०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) के परावर्तन पर श्री के० एस० सुव्वा राव ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार स्थानापन्न क्षमता में, 30 जून, 1976 के प्रपराह्न से ग्रहण किया।

स० 50/60 (जे०एस०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री जे० सोमेया ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

स० 50/66(ए०एस०आर०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री ए० संगमेश्वर राव ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 30 जून, 1976 के प्रपराह्न से ग्रहण किया।

स० 50/66 (एस०ए०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एस० अनन्त राम ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

स० 50/66 (एस०आर०बी०आर०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एस० आर० बरद राज ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 10 जून, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

स० 264(23/इ)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एस० सी० मण्डल ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में आफिसर सर्वेयर के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

बी० के० एस० बरदन,  
महा निदेशक

कलकत्ता-16, दिनांक 27 सितम्बर 1976

स० 2222 (एम०एस०जे०)/19 ए०—श्री एम० एस० जेष्ठा, सहायक भूवैज्ञानिक, एयरबार्न खनिज सर्वेक्षण और समन्वेषण कक्ष (एयरबार्न मिनरल सर्वेज एण्ड एक्सप्लोरेशन विंग), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की ओवाओं से 1 जुलाई, 1975

के पूर्वाह्न से मुक्त किया गया है जिससे वे भारत सरकार के केन्द्रीय आन्तर्राष्ट्रीय जल मण्डल (सेन्ट्रल ग्राउन्ड वाटर बोर्ड) में कनिष्ठ जल-भूवैज्ञानिक का पद ग्रहण कर सकें।

दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं. 2181/(डी० एम०)/198ी०—श्री दीनबन्धु मिश्रा, एम०एससी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. माहवार के वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 6 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० पी० आयगर,  
उप महानिदेशक (मुख्यालय)

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

सं. 10/33/76—एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सतनाम सिह, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक को, स्थानापन्थ रूप में कार्य करने के लिए 12-8-76 (पूर्वाह्न) से अप्रैतर आदेशों तक, आकाशवाणी, छत्तरपुर (म०प्र०) में सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त करते हैं।

मदन लाल टण्डन,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण भवालय  
फ़िल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 27 सितम्बर 1976

सं. 6/88/54—सिब्बन्दी-1—श्री जे० एन० देसाई ने दिनांक 4-9-1976 के अपराह्न से मुख्य कैमरामैन, फ़िल्म प्रभाग बम्बई के पद का कार्यभाग छोड़ने के कारण उसी दिनांक से फ़िल्म प्रभाग बम्बई में स्थायी कैमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

एम० के० जैन,  
प्रशासकीय अधिकारी,  
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं. 31014/1/74—स्थापना-2—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, निम्न अस्थायी अधिकारीयों को इस

निदेशालय में प्रत्येक के सामने अंकित तारीख से क्षेत्र प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर अधिष्ठायी रूप से नियुक्त करते हैं।

#### अधिकारी का नाम

अधिष्ठायी रूप में  
नियुक्ति की तारीख

1. श्री ए० आर० वेंकटेसन	11-2-1972
2. श्री एस० के० भगत	11-2-1972
3. श्री बी० बी० पांडे	27-9-1976
4. श्री एस० पी० गोपाकुमार	27-9-1976
5. श्री डी० बी० कुलकर्णी	27-9-1976
6. श्री एस० एस० सोलन्की	27-9-1976
7. श्री रघु चन्द शेनमार	27-9-1976

आर० देवासर,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक,

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं. ए० 19020/1/76—एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० प्रभोद कुमार सारिन को 31 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में दंत-शल्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया।

डा० सारिन ने 31 जुलाई, 1976 के अपराह्न से विलिंगडन अस्पताल व उपचर्या गृह, नई दिल्ली में दंत-शल्य-चिकित्सक का कार्य-भार छोड़ दिया।

सं. ए० 12023/13/76—(जे०आई०पी०) एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पाइड बेरी के कर्मिनिकल जीव रसायन प्रयोगशाला में तकनीकी सहायक श्री पी० रघनाथन, को 8 सितम्बर, 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक, तदर्थ आधार पर उक्त संस्थान में ही सहायक जीव रसायनज्ञ के पद पर नियुक्त किया है।

सं. ए० 12024/1/76—(जे०एस०) एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 28 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न से डा० (श्रीमती) मंजीत लूथर को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दंत-शल्य-चिकित्सक के पद पर आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 अक्टूबर 1976

सं. ए० 31014/5/76—एन०एम०एल०/एडमिन-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक ने सर्वश्री ए० जी० पाटिल, बी० पी० चौधरी और ए० के० भट्ट को 20 अक्टूबर, 1975 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान पुस्तकालय, नई दिल्ली में पुस्तकाध्यक्ष प्रेष्ट-1 के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० 31013/3/76—(सी० आर० आई०) प्र० १—  
राष्ट्रपति ने श्री अविनाश चौधरी को १-११-७५ से केन्द्रीय अनु-  
संधान संस्थान, कसौली में सहायक निदेशक (नान-मेडिकल) के  
स्थायी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त कर दिया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० 20-5/73-स्टोर-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक  
ने एतद्वारा राजकीय चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपो, बम्बई के  
स्थानापन्थ वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक श्री बी० बी० देशपाण्डे को  
१-११-१९७५ के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक चिकित्सा  
सामग्री संगठन, राजकीय चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपो, बम्बई,  
में सहायक फैक्टरी प्रबन्धक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त  
किया है।

दिनांक 24 सितम्बर 1976

सं० 16-40/75-एस०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक  
ने २७ अगस्त, १९७६ के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक  
चिकित्सा सामग्री डिपो, मद्रास के स्थानापन्थ कार्यालय अधीक्षक  
श्री एम० मुनुस्वामी, को उसी डिपो में सहायक डिपो प्रबन्धक  
के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० ए०-24013/2/76-एस० १—राजकीय मेडिकल स्टोर  
डिपो, मद्रास के सहायक डिपो मैनेजर श्री टी० बी० ब्रह्मारावि  
के निधन हो जाने के फलस्वरूप अब वह १ अगस्त, १९७६ से सरकारी  
सेवा में नहीं रहे।

संगत सिंह, उप निदेशक प्रशासन भण्डार

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलपकम-603102 दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० एम०ए०पी०पी०/३ (1114)/76-प्रशासन—राजस्थान  
परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थायिक फोरमैन तथा स्थानापन्थ वैज्ञानिक  
अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस०बी०' श्री बी० आर० बालाजी  
ने, उनका तबादला इस परियोजना को होने पर २४ जून, १९७६  
के पूर्वाह्न से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' के  
पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० बालकृष्णन, प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

कोटा, दिनांक 25 सितम्बर 1976

सं० रापविप/04627/1 (396)/76/स्था०/प्रशा० ९५२—  
राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के एक स्थायिक फोरमैन

तथा स्थानापन्थ विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड (एम० बी०)  
श्री ए० के० मुकर्जी ने सिविल इंजीनियरी प्रभाग, परमाणु ऊर्जा  
विभाग, विधान नगर, कलकत्ता में स्थानान्तरित होने पर, इस  
परियोजना में अपने पद का कार्यभार दिनांक २५-८-१९७६  
(अपराह्न) को छोड़ दिया।

दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० रापविप/भर्ती०/९(12)/76/282—राजस्थान परमाणु  
विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत परि-  
योजना इंजीनियरी प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक  
और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में 'तदर्थ आधार'  
पर स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम० एल० मालू  
को इस परियोजना में ही दिनांक १ सितम्बर, १९७६ के पूर्वाह्न  
से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए अस्थायी रूप से  
सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त  
करते हैं। श्री मालू ने दिनांक १४-८-१९७६ से ३१-८-१९७६ तक  
तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ  
रूप से कार्य किया है।

गोपाल सिंह, प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० पी० ए० आर०/0705/1843—मुख्य कार्यपालक,  
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री बी० हनुमन्त राव  
को २७-८-१९७६ से २४-१२-१९७६ की अवधि आथवा आगामी  
आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, तदर्थ रूप से नाभिकीय  
ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त  
करते हैं।

यू० बासुदेव राव, प्रशासनिक अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० ०५०००/एस०-२३५/६०७६—भारी पानी परियोजनाओं  
के विशेष कार्य अधिकारी, न्यूक्लीय ईंधन सम्मिश्र, परमाणु ऊर्जा  
विभाग, हैदराबाद के श्री सुरेश कृष्णराव सराफ, अस्थायी  
सहायक सुरक्षा अधिकारी को सितम्बर १०, १९७६ (पूर्वाह्न)  
से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (तलचर)  
में अस्थायी रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति, बरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

सं० ई० (1) ०५१६७—वेधशालाओं के महानिदेशक,  
निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में व्यावसायिक

सहायक श्री बी० शंकरेया को 20-9-76 के पूर्वाह्न से 17-12-76 तक नवासी दिन की श्रवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री शंकरेया, स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० ई० (1)/03875—वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना भारत मौसम विज्ञान के कार्यालय में स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी श्री के० राममूर्ति स्वेच्छापूर्वक 6 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एम० आर० एन० मणियन, मौसम विज्ञानी  
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1976

सं० ए०-32013/1/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई, के श्री बी० ए० बेलिअप्पा, सहायक संचार अधिकारी को 7 अगस्त, 1976 (पूर्वाह्न) से श्री आर० सी० चित्कारा, संचार अधिकारी की छुट्टी रिक्त में तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

हरवस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1976

सं० ए०-38012/1/75-ई० सी०—नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एस० एच० मल्होत्रा सहायक संचार अधिकारी ने नियर्वत आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 अगस्त, 1976 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० ए० 32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में विमानक्षेत्र अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि 31 दिसम्बर, 1976 तक अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो पहले हो, बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है:

नाम	तैनाती स्टेशन
(1)	(2)
1. श्री ओ० पी० छोगरा	मुख्यालय में तकनीकी अधिकारी (योजना) के पद पर।
2. श्री एम० पी० खोसला	ऊधमपुर
3. श्री जे० एस० आर० के० शर्मा	मद्रास
4. श्री के० एस० प्रसाद	दमदम

(1)	(2)
5. श्री एन० डी० घोष	दमदम
6. श्री रवि तनबा	सफदरजंग
7. श्री सी० आर० राव	राजकोट
8. श्री कुन्दन लाल	ओरंगाबाद
9. श्री जे० के० सरदाना	सफदरजंग
10. श्री के० सी० मिश्र	सी० ए० टी० सी० इलाहाबाद
11. श्री जी० बी० के० नायर	सांताकूज
12. श्री डी० डी० सरदाना	सफदरजंग
13. श्री के० एन० बैंकटचालिहा	सांताकूज
14. श्री एस० दयाल	पालम
15. श्री एस० सी० सेखरी	पालम
16. श्री एम० पी० जैन	सफदरजंग
17. श्री एस० के० जैन	पालम
18. श्री डी० रामानुजम	श्रीनगर
19. श्री ए० टी० वर्गीज	कोयम्बटूर
20. श्री के० बी० एस० राव	मद्रास
21. श्री एन० पी० शर्मा	सफदरजंग
22. श्री एस० के० बनर्जी	दमदम
23. श्री आर० कोदंडारगण	तिश्चिरापल्ली
24. श्री एल० ए० लोब्रो	बम्बई
25. श्री आर० डी० नायर	बम्बई
26. श्री अमीरचन्द्र	चण्डीगढ़
27. श्री के० के० सक्षेत्रा	पालम
28. श्री ए० एम० थामस	मद्रास
29. श्री० एस० ए० राम	दमदम
30. श्री एम० एम० शर्मा	आगरा
31. श्री डी० सी० खरब	पालम
32. श्री एस० एस० पिल्लै	त्रिवेंद्रम
33. श्री के० बी० के० खन्ना	पालम

विष्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 20 सितम्बर 1976

सं० 15/109/76-स्था०-१—प्रध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों, प्रथम वर्ग को उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से अग्रले आदेशों तक उनके सामने लिखे पदों पर तदर्थ रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

नाम	पद	तारीख
(1)	(2)	(3)
1. श्री एच० एस० गहलौत	अनुसंधान अधिकारी, बन	24-8-76 अनुसंधान (पूर्वाह्न)
		संस्थान एवं महा-विद्यालय

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
2. श्री पी० एस० पथाल	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	14. श्री सी० आर० शर्मा	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
3. श्री पी० के० भट्टाचार्य	सहायक मापिकी अधिकारी वन अनु- संस्थान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	15. श्री आर० डी० टण्डन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
4. श्री आदर्ण कुमार	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	16. श्री कृष्ण लाल	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
5. श्री बी० बी० गुप्त	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	17. श्री डी० के० जैन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
6. श्री के० सी० बडौला	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	18. श्री डी० डी० एस० नेगी	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
7. श्री आर० एस० आर्य	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	19. श्री पी० पी० जैन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
8. श्री जी० एन० खर्कवाल <sup>*</sup>	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	20. श्री आर० सी० मित्तल	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
9. श्री के० के० शर्मा	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	26-8-76 (पूर्वाह्न)	21. श्री बी० के० जैन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
10. श्री बी० एल० धर	अनुसंधान अधिकारी, वन [अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	22. श्री के० के० कालरा	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
11. श्री आर० एम० मिश्र	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	23. श्री जे० डी० जैन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
12. श्री शिव प्रसाद	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	24. श्री एच० एस० अनन्तपद्म अनुसंधान अधिकारी, नाभ	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान प्रयोगशाला बैंगलूर	26-8-76 (अपराह्न)
13. श्री आर० सी० गोड़	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)			

पी० आर० के० भट्टाचार्य, कुल सचिव  
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

## केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय

मद्रास-34, दिनांक 26 अगस्त 1976

सी० सं० II/3/22/76-संस्थापन—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय का प्रत्येक के सामने दी गयी तारीखों से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क वर्ग 'ख' नियुक्त किया गया है, और उनके नामों के सामने दिये गये स्थानों पर तैनात किया गया है।

क्र०	नाम	स्थान, जहां पर कार्यभार अधीक्षक वर्ग 'ख' प्रहण करने के रूप में तैनात की तारीख किया गया है	(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री एस० के० पाशा	धारापुरम्, ब० श्र० रे०, इरोड प्रभाग (पूर्वाह्न)	11-2-76			
2.	श्री दी० नागसुंदरम्	प्रधान कार्यालय, मद्रास	24-7-76			
3.	श्री एन० एम० कवसटन	मंजूर, ब० श्र० रे० कुम्भूर, प्रभाग	28-6-76			
4.	श्री एफ० एस० जी० साधियानाथन्	वेदारण्यम्, ब० श्र० रे० पांडिवेशी प्रभाग	15-7-76			
5.	श्री एम० बालसुंदरम्	मैत्तुर, ब० श्र० रे० सेलम प्रभाग (अपराह्न)	13-7-76			
6.	श्री सी० एस० एथ्यासामी	इदापेडी, ब० श्र० रे० सेलम प्रभाग	12-8-76			
7.	श्री पी० सी० रंगप्पानायडू	तिस्पुर, ब० श्र० रे०, कोयम्बटूर II प्रभाग	2-8-76			

आई० जे० राव, समाहर्ता ।

पटना, दिनांक 21 सितम्बर 1976

सं० II(7) 5-स्था०/75—भारत सरकार के राजस्व एवं बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के आदेश सं० 87/76 दिनांक 10-6-76 और 107/76 दिनांक 8-7-76, जिसके द्वारा श्री ए० रहमान, अधीक्षक मुप्र 'बी०' केन्द्रीय उत्पाद समाहर्तालिय पटना को रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक समाहर्ता (निम्न वेतनमान)/अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क ग्रुप 'ए०' के रूप में नियुक्त किया गया, जिसके द्वारा श्री ए० रहमान अधीक्षक ग्रुप 'ए०' केन्द्रीय उत्पाद (लेखा परीक्षक) मुख्यालय, पटना में दिनांक 14-7-1976 को पूर्वाह्न में कार्य भार प्रहण किया।

सं० II(7)/5-स्था०/75—भारत सरकार के राजस्व एवं बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के आदेश सं० 87/76 दिनांक 10-6-76 तथा इस कार्यालयके स्थाना आदेश सं० 180/76 दिनांक 16-6-76 के अनुसरण में इस समाहर्तालिय के तीन अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क राजपत्रित श्रेणी 'ब' को रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क राजपत्रित श्रेणी 'अ' (निम्न वेतनमान) तथा अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क श्रेणी 'अ' के रूप में नियुक्त किया जाता है। निम्नलिखित अधिकारियों ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क श्रेणी 'अ' उनके नामों के समक्ष दिये गये स्थान तिथि एवं समय पर अपनायपना कार्यभार प्रहण किया।

नाम	पदस्थापन के स्थान कार्यभार प्रहण करने की तिथि और समय	(1)	(2)	(3)
1. श्री जे० के० डे	अधीक्षक, श्रेणी 'अ' केन्द्रीय उत्पाद (तकनीकी) पटना प्रमण्डल	30-6-76		
2. श्री एस० के० दास गुप्ता	अधीक्षक, श्रेणी 'अ' केन्द्रीय उत्पाद (तकनीकी) मुख्यालय, पटना	28-6-76		
3. श्री एस० के० मिश्रा	अधीक्षक श्रेणी 'अ' सीमा शुल्क लैन्ड कस्टमस स्टेशन रक्सोल ।	6-8-76		

एच० एन० साहू, समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, पटना

नागपुर-440001, दिनांक 24 सितम्बर 1976

सं० 24—इस समाहर्तालिय के प्रबार श्रेणी निरीक्षक, श्री पी० एस० करजगांवकर ने, उनकी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुपदीय अधिकारी, रेंज, चंद्रपुर का 27-8-76 के अपराह्न में पदभार संभाल लिया।

सं० 25—इस समाहर्तालिय के (प्र० थे०) निरीक्षक, श्री आर० दी० लेले ने, उनकी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुपदीय अधिकारी रेंज, चंद्रपुर का दिनांक 7-9-76 के पूर्वाह्न में पदभार संभाल लिया।

सं० 26—श्री बा० बा० करकरे, जो पिछले दिनों अधीक्षक (प्राधिकारी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुद्यालय के पद पर प्रतिस्थापित थे, दिनांक 13-9-76 से 31-12-76 तक सेवा निवृत्त पूर्व छुट्टी पर गये ह। वे छुट्टी समाप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाएंगे।

सं० 27—श्री आर० एन० संतानी, स्थानापन्थ कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मुद्यालय) नागपुर ने उनकी स्थानापन्थ प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 9-9-76 के पूर्वाह्नि में प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग सागर का पदभार संभाल लिया।

सं० 28—इस समाहर्ता थेव के (प्रवर श्रेणी) निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्री पी० एन० कौल ने, उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 6-9-1976 के पूर्वाह्नि में अधीक्षक, श्री पूर्णचंद्र इटारसी (गोल्ड) का पद भार संभाल लिया।

सं० 29—इस समाहर्ताथेव के (प्रवर श्रेणी) निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्री छो० ई० तिवारी ने, उनकी स्थानापन्थ अधीक्षक (श्री पूर्ण बी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 1-9-1976 के पूर्वाह्नि में अधीक्षक (निवारण) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, रायपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 30—श्री ना० सी० दीक्षित ने, जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (मुद्यालय) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के पद पर तैनात थे, स्थानान्तर होने पर दिनांक 14-9-76 के अपराह्नि में सहायक समाहर्ता, (लेखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुद्यालय नागपुर का पद भार संभाल लिया।

मनजीत सिंह बिन्द्रा  
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० क-19012/584/76-प्रशा-पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री ए० जे० थामस, अधिकारी सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो० 40-1200 रुपए के वेतनमान से दिनांक 19-7-1976 से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री थामस ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० क-19012/586/76-प्रशा-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री जलालुद्दीन, पर्येक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियंता के रूप में 650-30-740-35-2-306GI/76

810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में 13 अगस्त, 1976 से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जलालुद्दीन ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से चिनाव ग्रन्त्येष्वर वृत्त, जम्मू के अन्तर्गत सी० एस० ई०-II, केन्द्रीय जल आयोग, फ़िरतबार में सहायक अभियंता का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय  
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० 1/137/69-प्रशा०-4/ई० सी०-9—इस विभाग के स्थानापन्थ वरिष्ठ वारतुक श्री एन० एस० जावले वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 30-9-76 (अपराह्नि) को सेवा-निवृत्त होंगे।

सं० 33/1/76-ई सी०-9—प्रमुख इंजीनियर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्मित निम्नलिखित उम्मीदवारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में, (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी 2 राजपत्रित) सहायक उदान निदेशक के अस्थायी पदों पर, रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रयोक्त के सामने दी गई तारीखों से सामान्य भत्तों पर नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि	वेतन
1.	श्री राम निवास सिंह त्यागी	1-9-1976	परिवीक्षा अधिकारी के नियमों के प्रनुसार 650 रुपये मासिक वेतन लेने।
2.	श्री वीरेन्द्र कुमार वर्मा	3-9-76	—वही— (पूर्वाह्नि)
3.	श्री मुरारी लाल	1-9-76	वेतनमान का (पूर्वाह्नि) न्यूनतम।

2. नियुक्ति के बाद ये अधिकारी उनके नाम के आगे दी हुई तारीखों से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षा अधिकारी पर रहेंगे।

एस० एस० पी० राव  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० 27-ई०/सी० (27)/75-ईसी-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी आधारक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 30-९-७६ (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए :—

क्रम	नाम	वर्तमान पदनाम
संख्या		

सर्वश्री

1. एम० के० शिवसुब्रह्मण्यम् मुख्य इंजीनियर (सतर्कता) के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली
2. एम० चक्रवर्ती निर्माण सर्वेक्षक, अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक विमानन कार्यालय, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
3. हरबंस लाल कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन कथा) आयकर विभाग, नई दिल्ली।

पी० एस० पारवानी, प्रशासन उप-निदेशक कृते प्रयुक्त इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० 5/1/76-ई० सी०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (सिविल और विद्युत) को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा युप ए० और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर सेवा युप ए० में 31-12-76 तक या जब तक पद नियमित रूप से भर नहीं लिए जाते, जो भी पहले हो तब तक विलुप्त तदर्थे पर स्थानापन्थ कार्यपालक इंजीनियर (सिविल और विद्युत) बने रहने की अनुमति देते हैं :—

केन्द्रीय इंजीनियर सेवा युप ए०	केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर सेवा युप ए०
-----------------------------------	---

सर्वश्री

1. एस० सी० साहा एस० रा
2. एस० पी० अग्रवाल 2. आई० एस० कोष्ठर
3. सी० पी० गुप्त 3. आई० के० कालड़ा

पी० एस० पारवानी  
प्रशासन उप-निदेशक

दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० पी० 185/गजट/पी० बी०—कार्मिक विभाग के निम्नलिखित, श्रेणी II के स्थानापन्थ अधिकारियों को उस विभाग की श्रेणी II सेवा में, उनके नामों के सामने बताई गई तारीखों से स्थायी किया जाता है :—

- |                             |          |
|-----------------------------|----------|
| 1. श्री ए० वेंकटेश          | 4-5-1975 |
| 2. श्री नेलसन सैम्युल       | 4-5-1975 |
| 3. श्री एस० वेंकटाचारी      | 1-8-1975 |
| के० एस० राजन<br>महाप्रबन्धक |          |

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बक्षी क्लब लिमिटेड, 1824, सोनी भवन, सौथीलीवालों का रास्ता, चौड़ा रास्ता जयपुर के विषय में

जयपुर, दिनांक 23 सितम्बर 1976

सं० सांख्यिकी/1420/11450—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मैसर्स बक्षी क्लब लिमिटेड, 1824, सोनी भवन, सौथीलीवालों का रास्ता, चौड़ा रास्ता जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रामदयाल कुरील  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पांचिया द्रासपोर्डेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 3731/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पांचिया द्रासपोर्डेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री जयलक्ष्मी मचेन्ट चिट  
फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 2630/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री जगतकृष्ण मर्चेन्ट चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेलूर बस ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 4848/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेलूर बस ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पेन्नगरम ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 4056/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पेन्नगरम ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दो जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बनकंडी टी एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 4396/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बनकंडी टी एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री विलिपुत्तूर ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 4197/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री विलिपुत्तूर ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टैक्नोप्राफ कारपोरेशन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० 2227-17925—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टैक्नोप्राफ कारपोरेशन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

मनमोहन सिंह जैन  
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,  
दिल्ली व हरियाणा

कायालिय, आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1976

आदेश

सं० 37/रा० अ० 1976-77—निम्नलिखित तिरीक्षकों को अगले आदेश होने तक, रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी, श्रेणी-2 के पद पर कार्य करने के लिए, उनके इस पद का कार्यभार प्रहृण करने की तारीख से, पदोन्नत किया जास्त है :—

1. श्री डी० एन० तारा।
2. श्री ए० जे० एस० सेठी।

इनकी पदोन्नति के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तत्काल करने के लिए आदेश विए जाते हैं :—

1. श्री डी० एन० तारा, नए पदोन्नत किए गए आयकर अधिकारी को प्राइवेट सेलरी सर्किल-1 के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है। वे श्री ओ० पी० राजपाल, आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सर्किल-2 को इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे।

2. श्री ए० जे० एस० सेठी, नए पदोन्नत किए गए आयकर अधिकारी को डिस्ट्रिक्ट-3 (26) के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है। वे कुमारी रुपिन्दर चावला को, जिनका तबावला हो गया है, कार्यभार से मुक्त करेंगे।

3. कुमारी रुपिन्दर चावला, आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-3 (26) को स्थानांतरित करके डिस्ट्रिक्ट-3 (16) एजीशनल के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है। वे श्री बी० एल० धवन, आयकर अधिकारी, ट्रांसपोर्ट सर्किल को इस अतिरिक्त कार्यभार से, जो उन्होंने श्री आई० एस० कोहली की छुट्टी के कारण संभाला था, मुक्त करेंगे।

4. छुट्टी से वापस आने पर श्री आई० एस० कोहली, आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-3 (16) को स्थानांतरित करके, श्री ए० के० अनेजा के स्थान पर, जिन्हें दिनांक 10 जून, 1976 के आदेश सं० 34 रा० अ० के अनुसार पहले ही स्थानांतरित कर दिया गया है, ट्रांसपोर्ट सर्किल के आयकर अधिकारी, पहला एजीशनल के पद पर तैनात किया जाता है।

5. श्री ए० के० हांडा, आयकर अधिकारी (इंटेलीजेन्स-3) को डिस्ट्रिक्ट-3 (5) के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है। वे श्री आर० एस० जावा को इस अतिरिक्त कार्यभार से, जो उन्होंने श्री कृष्ण लाल की छुट्टी के कारण संभाला था, मुक्त करेंगे।

6. श्री एन० डी० संधि को छुट्टी से वापिस आने पर डिस्ट्रिक्ट-3 (7) के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाएगा। वे श्री एम० आर० शट्रू को इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे।

प्रवतार सिंह  
आयकर आयुक्त, विल्ली-1  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1976

आदेश

सं० 41/रा०अधि०/1976-77—आयकर अधिकारी, अणी-2 के पदों पर कार्य करने के लिए निम्नलिखित निरीक्षकों की पदोन्नति अगले आदेश होने तक उनके कार्यभार संभालने की वारीय से र० 650-30-740-35-810 ई०बी०-35-880-40-1000-ई०बी०-40-1200 के वेतनमान में की जाती है।

उपरोक्त पदोन्नतियों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तुरन्त करने के आदेश दिए जाते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	अब तैनाती की गई	अन्युन्निति
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	आई० जे० कृष्णा	आई० टी० ओ० ट्रस्ट सर्किल-1	जूनियर ए० आर०	बोर्ड के आदेश एफ० सं० ए०-22012/21/76-ए० डी०-6 दिनांक 29-6-76 के अनुसार
2.	बी० सी० पटियाल	नई पदोन्नति	आई० टी० ओ० ट्रस्ट सर्किल 1	श्री आई० जे० कृष्णा का स्थानांतरित होने पर उनके स्थान पर
3.	एम० आर० शर्मा	आई० टी० ओ० (हैडक्वार्टर-3)	आई० टी० ओ० सेंट्रल सर्किल	क्रम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
4.	के० बी० मदान	आई० टी० ओ०, प्राइवेट सेलरी सर्किल-3	आई० टी० ओ० (हैडक्वार्टर-3)	श्री एम० आर० शर्मा का स्थानांतरण होने पर उनके स्थान पर
5.	इकबाल सिंह	नई पदोन्नति	आई० टी० ओ०, प्राइवेट सेलरी सर्किल-3	श्री के० बी० मदान का स्थानांतरण होने पर उनके स्थान पर
6.	के० एल० भाटिया	आई० टी० ओ० डिस्ट्रिक्ट-3 (18)	आई० टी० ओ० (इंसपेक्टोरेट)	क्रम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
7.	बलवन्त सिंह	नई पदोन्नति	आई० टी० ओ० डि०-3 (18)	श्री के० एल० भाटिया का स्थानांतरण होने पर उनके स्थान पर
8.	पी० पी० भट्टाचार (1)	नई पदोन्नति	आई०टी०ओ० इंटरनल आइट-1	श्री अंचल सिंह के स्थान पर

1	2	3	4	5
9.	अब्दल सिंह	आई०टी०ओ० (इंटरनल) आडिट-1	आई०टी०ओ० स्पेशल सर्किल-8 (अतिरिक्त)	कु० मंजु अग्रवाल के स्थान पर
10.	मंजु अग्रवाल (कुमारी)	आई०टी०ओ० स्पेशल सर्किल 8 (अतिरिक्त)	ए०टी०आई० (इंटेलीजेंस)	कम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
11.	पी० एन० वर्मा	छुट्टी से वापिस आने पर	आई०टी०ओ० डिस्ट्रिक्ट-4(2)	श्री गोविन्द राम का स्थानांतर हो जाने पर उनके स्थान पर
12.	गोविन्द राम	आई०टी०ओ० डि० 4(2)	आई०टी०ओ० (इंसपैक्टोरेट)	कम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
13.	कुलदीप सिंह	जूनियर ए० आर० आई०टी० ए०टी०	आई०टी०ओ० स्पेशल सर्किल-5	श्री हरजीत सिंह का स्थानांतरण होने पर उनके स्थान पर
14.	हरजीत सिंह	आई०टी०ओ० स्पेशल सर्किल-5	जूनियर ए० आर० आई०टी० ए०टी०	कम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
15.	एस० एस० पुष्करना	आई०टी०ओ० डि० 2(11)	—वही—	—वही—
16.	बी० पी० मेहंदीरता	आई०टी०ओ०डि०-2 (15)	डि०-2(11)का अतिरिक्त कार्य- श्री एस० एस० पुष्करना को भार संभालने के लिए	कार्यभार से मुक्त करके

अवतार सिंह,  
आयकर आयुक्त  
दिल्ली-1, नई विल्सी

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० एन० त्यागराजन और आदी

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राम्यक्षत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 38/फरवरी/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन  
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिस की सं० 172/1 ए०-१ है, जो कोक्करायनपेट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवेंगारु (पत्र 224/76) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 16 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बादत उच्च अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-  
नार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उच्च अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उच्च अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) सेंगोड गड़न्डर और आदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कोक्करायनपेट गांव एस० सं० 172/1 ए०-१ में 3.70  
एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनानाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्राम्यक्षत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती एल्लम्माल और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 71/फरवरी/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' बहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 123 है, जो पल्लीपालयम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (पत्र सं० 234/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी 1976 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिक्षियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) श्री के० चेल्लमुत्तु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टांकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, पल्लीपालयम अग्रहारम गांव नई सर्वे सं० 123 में 2.49½ एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
ग्रजन रेंज-I, मद्रास

अतः उबत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उबत अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976।

मोहर :

प्रलेप प्राई ० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती एलम्माल और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 27/मार्च/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 123 है, जो पल्लीपालयम में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (पत्र सं० 323/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 मार्च 1976 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री एस० सेंगोड़न  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**उपलब्धीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम गांव नई एस० सं० 123 में 2349 1/2 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस०—

(1) श्री पलनि नायकन और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 37/फरवरी/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 79/1, और 2 है, जो टी० गऊडमपालयम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेगोडु (पत्र सं० 119/76 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति:—  
3—306GI/76

(2) श्री के० पलनियप्पन और आदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोरूपसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम टी० गऊडमपालयम गांव एस० सं० 79/1 और 2 में 8.59 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, मद्रास

दिनांक : 6 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० आर० मीनाक्षीसुन्दरम् और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

(2) श्री एस० वेलुसामि पिल्लै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 53/मार्च/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 259/1 और 2 है, जो पुदुविलांगुडि में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 405/  
76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16 के अधीन मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवधत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बछने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

मदुरै, पुदुविलांगुडि एस० सं० 259/1 (2.78 एकड़)  
और 259/2 (1.36 एकड़) में 4.14 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

यतः इदृश उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की  
उपलब्धारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक : 6 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रलूप आई० ई० एन० एस० —

(1) जनाब एस० सफर अहमद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निवेद सं० 74/फरवरी/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 34, 34ए और 34बी हैं, जो अम्मूर रोड, मन्तागल गांव में स्थित हैं (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, वालाजा नगर (पत्र सं० 394/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 फरवरी 76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—

(2) जनाब के० अबदुल जलील साहिब और आदी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मन्तागल गांव अम्मूर रोड डोर सं० 34, 34ए और 34 बी (पत्र सं० 112, 113 और 117/1) म 2.20 एकड़ी की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 6 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री जी० टी० सौन्दरपाण्डीयराज

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

(2) श्री ईश्वासन्ट चारीस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 76/फरवरी/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12 सी और 12 ए है, जो स्ट्रीट सं० 5, दूबीपुरम दूटीकुरिन में स्थित है और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूटीकुरिन (पत्र सं० 151/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृत स्थान के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुरुकुडि, दूबीपुरम, स्ट्रीट सं० 5, छोर सं० 12 ए और 12 सी (टी० एस० सं० 3755, 3756 और 3757) में 25 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन;  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 6 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रेरणा आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री देवकी नन्दन मोदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 9 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 27/76-77/ए सी (ए/आर)/ बी बी एस आर—  
यतः, मुझे, ए० एम० मिश्र,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिस की रुट नं० 22 है, जो पूर्व बड़गड़ में स्थित  
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
13 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं बिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः—

(2) मैसर्स भारत सलूट एण्ड केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदाता किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और स्थित भुवनेश्वर का पूर्व बड़गड़ मौजा में स्थित है। वह जमीन पुरी जिला का भुवनेश्वर सब-रजिस्ट्रार आफिस में 13-2-76 तारीख में रजिस्टर हुआ; जिसकी डाकुमेंट नं० 1172 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

दिनांक : 9 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आमकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 9 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 28/76-77/आई० एसी (ए/आर) बी बी एस आर यतः, मुझे, ए० एन० मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', यहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० 3(ए) है, जो यूनिट-VIII भुवनेश्वर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 अप्रैल 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल वे लिए इत्तमि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्कित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—

(1) श्री श्याम सुन्दर भोसिका

(अन्तरक)

(2) श्री उम्बू बिं मायुस्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जमीन और मकान भुवनेश्वर का यूनिट-VIII, प्लाट नं० 3(ए) में स्थित है। वह संपत्ति भुवनेश्वर सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में 19-4-76 तारीख में रजिस्टर हुआ : जिसकी डाकुमेंट नं० 3062 है।

**अमरेन्द्र नाथ मिश्र,****सक्षम प्राधिकारी,****सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),****अर्जन रेज, भुवनेश्वर**

दिनांक : 9 सितम्बर 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 29/76-77/आई ए सी (ए/आर) बीबीएस-  
आर—यतः मृष्णे, ए० एन० मिश्र,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिवास उक्ते वा कारण  
है कि राष्ट्रवार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी थाना नं० 65 है, जो बड़गढ़ (पश्चिम) में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 12 मई 1976

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
लिखित में वारस्तिक रूप से घटित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्व नाथ सामन्तराय

(अन्तरक)

(2) श्री माधवा नन्द मलिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की हासील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त राष्ट्रवार सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

जमीन और स्थित भुवनेश्वर का बड़गढ़ (पश्चिम)  
मौजा में स्थित है। वह जमीन भुवनेश्वर सब रजिस्ट्रार  
ऑफिस में 12-5-76 तारीख में रजिस्टर हुआ; जिसकी  
डाक्यूमेंट नं० 3996 है ।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना 411004, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/थाना/फेन्डू 76/300/76-77—  
यतः, मुझे, व्ही० एस० गायत्रोंडे०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा  
कारण है कि रथाघर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फॉट क्र० 6, फा० प्ला क्र० 214, टी० पी०  
स्कीम, नौपाडा है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय थाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 फरवरी 1976  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिसेस रेखा मोहन वद्य शुभेच्छा को-ऑपरेटिङ्ग  
हाऊसिंग सोसायटी, नौपाडा, थाना (अन्तरक)
2. न्यू सोनी को-ऑपरेटिङ्ग हाऊसिंग सोसायटी, सब-  
प्लाट क्र० 6, प्लाट क्र० 214, फॉरेस्ट ऑफिस  
के सामने नौपाडा, थाना (अन्तरिती)
3. (1) श्रीमती सुलक्ष्मा वाल कृष्ण मोकाशी  
(2) श्री नंदकिशोर शर्मा  
(3) श्री विश्वास सिताराम गोखले  
(4) श्रीमती मुमताजबेगम सबाजाली कुरेशी  
(5) श्रीमती कमला हेमराज मोटवानी  
(6) श्रीमती शश्य जे० संघराजका  
(7) श्रीमती सरोज नटवरलाल शाह  
(8) श्री कुलदीप सिंग अरोरा  
(9) कु० जसजीत अरोरा  
(10) श्री डी० पी० हरदासमलानी  
(11) श्रीमती सुचेता एस० शाह  
सभी इन्हें बाले 'न्यू सोनी' को आप० हाऊसिंग सोसायटी,  
सब प्लाट क्र० 6, नौपाडा, थाना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )  
को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन वे भीतर दद्दत रथाघर र.ए.टि. में हितवास  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

**उपटीकृतण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन फायनल प्लाट क्र० 6, सब-प्लाट क्र० 6, क्षेत्रफल  
592 वर्ग यार्ड्स तथा 494.97 वर्ग मीटर्स और इसके ऊपर का  
बिल्डिंग, नौपाडा, थाना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 47 दि० 4-2-76 को सब  
रजिस्ट्रार थाना के दफ्तर में लिखा है )

व्ही० एस० गायत्रोंडे,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

पुना-411004, विनांक 6 सितम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/बंबई(थाना)/प्रत्रैल 76/ 301/  
76-77—यतः, मुझे, छोड़ी एस० गायतोड़े,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है।

श्रीर जिस की सं० प्लाट क्र० ए-26, रास्ता क्र० 10, पंचपाखड़ी  
है तथा जो थाना में स्थित है और इससे उपावन्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 23-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना धर्यत्व के अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4-306GI/76

- (1) श्री विनोदराय जे० गांधी, चेतन को-ऑप० हाऊसिंग सोसायटी, बंगला क्र०-II, पदारा रोड, अकोटा, बरोडा-5" (गुजरात)
- (2) धीरज लाल डी० मेहता, 14 अनुपम, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-38
- (3) राजेश डी० मेहता, 77, I-सर्वोदय, न्यू रानाडे रोड, बम्बई -28। (अन्तरक)
- (2) (1) अजितराय एस० शहा, 138-ए, सी० पी० टंक रोड, चंवा बाड़ी, बम्बई-4,
- (2) श्रीमती गीता एस० दलाल, 15 अल्टा मौट रोड, 403-404, प्रभु-कुटीर, बम्बई-26
- (3) श्रीमती आणा एस० दलाल 15, अल्टा मौट रोड, 403-404 प्रभु कुटीर, बम्बई-26
- (4) श्री किशोर जे० मेहता, जयंत झीला, प्लाट क्र० 6, 11 था रास्ता, खार, बम्बई-52
- (5) श्री विनोदराय जे० गांधी, चेतन को०-ओप० हाऊसिंग सोसायटी, बंगला क्र० II, पदारा रोड, अकोटा, बरोडा-5 (गुजरात) (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20 के परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट और इसके उपर बिल्डिंग—प्लाट क्र० ए-26, रास्ता क्र० 10, थोकफल 1488 वर्ग मीटर, थाना इंडस्ट्रीयल एरिया में, पंचपाखड़ी, थाना ।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1898 दि० 23-4-76 को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है]

वही एस० गायतोड़े,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 6 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अञ्जन रेंज 60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 27 सितम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० ५/बबर्द (थाना) जून, ७६/३०३/७६-७७—  
यतः, मुझे, व्ही० एस० गायतोडे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा  
गया है की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- स्पष्ट से अधिक है

और जिस की सं० स० क्र० 266-ए हिस्सा क्र० 1-ए (पार्ट)  
है तथा जो थाकुरी, थाना जिला में स्थित है (और इससे उपाध्य  
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बबर्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थातु :—

1. श्री रघुनाथ गणेश नवरे  
(2) श्री गोविन्द प्रभाकर दिक्षित  
पाटनस—श्री सरस्वती डेवलपमेंट कार्पोरेशन,  
श्री सरस्वती, 38 आनन्द पार्क रेसिनेंट्स, इसोसिएशन  
ओफ रोड, पूना-7  
(अन्तरक)

2. श्री रामजी लालजी पटेल  
(2) श्री जिवराज लालजी पटेल  
(3) श्री करमचंद्री लालजी पटेल  
(4) श्री विरेन्द्र लालजी पटेल  
पाटनस—रावजी लालजी एंड को०, 3, उभया  
को-ऑप-हाउसिंग सीसायटी, लिमिटेड, मानेकलाल  
इस्टेट, घाटकोपर, घम्बई-36  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अञ्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अञ्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

महासूची

लैंड, सं० क्र० 266-ए, हिस्सा क्र० 1-ए (पार्ट), थाकुरी,  
तालुका-कलयान, जि० थाना,  
क्षेत्रफल—1344 वर्ग यार्ड्स याने 1123 वर्ग मीटर्स  
[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1470, सब-रजिस्ट्रार  
बम्बई के दफ्तर में लिखा है]।

व्ही० एस० गायतोडे,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अञ्जन रेंज, पूना  
दिनांक : 27-9-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 29 सितम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० ५/हवेली-II/फरवरी/76/304/76-77—  
यतः, मुझे, व्ही० एस० गायतोडे,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिस की सं० सि० एस० क्र० 55 और 56, कोरेगांव  
पार्क, मकान और गैरज, सहित, पूना-1 है तथा जो पूना-1 में  
स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II,  
पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 11 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आकृतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः:—

(1) मे० गाईकवाड रिअल इस्टेट ट्रैडर्स, इंद्रमती महल,  
वरोदा (गुजरात)। (अन्तरक)

(2) श्री शांतीलाल रतन चन्द लुकड

(2) श्री सुभाष मोहन लाल लुकड

(3) श्री प्रवीण सुरजमल लुकड

(4) श्री विजय मोहन लाल लुकड

(5) श्री अशोक मोहन लाल लुकड

(6) श्री प्रकाश मोहन लाल लुकड

सभी रहने वाले 7 मोदी बाग, पूना-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यबाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन, जिसके ऊपर मकान, और हाउसेस और गैरज,  
सि० एस० क्रमांक 55 और 56 कोरेगांव पार्क, पूना-1

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 114 दिनांक 11  
फरवरी 1976 को सब-रजिस्ट्रार, हवेली-II, पूना के दफ्तर में  
लिखा है।)

व्ही० एस० गायतोडे,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29 सितम्बर 1976

मोहन:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० 119-एस(ए)/एक्यू—आतः, मुझे, प्र० रहमान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा,  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिस की सं० मकाननं० एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8,  
एस-13/11, एस-13/12 है तथा जो तेलिया बाग, वाराणसी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 8 अप्रैल 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन बार देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

आतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगदीश प्रसाद एवं अन्य गण

(अन्तरक)

(2) संत मिरकारी मंडल दिल्ली-9 द्वारा श्री राम शश्वत  
स्वयं, संत निरकारी कालोनी दिल्ली-9

(अन्तरिती)

(3) श्री सत्य नारायण प्रसाद व श्री वासुदेव के कब्जे में  
1/3 भाग है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शितमढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8, एस-13/11  
एस-13/12, तेलिया बाग वाराणसी।

फ० रहमान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 7 जून 1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी० टी० एन० एस०—

(1) श्री सत्यनारायण प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० 119-एस(बी)/1 ए सी (एक्यू)—प्रतः, मुझे,  
फ० रहमान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8,  
एस-13/11, एस-13/12 है तथा जो तेलिया बाग, शहर  
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 अप्रैल 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री संत निरंकारी मंडल विलो-१  
(अन्तरिती)

(3) 1/3 भाग जगदीश प्रसाद तथा 1/3 भाग वासुदेव के  
कब्जे में हैं  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**अनुसूची**

गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8, एस-13/11  
एस-13/12, तेलिया बाग, शहर वाराणसी ।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक : 7 जून 1976  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री वासुदेव प्रसाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) संत निरंकारी मंडल, दिल्ली-9 (अन्तरित)

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(3) 1/3 भाग सत्यनारायण के पास, 1/3 भाग जगदीश  
प्रसाद के पास  
(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन भेज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 7 जून 1976

निदेश नं० 119-एस (बी) एक्य०—अतः, मुझे, फ०  
रहमान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-  
13/8, एस-13/11, एस-13/12 है तथा जो तेलियाबाग  
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 8 अप्रैल 1976

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8, एस-13/11  
एस-13/12 जो कि तेलियाबाग, शहर वाराणसी में स्थित  
है।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन भेज, लखनऊ

दिनांक : 7 जून 1976

मोहर :

प्रश्न प्राई ० टी० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुमत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निदेश नं० अर्जन/1065/मथुरा/75-76/1533—अतः,  
मुझे, विजय भार्गव,  
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाद्धत् अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 21-2-1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) श्री अमलेन्द्र हाजरा पुरुष श्री महावेद हाजरा, निवासी  
पी०—88 लेक रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

(2) श्री शान्ति प्रसाद अग्रवाला, 2-भगवती प्रसाद  
अग्रवाला, निं० 50 चितरंजन ऐवेन्यु कलकत्ता ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वितीय किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, कहीं  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नं० 52, 53, 54, 55 और 56 है  
जो चतकारा रोड बृन्दावन, जिला मथुरा में स्थित है इसका  
हस्तान्तरण रु 45,000/- में किया गया है ।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक मायकर अनुकूल (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 24 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निदेश नं० अर्जन/6ए/मेरठ/76-77/1581—अतः, मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम] के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्रीमती राजेश गग्न पत्नी श्री बूज मोहन मुखलार आम बूज मोहन पति स्वयं साकिन 39 सराय माली खाँ, चौक, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कोर पत्नी लाल सिंह पुत्र बधू कबूल सिंह साकिन बुदाना डा० मोदी नगर, लिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 145 डी० रक्का 1061 वर्ग गज बाँक साकेत सिविल लाइन्स शहर मेरठ, 55,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 24 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/25-ए/आगरा/76-77/1582—अतः मुझे,  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 16 फरवरी 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहवृह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक  
रूप से कथा नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
5—306 जी आई० 76

(1) श्रीमती हरबंश कौर पत्नी सरदार हरदित सिंह  
निवासी 9 नार्थ ईदगाह नालीनी आगरा  
(अन्तरक)

(2) श्री हंस राज बजाज पुत्र श्री कारम चन्द बजाज  
पार्टनर मेसर्स सरगोधा कलाथ रटोर, आगरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति 11/94 ए० रकवा 1268 वर्ग गज आकै  
करोल पारा कोतवाली वार्ड, आगरा, 48,000 रु० मूल्य में  
हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक: 24 सितम्बर 1976

सोहूर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

निदेश नं० 1062-ए/अर्जन/कानपुर/75-76—अतः मुझे विजय भार्गवा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 जनवरी 1976

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री श्याम लाल पुल श्री खशान साकिन दहेली सुजानपुर तहसील व जिला कानपुर।  
(अन्तरक)

(2) दीनराम हाऊर्सिंग कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड 83/357, देव नगर, कानपुर द्वारा श्री कृष्ण शंकर संगर सेन्ट्रली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति आराजी नम्बर 1144 मि० रकबा 6 बीघा बाकी ग्राम दहेली सुजानपुर, जिला कानपुर 48,000/- रु मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4 अक्टूबर 1976  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निवेश नं० 43/अर्जन सादाबाद/76-77/1593— अतः  
मुझे, विजय भार्गवा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सादाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 जनवरी 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमीरा विधवा (वारिस) रामदयाल निं० नवलपुर भाग महरारा तह० सादाबाद, जि० मथुरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाशप्रसाद सिंह पुत्र गजाधर सिंह व श्रीमती शान्ति देवी पत्नी सियाराम, कालीचरन व मुकट सिंह पुत्रगण मर्दन सिंह, नाहर सिंह पुत्र सरनाम सिंह रामफल पुत्र रत्नसिंह निवासी नवलपुर भाग महरारा, सादाबाद, जि० मथुरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी० के अनुसार है जो ग्राम महरारा तह० सादाबाद जि० मथुरा में स्थित है इसका हस्तान्तरण 74000/- रु० में किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रलूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 59-एफ० ई० बी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 695 है, जो केंद्रीयरम्भ गांव, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओड्सन चक्रम (पत्र सं० 195/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक (अन्तरकों) दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सुविधा के लिए।

अस: शब्द उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पिंचैसुलु गड्ढडर और आदि  
(अन्तरक)  
2. श्री वेम्बन्न गड्ढडर और चिन्नप्प गड्ढडर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै जिला, केन्त्यूरम्भ गांव एस० सं० 695 में 13, 62 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 5-10-1976

मोहर :

प्रेस आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 78/एफ०ई०वो०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 140/1 और 139/1ए है, जो कर्कुड़ि गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शेकोहा (पत्र सं० 315/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के फरवरी, 1976

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—

1. श्रीमती राजमणिकताय और आदि

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अमुसूची**

कर्कुड़िगांव एस० सं० 140/1, (3.62.5 एकड़) और 139/1ए (3.62.5 एकड़) में 7.25 एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज मद्रास

तारीख : 5-10-76

मोहर :

## प्रलेप आई० टी० एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निवेश सं० 80/एफ०ई०वी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 265 है जो रामनातपुरम रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र सं० 544/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० आर० ए० अन्नामलै चेट्टियार  
(अन्तरक)
2. श्रीमती डी० पर्वदर्दनि अम्माल  
(अन्तरिती)
3. इण्डियन बैंक श्रीदरन हमीद ऊमर  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुमूली

मदुरै, रामनातपुरम, रोड, डोर सं० 265 (टी० ए० सं० 2124/1) में 538 5/16 स्क्युयर फोट की भूमि और मकान (मध्य भाग)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 5-10-1976  
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

1. श्री पी० आर० ए० अन्नामलै चेट्टियार

(अन्तरक)

2. श्री जी० दन्वायुद्धपाणी

(अन्तरिती)

3. इण्डियन बैंक,  
श्रीदरन, हर्मीद ऊमर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थायोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; अन्य व्यक्तियों

निदेश सं० 81/एफ०ई० बी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 265 है, जो रामनाथपुरम रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र सं० 565/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण म, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मदुरै

मदुरै, रामनाथपुरम, रोड, डोर सं० 265 (टी० एस० सं० 2124/1) में 538 5/16 स्थायर फीट की भूमि और मकान (उत्तर भाग)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 5-10-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० आर० ए० अन्नामलै चेट्टियार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 82/एफ० ई० बी०/76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 265 है, जो रामनाथपुरम, रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र सं० 546/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री जी० नागराजन

(अन्तरिक्ती)

3. इण्डियन बैंक,  
श्रीदरन, हमीद ऊमर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

मदुरै, रामनाथपुरम, रोड, डोर सं० 265 (टी० एस० सं० 2124/1) में 530 3/4 स्क्वायर फीट की भूमि और मकान (दक्षिण भाग) ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 5-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

1. श्रीमती अगम्माल और पदमावती अम्माल  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० एन० पदमनाब मुदलियार  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 62/एफ०ई०बी०/76-75—यतः मुझे, जी० रामनाथन

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 83/4बी०, 78/1 बी०, 2, 72/14 है, जो वन्कम्बाडी गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर्नी (पत्र सं० 396/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6-306GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वन्कम्बाडी गांव एस० सं० 83/4-बी में 3.19 एकड़, 78/1बी-2 में 2.11 एकड़ (और 5 एक० पी० मोटार और आदि) और 72/14 में 0.10 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 7-10-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 85/एफ० ई० बी०/75-76---यतः मुझे, जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० एफ० 199/1, 212/1, 211/3, 411/1 है, जो बहुकम गांव में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रासीपुरम (पत्र सं० 205/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारप गड्ढर और आदि

(अन्तरक)

2. श्री सेंगोद्धर्येन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

रासीपुरम तालुक बड़गम गांव एस० एफ० सं० 199/1 (1.35 एकड़), 212/1 (1.52 एकड़), 211/3 (1.42 एकड़) और 411/4 (0.04 1/2 एकड़) में 4.33 1/2 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 7-10-1976

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती पाण्पायी अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्तूबर 1976

निदेश सं० 90/एफ० ई० बी० /75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 269/1 और 3 और 124/2बी-2 है, जो में स्थित है और (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय परमात्मा (पत्र सं० 217/16) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को पूर्वोत्तर संपत्ति वे उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री रासपन और पलनियप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पुनर्जैईडैयार, मेलमुगम गांव एस० सं० 269/1 में 4.34 एकड़, एस० सं० 269/3 में 1.76 एकड़ और ईडुम्बकुलम गांव एस० सं० 124/2बी-2 में 7.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/3 अभिन्न भाग।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 7-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. श्री पाण्यायी अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 70/एफ०इ० बी०/75-76—यतः मुझे, जी०  
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 269/1, 269/3 और 124/2 बी-2 है, जो मेरे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परमात्मा (पत्र सं० 218/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. नल्लप्पन और चेल्लप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तस्मद्दन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीकरणताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

पुनर्जैईडेंगार मेलमुगम गांव एस० सं० 269/1 में 4.34 एकड़, एस० सं० 269/3 में 1.76 एकड़ और द्विम्बकुलम गांव एस० सं० 124/2 बी-2 में 7.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/3 अधिनन भाग।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 7-10-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री करुण गुलडर और मादेण

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग  
(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती अर्तीमी अम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 66/एफ०ई० बी०/७५-७६—यतः मुझे, जी०  
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 98/1, 2, 96/4 और 5 और 106/11 है, जो ईडप्पाडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय ईडप्पाडी (पक्ष सं० 253/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1008 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यादितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त ध्यादितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सेलम जिला, ईडप्पाडी गांव एस० सं० 98/1, (2.27 एकड़) 98/2 (0.50 एकड़), 96/4 (0.86 एकड़) 96/5 (0.2 एकड़). और 106/11 (0.84 एकड़) में 4.50 हेटी की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 14-10-1976  
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यादितयों, अथवा :—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०---

1. श्री संगोड गठन्डर और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

## (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 76/एफ०ई०बी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 98/1, 2, 96/4 और 5 और 106/11 है, जो ईडप्पाडी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईडप्पाडी (पत्र सं० 256/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :—

2. श्री लक्ष्मण गठन्डर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला ईडप्पाडी गांव एस० सं० 98/1, (2.27 1/2 एकड़), 98/2 (0.50 1/2 एकड़), 97/4 (0.86 एकड़), 96/5 (0.02 1/6 एकड़), और 106/11 (0.84 एकड़) में 4.50 1/6 खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 14-10-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 1627—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो माहिल में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित घटवितयों, अर्थात् :—

1. श्री सर्वज्ञा सुपुत्र श्री करतारा सुपुत्र श्री नामा  
निवासी मोहिल, तहसील फिल्लौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरमीत कौर पल्लि श्री विशन सिंह सुपुत्र  
श्री (आत्मा सिंह) आत्मा सिंह, निवासी—गौरायां,  
तहसील : फिल्लौर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे,

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 417, फरवरी, 1976  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-10-1976

मोहर:

प्रस्तुति प्राइवेट एनोएस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/74/76-77—यतः मुझे, वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा कोठी नं० 383-ए, ग्रीन एवेन्यू,  
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन फरवरी, 1976  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने को कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जुगिन्द्र सिंह सुपुत्र स० भगत सिंह  
383-ए, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. राजिन्द्र सिंह सुपुत्र स० साधु सिंह,  
पार्टनर :  
मैसर्ज नरिन्द्र सिंह एण्ड क०  
बाजार कनक मण्डी, अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जायदाद, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख  
नं० 308, महीना फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर  
तारीख: 6-10-1976  
मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० ए०ए०आर०/75/76-77—यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 33-बी०, आर० बी०, प्रकाश चन्द्र रोड, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-306GI/76

1. श्री धर्मपाल सुपुत्र श्री दीवान चन्द्र,  
बासी 33-बी०, आर० बी० प्रकाश चन्द्र रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ सुपुत्र श्री विश्वनाथ दास, और श्री मती  
हीरा देवी पत्नी श्री अमरनाथ  
बासी बाजार, गुरु का महल, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जायदाद नं० 33 आर० बी० प्रकाश चन्द्र रोड, अमृतसर  
जैसा कि रजिस्ट्रीक्युल विलेख नं० 3085 फरवरी, 1976 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० फग०/76/76-77—यतः मुझे, बी० आर० सगर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा० गया है) की धारा 269 घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो सेन्ट्रल टाउन, फगवाड़ा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
मैं, प्र उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
में, निम्नलिखित वित्त अवधियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वर्णकौर पत्नी स० सोहन सिंह  
वासी गांव बिरक तह० फिल्लौर  
(अन्तरक)

2. श्री बैजनाथ मुपुत्र श्री फतेह चन्द  
गांव तलवां, तहसील फिल्लौर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, वे भी अतिरिक्त पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 जायदाद सेन्ट्रल टाउन फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 1843 फरवरी, 1976 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 6-10-1976  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० फग०/77/ 76-77—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद सैन्ट्रल टाऊन, है जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1976 को पूर्वोंतत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंतत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वर्णकीर पत्नी स० सोहन सिंह गांव बिरक तहसील, फिल्लौर। (अन्तरक)
2. श्रीमती सरोज मजीठा पत्नी श्री बैजनाथ गांव तलवां, तह० फिल्लौर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंतत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंतत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 जायदाद सैन्ट्रल टाऊन फगवाड़ा, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 1795 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० कपूरथला/78/76-77—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9-वीं, माडल टाउन, फगवाड़ा, है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दर्शन सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह 11-ए, माडल टाउन, फगवाड़ा। (अन्तरक)
2. श्री दिविन्द्र सिंह सुपुत्र श्री निर्मल सिंह 9-वीं, माडल टाउन, फगवाड़ा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तिथा किरायेदार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितरणों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसन्धान

प्लाट नं० 9-वीं, माडल टाउन, फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1746 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० ए०ए०आर०/79/76-77—यतः मुझे, वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11-वी, रानी का बाग, है, जो  
अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किभी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, प्रर्तिः—

1. श्रीमती हरदत्तकौर पत्नी श्री करतार मिह मार्क्ट  
श्री केसर सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह, श्री हरदेव सिंह  
जोगिन्द्रपाल सिंह सपुत्रान करतार सिंह और गुरदीपकौर  
पुत्री श्री करतार सिंह वासी कालाधनुपुर, तहसील  
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह  
कूचा नबीयां, कटरा कर्म सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 11-वी, रानी का बाग, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 2980 महीना फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीजन रेंज, अमृतसर

तारीखः 6-10-1976

मोहरः

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० ए०ए०आर०/८०/७६-७७—यत— मुझे, वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' विद्युत गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11-डी रानी का बाग, अमृतसर है  
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
वा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निरन्तरित उद्देश से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं विद्या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरबन्सकौर पत्नी श्री करतार सिंह मार्क्ट  
श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह, श्री हरदेव सिंह  
जोगिन्द्र पाल सिंह सपुत्रान, करतार सिंह और गुरुदीपकौर  
पुत्री करतार सिंह गांव कालाधनपुर, तह ० अमृतसर ।  
(अन्तरक)

2. श्री मनिन्द्रपाल सिंह, सुपुत्र श्री करतार सिंह  
कूचा नवीयां, कटरा करम सिंह, अमृतसर ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० २ में है तथा किरायेदार यदि कोई हो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशालियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

### अनुसूची

प्लाट नं० 11-डी, रानी का बाग, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 2974 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में लिखा है ।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप श्राईः टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/81/76-77—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा, 11-सी, रानी का बाग, है तथा जो अमृतसर में स्थित है (आंश इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिपाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि विसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यवितियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरवन्स कौर पत्नी श्री करतार सिंह मार्क्झ श्री करतार सिंह, श्री हरदेव सिंह और जगिन्द्रपाल सिंह सुपुत्रान श्री करतार सिंह और गुरदीप कौर सुपुत्री श्री करतार सिंह गांव, कालाधनुपर, तहो अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. नरिन्द्रपाल सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह कूचा नवीयां, कटडा कर्मसिंह अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरणदार यदि हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यवितियों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11-सी, रानी का बाग, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2998 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० ए०ए०आर०/८२/७६-७७—यतः मुझे वी०  
आर० सगर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ठापन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 562 आर० वी० रत्न चन्द्र रोड है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दविन्द्र चन्द्र सुपुत्र श्री गुजर मल कर्ता प्राप्त एच० य० एफ० वासी 19, रत्न चन्द्र रोड, अमृतसर श्री मायादेवी पत्नी श्री दविन्द्र चन्द्र सर्वश्री नरिन्द्र चन्द्र खन्ना रविन्द्र चन्द्र सुपुत्रान अमीचन्द्र वासी प्रार० वी० रत्नचन्द्र रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री हरवन्स लाल सुपुत्र श्री विश्वनाथ दास मालिक :

मैसर्स हरवन्सलाल एंड सन्जा,  
बाजार काठीया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यवितयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठापन सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती का टुकड़ा, आर० वी० प्रकाश चन्द्र रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2850 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० बी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/83/76-77—यतः मुझे, बी०  
आर० सगर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है,

और जिसकी सं० खसरा नं० 563, आर० बी० रत्न चन्द रोड,  
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
प्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन करवारी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—306जीआई/76

1. श्री दविन्द्र चन्द्र सुपुत्र श्री गुज्जर मल, श्रीमती मायादेवी  
पत्नी श्री दविन्द्र चन्द्र और श्री नरिन्द्र चन्द्र, रविन्द्र चन्द्र  
सुपुत्र श्री अमीचन्द्र वासी 19 रत्न चन्द्र रोड, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्री राधारमन सुपुत्र श्री परमेश्वरी, दास  
वासी ढाब खटीकां, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

प्लाट आर० बी० रत्न चन्द्र रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 2852 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्रस्तुति प्राप्ति 30 अक्टूबर 1976

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निदेश सं० अर्जन/ 77/गाजियाबाद/ 76-77/1610—  
अतः, मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा (1) के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा (1) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा (1) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैसंस महालक्ष्मी लैण्ड एण्ड, फाइनेन्स कं० प्रा० सिमि० 8-डी० जिल्डल ट्रस्ट बिल्डिंग आसफ अली रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री प्रकाश चन्द निं० फ्लैट नं० 16 म्युनिसिपल मार्केट रमेश नगर, नई दिल्ली 2. श्रीमती बीना अरोरा पत्नी श्री नन्द लाल म० न० 1149 शोरा कोठी सज्जी मण्डी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या सप्तमान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट नं० एस०-1 जिसकी माप 666 वर्ग गज है जो वृद्धावन गार्डन ग्राम पासन्डा, गाजियाबाद में स्थित है इसका हस्तान्तरण 19980/- में किया गया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 7-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निवेश सं० 76/अर्जन/गाजियाबाद/ 76-77 /1611:—  
अतः, मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 19-2-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपचारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हालकमी लैण्ड एण्ड फाइनेंस के० प्रा० लिमि०  
8-बी० जिन्वल ट्रस्ट बिल्डिंग, आसफ अली रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री पं० काशीराम (2) शिवनाथ, (3) राकेश  
(4) जीत पाल (5) राजेश निं० कृष्णा वाटर  
सप्लाई कं०, 60 जी० बी० रोड, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सन्वधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट नं० 21 जिसकी माप 667 वर्गगज  
है जो बृन्दावन गार्डन ग्राम पोसण्डा गाजियाबाद में स्थित है इसका  
हस्तान्तरण 14674 रु० में किया गया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर  
कानपुर, दिनांक 7 सितम्बर 76

निवेश सं० अर्जन/ 33-ए०/ देहरादून/ 76-77/1645—  
अतः मुझे, विजय भागवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती बूज रानी पत्नी श्री ए० के० बज्जी निवासी 82, राजपुर रोड, देहरादून, (2) श्री बूज मोहन पुत्र श्री जय किशन दास निवासी फरावारा (पंजाब) वर्तमान पत्ती।

राजस्थान द्वारा मुख्तार आम श्री औतार किशन बज्जी। (अन्तरक)

(2) मसरी नव चिन्ह कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड आफिस-11 कोलागढ़ रोड देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 115 एम० भूमि का, टुकड़ा (आधा भाग) रक्का 3605.5 वर्गमील स्थित कनवली परगना सेंट्रल दून, देहरादून, 32,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भागव  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री रत्न लाल पुत्र हीरा सिंह निं० ग्राम जगनपुर जिं० आगरा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 51/ अर्जन/ आगरा/ 76-77/1648—अतः  
मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति :—

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद आनन्द पुत्र प्रेमदास आनन्द (2)  
श्रीमती सरला आनन्द पत्नी सन्त स्वरूप आनन्द (3)  
श्रीमती प्रभा भार्गव पत्नी अतरी भार्गव (4) गुरु  
सरन दास सुपुत्र लाला मानमल (5) श्रीमती स्वामी  
प्यारी पत्नी सपताल निं० स्वामी नगर दयालबाग  
आगरा (6) मुकदम पुत्र रत्न लाल निं० जगन-  
पुर जिं० आगरा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

अन्तर्ल सम्पत्ति खाता नं० 282, जिसकी माप 4 बीघा जो ग्राम जगनपुर जिला आगरा में स्थित है इसका हस्तान्तरण 40000/- में किया गया है ।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 13-10-76

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती धर्मविती देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती इन्द्रासना देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

(3) श्रीमती धर्मविती देवी

(वह व्यक्ति जिसके श्रद्धाभोग में सम्पत्ति है)

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

निर्देश सं० 10-I/ अर्जन —अतः मुझे, अमर सिंह विसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी संख्या प्लाट मं० नं० है, तथा जो मो० शिवाजी-नगर, बाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मामूरगंज पर० देहात अमानत जिला, बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अमर सिंह विसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-76  
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 20 य०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ह० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान न० है तथा जो कि सोना तालाब पर० शिवपुर शहर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

(1) श्री शिव मूर्ति सिंह

(प्रन्तरक)

(2) क्वीन आफ दी प्रापोसेल्स सोसायटी, सेन्ट मेरिएज कानेकेन्ट

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्खात्मकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरणः—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नम्बर सी० 19/3 सोना तालाब, परगना शिवपुर शहर वाराणसी

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 4-10-1976  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सुरेश चन्द्र गोयल व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

(2) श्री निरज कुमार शर्मा

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ  
लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 21-एन० /अर्जन —अतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान व जमीन आ० नं० 278 है, तथा जो डाढ़ी करवट, रालूपुर, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एक किता मकान मय गमीन आ० नं० 278, मौजा डाढ़ी करवट, रालूपुर, वाराणसी

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—

तारीख : 4-10-1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

(1) नार्दन इंडिया लैन्ड एण्ड फाइनेंस होउसिंग कारपो-  
रेशन, लैंका, वाराणसी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 57-पी 1/अर्जन --अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- एवं से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 28/ आफ /222/1 है,  
तथा जो कि मौजा नगवा परगना देहात अमानत जिला  
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 2-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूर्घट पान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घटपान  
प्रतिफल से, ऐसे दूर्घटपान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-306GJ/76

(2) श्री परिजात राय बिक्रेता

(अन्तरिती)

(3) बिक्रेता (अह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट नं० 28,222/1, प्लाट का भाग जो कि मौजा  
नगवा पर० देहात अमानत जिला, वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-1976

मोहर :

प्रहृष्ट प्राईंटी ० एन० एस० —————

( 1 ) श्री गजना प्रसाद रस्तोगी

(अन्तररक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

( 2 ) श्रीमती खेलन निसा एवं अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

( 3 ) वादी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ह)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निदेश सं० 65 के०/अर्जन —अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान मय जमीन नं० 105/291 हुसैनगंज, फूलबाग चिरैधा पुरबा लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान मय जमीन नं० 105/291 जो मो० हुसैनगंज, फूलबाग, चिरैधा पुरबा, लखनऊ में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती लक्ष्मी देवी एवं अन्य।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री सरदार बलदीप सिंह एवं अन्य

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्बालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिसंक 4 अक्टूबर 1976

निवेश नं० 72-बी० /अर्जन —अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० है, अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि मय इमारत नं० 4/152 है, तथा जो कि ग्राम सनौआ प० त० व जिला बरेली में स्थित है (और इससे उपाबुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-फर्म प्राधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

(3) श्रीमती लक्ष्मी देवी एवं अन्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रामजी भूमि धर्म नं० 4/152 मय इमारत जो कि ग्राम सनौआ, पर० तह० व जिला बरेली में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 4-10-76  
मोहर :

प्रस्तुप ० आई ८० एन० एस०---

(1) श्री बच्चू एवं अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुन्नी लाल एवं अन्य

(अन्तरिती)

(3) बिक्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ  
लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

निवेश नं० ४४५८० /अर्जन —अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसका मकान नं० 147 है तथा जो बहादुरगंज इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-2-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरु करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं० 147 जो कि बहादुरगंज शहर इलाहाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री नन्द लाल वगैरह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

निवेश नं० 108 आर० /अर्जन —अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मौजा मरजाद पट्टी, पो० आ० अनई पर० भदोही जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भदोही में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-2-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री रहमत उल्लाह वगैरह

(अन्तरक)

(3) केता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति

है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथायर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदृष्ट शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मकान मौजा मरजाद पट्टी ता० चौथरि पो० आ० अनई, परगाना भदोही, जिला वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-76

मोहर :

प्रस्तुत आई ० टी ० एन ० एस ०

(1) श्री गामू नाथ सोनकर एवं भन्दा

(मन्त्री)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की आरा 269 व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रामावती बाबूदाम

(मन्त्रिता)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

(3) विक्रेता (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

निदेश नं. 109-आर०/अर्जन —अतः, मुझे, अमर सिंह  
विसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा  
268-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि इसाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मकान नं. 339/14 क है तथा जो कि  
लिमनीमंज शहर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 4-2-1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
वन्देह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथ यथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्दा आस्तियों  
को जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम;  
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 268-व के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सक्षमतावाली अधिकारी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में  
दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अड्डोहस्ताकरी  
के पास लिखित में किये जा लकेने।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस आव्याय में दिया जवा है।

अनुसूची

एक मकान नं. 339/14 क जो सकिन लिमनीमंज, लहर  
लखनऊ में स्थित है।

अमर लिह विसेन,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 4-10-1976

मोहर :

प्रस्तुत प्राईटी एनो एसो—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालिव, लहानक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 21 सितम्बर 1976

निर्देश तं० आइ० 1/1-23-9/फरवरी-76 —अतः, मुझे,  
जी० आर० अमीन,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269वाँ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह  
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
ठिक्कारा बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 1/1266 का लोग्गर परेल-  
डिवीजन है तथा जो भवानी शंकर रोड में स्थित है (और इसे  
उपागढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट  
अधिकारी के कार्बालिव बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिस्ती  
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिकल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वाल्टरिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीया आरा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने  
ने सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसरण  
में अधिनियम, की धारा 269वाँ की उपवारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अवितायों, अस्ति:—

(1) श्री इस्माइल हाजी मोहम्मद पटेल की पत्नि बाई  
मरीमबाई

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र हुना थाके

(अन्तरिती)

(3) श्री जे० एफ० देसाई, श्री टी० करैया; श्रीमती डी० डी०  
सूजा और पांडुरंग  
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

पेशन और टैक्स पट्टेकी जमीन या मैदान का वह तमाम हिस्सा  
या भाग उस पर खड़ी बाड़ी, किराए के आवास या निवास घर  
सहित, जो भवानी शंकर रोड पर बंबई नगर एवं उपनगर के रजिस्ट्री  
उप-जिले में वंबई द्वीप में मौजूद, पड़ा हुआ है, माप में 499  
वर्गमीटर यामी 597 वर्गमीटर या आसपास है और उसके नक्शे  
में लाल रंग की सीमा रेखाओं से रेखांकित है एवं माहिम क्षेत्र  
की टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 1 एफ० का प्लांट जिसका अन्तिम  
नं० 438 है और भू-राजस्व कलक्टर के रिकार्ड में पुराने नं०  
ए० / 1198, नये नं० 4324, नये सर्वेक्षण नं० भाग-2/1841,  
केड़ेस्ट्रॉल सर्वे नं० 1/1266, लोग्गर परेल डिवीजन के अधीन और  
कलक्टर ऑफ म्यूनिसिपल रेट्स एण्ड टैक्सेज के 'जी०' वाडे नं०  
3365 (3) 3366 (1), 3366 (1ए), 3366 (2) व  
3367 (3), और स्ट्रीट नं० —13 डी०, 15 ए, 15 ए० बी०,  
15 ए०, व 13 बी० बी० के अधीन दर्ज है तथा इस प्रकार विरा हुआ  
है कि पूर्व की ओर रेव फावर एच० जे० डायस वर्गैरह की जायदाद,  
पश्चिम की ओर—मूल श्रीमती सुहिंदा द आइजावैला डायस वर्गैरह  
की जायदाद, उत्तर की ओर सार्वजनिक सड़क, और दक्षिण की  
ओर नये सर्वे नं० 1841 वाली जायदाद है।

जी० आर० अमीन  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, बंबई

तारीख : 21 सितम्बर, 1976  
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० अ० इ०-४ /ए० पी० 236/76-77—अतः,  
मुझे, जी० ए० जेम्स,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से  
अधिक है।  
और जिसकी स० प्लांट न० बी०/38 सर्वे न० 41 (पार्ट)  
है तथा जो ओसीवारा गांव में स्थित है (और इससे उपाध्य अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 11-2-1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरित के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरित लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरित से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बैरामजी जीजीभाई प्रा० लि०, बलाई हाउस,  
दुसरा माला, मंगलौर स्ट्रीट, फोट, बम्बई-400001  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री जीतेंद्र रत्नलाल शाह  
2. श्रीमती इन्द्रमति रत्नलाल शाह  
3. श्रीमती देवदेवी दीपक शाह  
फर्म का संप्रेदारी मैसर्स, कॉण्ज ट्रॉसर्स, न० 3,  
नया स्टाक एक्सचेंज ब्रिलिंग, अपोलो स्ट्रीट, फोट,  
बम्बई-400023  
(अन्तरिती)

(4) मैसर्स, बीरा लैंड डेवलपमेंट कारपोरेशन शाम नगर,  
बीरा देसाई रोड, अधीरी (प०) बम्बई-400058  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सर्वे न० 41 (भाग) के नक्शा और स्कीम का प्लांट न० बी०/38 जिसकी माप 1216 वर्गगज (1011) वर्ग मीटर है जो गांव ओशिवरा तालुका अधीरी है और इस प्रकार घिरा हुआ है कि उत्तर की ओर प्लांट न० बी०/24, पर्सिम की ओर 44 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण की ओर प्लांट न० बी०/53 और पूर्व की ओर प्लांट न० बी०/36 है।

जी० ए० जेम्स,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 11 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० .....

(1) श्री विनायक कल्यानजी शाह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आइ०-1/1526-12/फर०-76 :—अतः मुझे,  
जी० ए० जेम्स्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 568 (पार्ट), 135-  
ए० ग्वालिया टैक रोड है तथा जो मलबार और कंबला हिल में  
स्थित है (और इसके ऊपर अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीबर्टा अधिकारी के कार्यालय बंबई, में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
3-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-306 जी आई/76

(2) श्री ज्ञान चन्द्र एन० कोठारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्तिस द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर स्थित निवास  
घर सहित, जो 135 ए० ग्वालिया टैक रोड (अब अग्रस्त क्रांति  
मार्ग) पर मौजूद है और रजिस्ट्री उप-जिला और जिसका बंबई<sup>1</sup>  
नगर व उपनगर में है, माप में 600 वर्गगज है जो 501.600  
वर्गमीटर के लगभग बराबर है, और भू-राजस्व कलक्टर के यहां  
नये नं० 1/3039, केडेस्ट्रल सर्वे नं० 568 (भाग) कंबला  
व मलबार हिल डिवीजन की अधीन दर्ज है और बहुत बंबई महा-  
नगर निगम के असेसर व कलक्टर के यहां डी-वार्ड नं० 2935  
और स्ट्रीट नं० 2, ग्वालिया टैक रोड और शब्द 14 डी०  
वार्ड नं० 2935 व 135 ए०, अग्रस्त क्रांति मार्ग के अधीन निर्धारित  
होता है तथा पूर्व में इन्हीं विक्रेताओं की जायदाद, पश्चिम में तसरवा-  
नजी आरा० नाजिर की जायदाद, दक्षिण में वह जायदाद जो पहले  
होरमसजी जीवन जी की ट्रस्ट इस्टेट की थी, फिर अब्दुल हुसैन  
गुलाम हुसैन बंदूक वाला और यसुफ अली गुलाम हुसैन बंदूक वाला  
की, और उत्तर में पहले होरमस जी जीवन जी की ट्रस्ट इस्टेट की  
ओर अब मिठीबाई दादाभाई मिस्त्री बगैरह की है, से घिरा हुआ  
है।

जी० ए० जेम्स्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 12 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग, नेताजी संभाषण

रोड, बंबई-400002

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आई०-1/1527/13/फर०-76 :—अतः, मृद्दे,  
जी० ए० जेस्स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1/3039, सं० एस० नं० 568 (पार्ट) कंवाला और मालावार हिल छिंवीजन है तथा  
जो 135-ए० खालिया टैक रोड में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्दे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुखराज चूझिलाल वाना

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार केंद्र कोठारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़े निवास  
घर सहित, जो 153 एकड़ालिया टैक रोड पर (जो अब अगस्त  
कान्ति मार्ग है), मौजूद है और बंबई नगर व उपनगर के रजिस्ट्री  
उप-जिले में और जिले में हैं, माप में 600 वर्गगज यानी 501.600  
वर्गमीटर के बराबर या आसपास है और भू राजस्व कलक्टर के  
यहाँ नये नं० 1/3039 केडेस्टल सर्वे नं० 568 (भाग), कंवाला  
व मालावार हिल छिंवीजन के अधीन दर्ज है और बृहत् बंबई महा-  
नगर निगम के असेसर और कलक्टर द्वारा, पहले के डी०-बांड  
नं० 2935 व स्ट्रीट नं० 2, खालिया टैक रोड और अब 14 डी०  
बांड नं० 2935 व 135 ए०, अगस्त कान्ति मार्ग के अधीन  
निर्धारित होता है और जो पूर्व में इन्हीं विक्रेताओं की जायदाद  
से, पश्चिम में नसरवानजी आर० नाजिर की जायदाद से, दक्षिण  
में उस जायदाद से, जो पहले होरमसजी जीवनजी की ट्रस्ट इस्टेट  
की थी और फिर अब्दुल हुसैन गुलाम बंदूक वाला और युसूफशर्ली  
गुलाम हुसैन बंदूकवाला की, उत्तर में उस जायदाद से, जो पहले  
होरमस जी, जीवनजी की ट्रस्ट इस्टेट की थी और अब मिठीवाई  
दादाभाई मिस्त्री वर्गेरह की है, विरा हुआ है ।

जी० ए० जेस्स०  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबई

तारीख : 12 अक्टूबर 1976

मोहर :



प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० · · · · ·

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रीमती के० जी० एम० पी० अस्पताल बिल्डिंग,  
नेताजी सुभाष रोड, आ० ई०-१ बंबई 400002

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अश०-१ /1538-24/फस/76 :—ग्रतः मुझे,  
जी० ए० जेम्स्

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1384(पार्ट) सी० एस० सी०  
नं० 1343, भूलेश्वर डिवीजन है, जो धनजी डोगरिया स्ट्रीट में  
स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 क्य 16) के अधीन, तारीख 10-  
2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक  
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः :—

(1) श्रीमती सुधालक्ष्मी मोहन लाल झवेरी

(अन्तरक)

(2) श्री शाह लक्ष्मन दास हजारीमल और ग्रन्थ

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन वे संबंध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की लार्याल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्थी

फजनद्वारी जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग,  
और उस पर खड़ी वाड़ियों, किराए के आवासों, या निवास घरों  
सहित, जो धनजी (डोगरिया) स्ट्रीट पर बंबई के फोर्ट से बाहर,  
बंबई के द्वीप में, बंबई के रजिस्ट्री उपजिले में भौजूद, पड़ा हुआ है,  
माप में एक सौ बयालीस वर्गगज और एक अन्य वर्गगज का पांच  
बटा नीं या कुछ कम ज्यादा हो सकता है और इस प्रकार घिरा  
हुआ है कि पूर्व की ओर सफाई कर्मचारी का निकास परिचम की  
ओर कथित धनजी (डोगरिया) स्ट्रीट, उत्तर की ओर वह  
सम्पत्ति है जो पहले बैरामजी फोर्ब्स (मृत) की थी और अब प्रेमचंद  
कल्याण जी की है। दक्षिण की ओर वह सम्पत्ति है जो पहले पीरोजशाह  
मानेक जी चौकसी की थी और अब नगीनचन्द रूपचन्द चल्लाभाई  
की विधवा बाई गुलाब और उसके पुत्रों की है तथा इस जगह का  
निर्धारण म्यूनिसिपल रेट्स एण्ड टेक्सेज के असेसर व कलेक्टर द्वारा  
सी० बाई० नं० 690, स्ट्रीट नं० 99-101 व नये नं० 13-15,  
कलेक्टर के नये नं० 251, नये सबे नं० 1384 का भाग व कडेस्ट्रूल  
सबे नं० 1343 भूलेश्वर डिवीजन है के अधीन किया गया है।

जी० ए० जेम्स्

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बंबई

तारीख : 12 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, श्रीमती के० जी० एम० पी० अस्पताल बिल्डिंग,  
अर्जन इलाका-1, नेताजी सुभाष रोड, बंबई 400002  
बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अ० इ० ब/1/1539-25/फर०-76:—अतः  
मुझे, जी० ए० जेम्स्

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1384 (पार्ट), सी० एस०,  
नं० 1343 बालकेश्वर डिवीजन है, जो धनजी (डोंगरिया)  
स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुधालक्ष्मी मोहन लाल झंडेरी  
(अन्तरक)

(2) श्री शंख लक्ष्मन दास हजारी मल और अन्य  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी घटित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फजनदारी जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग  
और उस पर खड़ी वाड़ियों, किराए के आवासों, या निवास घरों  
सहित, जो धनजी (डोंगरिया) स्ट्रीट पर, बंदई की फोर्ट से बाहर  
बंबई द्वीप में, बंबई के रजिस्ट्री उपजिले में मौजूद पड़ा हुआ है। माप  
में एक सौ ब्यालिस वर्गगज और एक अन्य वर्गगज या पाँच बटा  
नी या कुछ कम ज्यादा हो सकता है। और इस प्रकार विरा हुआ है  
कि पूर्व की ओर सफाई कर्मचारी का निवास पश्चिम की ओर  
कथित धनजी (डोंगरिया) स्ट्रीट, उत्तर की ओर वह सम्पत्ति  
है जो पहले वैरामजी फोर्ट (मूस) की थी गौर अब प्रेमचन्द्र कल्याण  
जी की है, और दक्षिण की ओर वह तमाम सम्पत्ति है जो पहले  
पीरोजाह हामानेक जी चौकसी की थी और अब नगीनचन्द्र रूपचन्द्र  
चेलाभाई की विधवा वाई गुलाब और उसके पुत्रों की है तथा उस  
इस जगह का निर्धारण म्यूनिसिपल रेट्स एण्ड टैक्सेज के असेसर  
व कलक्टर द्वारा सी० वार्ड नं० 690 स्ट्रीट नं० 90-101 व नये  
13-15, कलेक्टर के नये नं० 251, नये सर्वे नं० 1384 का भाग  
व कडेस्ट्रूल सर्वे नं० 1343 भूलेश्वर डिवीजन है के अधीन किया  
गया है।

जी० ए० जेम्स्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बंबई

तारीख : 12 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4

श्रीमती के० जी० एम० पी० आयुर्वेदिक अस्पताल विलिंग  
5वां माला, नेताजी सुभाष रोड, बंबई-400002

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अ० इ० -4/ए० पी०-235/76-77:—अतः  
मुझे जी० ए० जेम्स्

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लांट नं० बी०-64, सर्वे नं० 41 (पार्ट)  
है तथा जो गांव ओशिवारा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप सेव पिंत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 11-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वारत्रिक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने वे अन्तरक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धने या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तिः—

(1) मैसर्स बैरामजी जीजाभाई प्रा० लि०, बलाई हाउस,  
दूसरा माला, मंगलौर स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई-400001  
(अन्तरक)

(2) श्री सेवदास लभूराम सैमनी  
श्री बलदेव सेवदास सैमनी  
श्री गुरुरणदास सेवदास सैमनी पाटनर और मास्टर  
बलबीर एस० सैमनी (साझेदारी लाभ में मैसर्स बलदेव  
ब्रदर्स को शामिल किया) 288/3 हिल रोड, बांद्रा  
(प०), बंबई-400050

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स, बीरा लैड डेवलपमेंट कारपोरेशन, शाम नगर,  
बीरा देसाई रोड, अंधेरी, (प०), बंबई-400058  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45,  
दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए  
जा सकेंगे ।

**रप्टेक्टरण:**—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

सर्वे नं० 41 (भाग) के तक्षशा श्रीरंगोदाम के प्लांट नं० बी०/  
64 वाली जमीन जिसकी माप 2483 वर्गमीटर (2084 वर्गमीटर)  
है जो गांव ओशिवारा तालुका अंधेरी में मौजूद और इस प्रकार धिरा  
हुआ है कि उत्तर की ओर प्लांट नं० बी०/63, पश्चिम की ओर प्लांट  
नं० ट्लांक-सॉ०' दक्षिण की ओर अंशतः प्लांट नं० ए०-८ और अंशतः  
प्लांट नं० ए०-९ और पूर्व की ओर स्कीम रोड, जिसका सिटी  
सर्वे नं० 701 है ।

जी० ए० जेम्स्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 4 बंबई

तारीख : 12 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कार्यालय, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-२३-१-११६९ (५५५)/१६-६/  
७५-७६—यसः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० लेख नं० 46 (भाग) है, जो रैडीया आइल मिल के पास, मावड़ी रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन २-२-१९७६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. स्वर्गीय श्री रतीलाल मोंजीभाई की वसीयतनामा के निष्पादक की हैसियत से:—

- (1) श्रीमती रुक्मणी बेन रतीलाल नागोद्रा
- (2) श्री जयंतीलाल मोंजीभाई नागोद्रा 4-रामकृष्णनगर, "दीपक", राजकोट (अन्तरक)

2. मैसर्स सौराष्ट्र सेटल इन्डस्ट्रीज की ओर से भागीदार:—  
(1) श्री जयंतीलाल पोपटलाल चोटाई,  
(2) श्री चंद्रलाल मगनलाल मेहता, मावड़ी प्लाट, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में इकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवं वा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1225 वर्ग गज है तथा जिसका लेख नं० 46 (भाग) है तथा जो रैडीया आइल मिल के पास, मावड़ी रोड पर, राजकोट में स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना  
पटना, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-208/अर्जन/76-77/2098—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी हो ० सं०-243, वा० सं० 1/सी० है, तथा जो  
चन्दवा, कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 26-2-1976 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाठ्य ग्रन्थ प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री बूज किशोर ज्ञावर वल्ड स्व० मोती लाल ज्ञावर,  
कांके रोड, रांची।  
(अन्तरक)

2. एम०/एस० विक्रोमेटिक (इन्डिया) प्रा० लिमिटेड,  
24, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1, द्वारा, श्री गोपाल ज्ञास  
सोनी (निदेशक)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जमीन रकवा 26 क० 9 छटांक के साथ एक पुराना मकान जो  
वा० सं० 1/सी०, चन्दवा, कांके रोड, रांची में है तथा जिसका सर्वे  
प्लाट सं० 416, 417 (पार्ट), 420, 421 है तथा जिसका  
वर्णन दस्तावेज सं० 2708 दिनांक 27-2-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख : 7-10-1976  
मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुकरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों अर्थात् :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिवेस, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-209/अर्जन/76-77/2093—यतः मुझे अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी हो० सं० 243/वा० सं० 1/सी० है, तथा जो चन्दवा, कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-2-1976 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
11--306GI/76

1. श्री बूज किशोर माहर बलद स्व० भोटी लाल ज्ञाबर, कांके रोड, रांची।  
(अन्तरक)

2. एम०/एस० बूज इनवेस्टमेंट (प्रा०) लिमिटेड, 24, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1, भारा श्री बलदेव दास मोहता (निदेशक)।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

जमीन रकवा 26 कट्ठा, 10 छांटांक के साथ एक पुराना मकान जो वा० सं०-1/वी०, हो० सं०-242 सा०-चन्दवा, कांके रोड रांची में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 2450 दिनांक 24-2-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिवेस, बिहार,  
पटना

तारीख : 7-10-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 7 अक्तूबर, 1976

निर्देश सं० 111-210/अर्जन/76-77/2012—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी हो० सं० 243, वा० सं० 1/सी० है, तथा जो चन्दवा  
कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 24-2-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बृज किशोर ज्ञावर वल्द स्थ० मोती लाल ज्ञावर,  
कांके रोड, रांची।  
(अन्तरक)

2. एम०/एस० ज्ञावर इन्वेस्टमेंट (प्रा०) लिमिटेड, 14,  
प्रिंसेप स्ट्रीट, कलकत्ता-72, द्वारा—शान्ति देवी ज्ञावर (निदेशक)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन रकबा 26 कट्ठा 6 छटांक के साथ एक पुराना भकान,  
वा० सं०—1/सी०, हो० सं०-243 जो चन्दवा, कांके रोड, रांची  
में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 2448 दिनांक 24-2-76  
में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख : 7-10-76

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-211/अर्जन/76-77/2099—यतः मुझे  
अर्जय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी हो० सं०-243, वा० सं०-1/सी० है, तथा जो  
चन्दवा, कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 24-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वृज किशोर ज्ञावर बल्द स्व० मोती लाल ज्ञावर,  
कांके रोड, रांची।  
(अन्तरक)

2. एम०/एस० वसन्त होल्डर्स प्रा० लिमिटेड, 24, आर०  
एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1, द्वारा—श्री बी० एल० अग्रवाल  
(निदेशक)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तन्त्रमध्यं व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन रक्खा 26 कट्टा, 9 छटांक के साथ एक पुराना मकान  
जो वा० सं०-1/सी० एवं हो० सं०-243, चन्दवा कांके रोड, रांची  
में है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 2449 दिनांक 24-2-76  
में पूर्ण है।

अर्जय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 7-10-1976  
मोहर :

प्रस्तुप्राप्ति 30 टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-212/अर्जन/76-77/2090—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी खाता सं०-191, प्ला० सं०-917 है, तथा जो काउल रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ति में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बिलाती लाल सिकरी सा० काउल, रांची।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती पद्मावती देवी जोर्ज श्री मोहन लाल भाल, सा० एवं० थाना—झालडा, जिला—पुरुलिया (पं० बंगल)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय दो मंजिला मकान रकबा 6 क० 14 छांटांक, 42 वर्गफीट जो काउल, रांची में है जिसकी खाता सं० 191, प्लटा सं० 917, सब-प्लाट सं० 144 है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 1521 दिनांक 10-2-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,  
पटना।

तारीख : 7-10-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-213/अर्जन/76-77/2019—यतः मुझ  
अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 76, पुराना, प्लाट सं० 259, नया का  
हिस्सा है, तथा जो नारायणपुर अनन्त में स्थित है (श्री इससे उपा-  
वन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधिक है अंगूष्ठे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ताराचन्द्र अग्रवाल वल्द स्व० जीवन लाल अग्रवाल,  
निवासी पुराना महुआ रोड, नारायणपुर अनन्त, पो० रामकृष्ण  
सेवा आश्रम, मुजफ्फरपुर, हाल सा० फैजाबाद, उत्तर प्रदेश  
(अन्तरक)

2. श्री प्रेमनाथ गुप्ता, श्री सुभाष कुमार गुप्ता, वल्दान श्री  
पश्चा लाल गुप्ता, श्रीमती सरोज रानी, गुप्ता, जोजै श्री सुदेश कुमार  
गुप्ता, सा० विरनी, पोखर, शहर मुजफ्फरपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

जमीन रकबा 8 क० के साथ दो मंजिला मकान इत्यादि, जो  
नारायणपुर अनन्त, मुजफ्फरपुर में है तथा खाता सं० 76, पुराना  
प्लाट सं० 870, पुराना 259 नया का हिस्सा है, तथा जिसका  
विवरण दस्तावेज सं० 2096, दिनांक 3-2-1976 में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख : 8-10-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 8 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-214/अर्जन/76-77/2020—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी हो सं० 1857 (सी०) एवं 1857/8 का हिस्सा  
है, तथा जो हेहल, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 20-2-76 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दियना गीता सिंह राय जोजै श्री दिलीप कुमार  
सिंह राय, श्री सुब्राता कुमार सेन, द्वारा श्रीमती दियना गीता सेन  
(अटार्नी), प्लैट नं० 39, बेनस प्लाट नं० 49, वर्लिस सी० फेस,  
बाम्बे-18।  
(अन्तरक)

2. श्री अजीत कुमार सिंह, वल्ड डा० राम बली सिंहा, सा०  
रातू रोड, रांची।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन रकबा 0. 50 एकड़ श्री हेहल, रांची में है साथ-साथ  
वृक्ष, बाहरी घर, इत्यादि है, जिसका हो० सं० 1857 (सी०)  
तथा 1856/8 का हिस्सा है जो वा० सं०-2/सी०, प्लैट सं० 60  
ए० 1/3 एवं 70ए० 1/2 का हिस्सा है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज  
सं० 2174 दिनांक 20-2-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 8-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 8 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० III-215/अर्जन/76-77/2029—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी खाता सं० 76 पुराना, सर्वे प्लाट सं० 259 नया का  
हिस्सा है, तथा जो नारायणपुर अनन्त में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री तारा चन्द्र अग्रवाल वल्ड स्व० जीवनलाल अग्रवाल,  
निवासी पुराना महुआ रोड नारायणपुर अनन्त पो०  
निवासी रामकृष्ण सेवा आश्रम, मुजफ्फरपुर, हाल सा० फैजाबाद,  
उत्तर प्रदेश। (अन्तरक)

2. एम०/एस० गुप्ता द्यूब कंपनी, नारायणपुर अनन्त,  
मुजफ्फरपुर, द्वारा श्री प्रेमनाथ गुप्ता, सा० घिरनी पोखर, शहर  
मुजफ्फरपुर (पार्टनर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन रकमा 6 क०, 30 धुर के साथ दो मंजिला मकान,  
कारखाना जो नारायणपुर अनन्त, मुजफ्फरपुर में है तथा खाता  
सं० 76, पुराना सर्वे प्लाट सं० 870 पुराना, 259 नया का हिस्सा  
है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 2016 दिनांक 3-2-76 में  
पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 8-10-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/359—यतः मुझे सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० बी-19 है तथा जो राजेन्द्रमार्ग, जयपुर में स्थित है, (और इससे उपार्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उष्टु अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के 'अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बसन्तलाल छबरा पुत्र श्री गजानन्द छबरा, निवासी प्लाट नं० ई-184, जमनालाल बजाज मार्ग, अशोक नगर, सी-स्कीम, जयपुर। (अन्तरक)

2. श्री प्रेमचन्द जैन पुत्र श्री कपूरचन्द जैन ग्राम छरेड़ा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-19, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर, जयपुर का उत्तरी हिस्सा, क्षेत्रफल 600 वर्गमील है, जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक, जयपुर द्वारा दिनांक 11-2-1976 को पंजियक विक्रय पत्र में विवरणित है।

सी० एस० जैन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8-10-76

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 164/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-2/1/1 है, जो वागलीनरायपली, काजीगुड़ा,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 4-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की  
उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति—  
12—306 GI/76

1. श्रीमती जीतपली नामकीना महेश्वरी घर नं० 5-9-47/  
5, दशीर बाग, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. डॉक्टर टी० कीशकुमार चरतजी, घर नं० 3-2/1/1  
बागलीन रायपली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

घर नं० 3-2/1/1, बाग लीनरायपली काजीगड़ा, हैदराबाद  
विस्ती 800 वर्ग यार्ड या 672 वर्ग मीटर।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-10-1976

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

सं० आर० ए० सी० 165/76-77—यतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3/2/1/1 है, जो बागलीनरायपली काजीगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य स्थास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

असः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० पापारावु घर नं० 5-9-47/5 बशीरबाग,  
हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्री एस० रवीन्द्रनाथ घर नं० 3-2-1/1/1 बाग लीन-  
रायपली, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख के 45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्तल नं० 3-2-1/1/1 बागलीनरायपली काजीगुड़ा,  
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1976  
मोहर :

प्रसूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० आर० ए० सी०-166/76-77—यतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3-2-1/2 है, जो आगलींगाम पल्सी, काशीगुड़ा  
हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 6-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चौधरी सुब्बाकारा राध, सुर्यरावपेट, विजयावाड़ा,  
कृष्णा ज़िला। (अन्तरक)

2. श्री तासीनैनी लक्ष्मीवारा प्रसाद, मद्रास—टी० नगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्कौ

प्लाट नं० 3-2-1/2 लिंगमपल्सी बाग, काशीगुड़ा  
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1976

मोहर :

प्रफुल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 167/76-77—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-537/1 और 15-1-537/10 से 12 है, जो सीदीअंमबार बाजार, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वर्गीय एहसान हुसैन, पिता अब्बास हुसैन, मुक्तार नामादार
  - (1) श्रीमती अमीनाबी
  - (2) मूस्ताफ हुसैन
  - (3) मुरतुजा हुसैन
  - (4) मुरतुजा अब्बास
  - (5) अमतुला सकीना
  - (6) अमीर फतीमा
  - (7) अमतुला जेहरा
  - (8) अभातुल सोगरा
  - (9) नाजम फतीमा
  - (10) मोहसीना फरात

तमाम लोग घर नं० 15-1-588 सीदी अमबर बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती राधाबहन पत्नी श्री चुनीलाल शामजी, 124-जीरा, सिकन्दराबाद।  
(अन्तरिती)

3. (1) श्री चुनीलाल शामजी,  
(2) डाक्टर तयाब और  
(3) मैसर्स ऐश्या आटोमेटिक्स प्राईवेट लिमिटेड घर नं० 15-1-537/1 और 15-1-537/10 से 12, सोदीअंमबर बाजार, हैदराबाद। (वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में हितबद्ध है)।  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगीस नं० 15-1-537/10 से 12 और 15-1-537/1  
(विभाग 1 सता) सीदीअंमबर बाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 168/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और है,  
और जिसकी सं० 15-1-537/1 और 15-1-537/13 और 14  
जो सीदीयंक्वार बाजार, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 25-2-1976 को

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वर्गीय एहसान हुसेन पिता अब्बास हुसेन मुकतार  
नामादार—

- (1) श्रीमती अमीनाबी
- (2) मुस्तफ हुसेन

- (3) मुरतुजा हुसेन
- (4) मुरतुजा अब्बास
- (5) अमतुला सकीना
- (6) अमीरा फातीमा
- (7) अमतुला जेहरा
- (8) अमतुला सोगरा
- (9) नजम फातीमा
- (10) मुहसीना फरात

तमाम लोग घर नं० 15-1-588 सिदीशमबर बाजार में रहते  
हैं, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री कीरत बलदेवश्री पुत्र रत्नीलाल शामजी, (2) श्री दिनेश  
बलदेव, पुत्र श्री रत्नीलाल शामजी, 124-जीरा, सिकन्दराबाद ।  
(अन्तरिती)

3. श्री चुनीलाल शामजी और (2) श्री गोली ईश्वरस्या,  
(3) मैसंस एशिया आटोमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड, (वह व्यक्ति  
जो सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मूलगी नं० 15-1-537/13 और 14 और भाग 15-1-537/1  
(पहला अंग) सीदीशमबर बाजार, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी०/169/76-77—यतः मुझे के०  
एस० बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 405 है, जो बड़ेपली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-76 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पीनगल रनधीर रेडी, पुत्र श्री विजयपाल रेडी—  
बड़ेपली वरनगल।  
(अन्तरक)

2. सेन्ट्रल एक्साइज आफीससे कोआपरेटिव हाउसिंग  
सोसाइटी, हनमकौंडा, वरनगल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**प्रष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

**अनुसूची**

जमीन सर्वे नं० 405, विस्तीर्ण 2.33 एकर, बड़ेपली,  
वरनगल।

के० एस० बैंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्रस्तुति प्राई• टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्वेश सं० आर० ए० सी०/70/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 423 और 426 है, जो बड़ेपली में स्थित  
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में प्रारंभ पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय वरनगल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्राप्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पिनगाली विजयपाल रेडी पिता कृष्णा रेडी, बड़ेपली,  
वरनगल। (अन्तरक)

2. सैन्दूल एक्सेस आफीसर्स कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,  
हनुमकोडा, वरनगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का सर्वे नं० 423 और 426 जुमला जमीन 2.21  
एकर से बड़ेपली, वरनगल।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख । 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

सं० आर० ए० सी० 171/76-77--यतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 412 और 413 है, जो वडेपली में स्थित  
है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरनगल में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-2-76  
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में  
धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्च  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उच्च अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं उच्च अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. (1) श्रीमती मालाती देवी पति नरसीहरेहुई (जी०  
पी० ए०), पी० विजयपाल रेहुई, (2) श्रीमती शीबा देवी पति  
डी० सुरेन्द्रनाथ रेहुई, (जी० पी० ए०) पी० विजयपाल रेहुई,  
(3) मनडालपू रमनन्द्या पिता वीरया वडीपली, वरनगल में  
रहते हैं।  
(अन्तरक)

2. सेन्ट्रल एक्सीस आफीसर्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,  
वरनगल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उच्च  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 412 और 413 जुमला जमीन 3. 27 एकड़  
वडेपली, वरनगल।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-10-1976  
मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदश सं० आर० ए० सी० 172/76-77—यतः मुझे के० एस० वैकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 407 और 414 है, जो वडेपली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरनगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-1976 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित कीं गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यसापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् :—

13—306 जी आई/75

1. (1) श्रीमती पीनराल जानाकीदेवी पति विजयपाल रेही, वडेपली वरनगल, (2) मनडालपूर रमनव्या पिता वीरस्या राडेपली, वरनगल। (अन्तरक)

2. सेन्ट्रल एक्सेस आफीसर्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, हनुमकोनडा, वरनगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 407 और 414 जुमला जमीन 3.09 एकड़ वडेपली सीवार, वरनगल।

के० एस० वैकटरामन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 6-10-76

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 173/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिरवा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 424 है, जो वडेपली में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय वरनगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 11-2-1976  
को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति या उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरको (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से वर्धित नहीं विया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्यातः—

1. श्री पीनराल विजयपाल रेही, पिता कृष्णा रेही, वडेपली  
वरनगल।  
(अन्तरक)

2. सैन्द्रल एक्सेस आफीसर्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
हनुमकोडा, वरनगल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभासित है वही एवं होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का सर्वे नं० 424, विस्तीर्ण 3.10 एकड़, वडेपली  
सीवार, वरनगल।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राप्ति 30 अक्टूबर 1976—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं. आरा० ए० सी० 174/76-77-यतः मुझे के० ए० स०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अंश के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 401 है, जो बड़ेपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, वरंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अंश के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री पिंगले रनधीर रेड़ी, पिता विजयपाल रेड़ी बड़ेपल्ली, गांव वरनगल। (2) मनडलपु रमनव्या, पिता थीरव्या, गडेवली, गांव वरनगल।  
(अन्तरक)2. सैन्ट्रल एक्सेस अफिसर्स को-एपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, हनुमकोडा, वरनगल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का सर्वे नं० 401 विस्तरन एकर्स 2.08 बड़ेपल्ली सीवार, वरनगल।

के० ए० स० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख : 6-10-1976  
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 175/76-77 यतः मुझे  
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक

और जिसकी सं० 2-5-45 है, जो अनुमकोडा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय वरंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—

1. श्री पिंगले विजयपाल रेड़ी और श्री पिंगले रनधीर रेड़ी,  
वडेपल्ली, मौजे वरंगल।  
(अन्तरक)

2. हनुमकोडा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,  
हनुमकोडा, वरंगल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूची

नगर पालिका सं० 2-5-45, जो नक्कलगृह्टा, हनुमकोडा,  
वरंगल में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 21150 वर्ग गज है। इमारत  
सन् 1905 में बांधा हुआ है।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 176/76-77—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 18 है, जो 156 से 158 एस० पी०  
रोड में स्थित है (और इससे उपान्दृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 15-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में व्रास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती हशमतुश्रीसा वेगम, (2) श्री जयनारायण  
मिश्रा, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती बच्ची दिनशा वेहराना और श्री डी० ए०  
वेहराना, 143/बी०, नासिक रोड, सिकन्दराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लाट सं० 18, जो 156 से 159 (2-11-30)  
सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल  
510 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-10-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर, 1976

निश्च सं० आर० ए० सी० 177/76-77—यतः मुझे  
के० एस० वेंटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसके मलगी सं० 4-1-963 964,965 है, जो  
आबीद रोड में स्थित है (और इसके ऊपर अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 29-2-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुलाम खाजा खुतबुदीन

(अन्तरक)

खान आरचीटेक्ट, जूनियर बिलडिंग  
तथा कन्स्ट्रक्शन डिपार्टमेंट,  
सी० टी० ओ० के सामने,  
फलोरा फाउटेन, बम्बई-32

2. श्री गुलाम खाजा शमशूदीन खान  
22-7-511 पुरानी हवेली,  
हैदराबाद

(अन्तरिती)

3. श्रीमती गोसुन्नीसा बेगम बी० 1-9-5,

बागे-आम रास्ता, हैदराबाद।

1. श्रीमती शफ़ीया बेगम पली एम०

अकरम खान नं० 4-1-1224

किंग कोटी रोड, हैदराबाद

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है )

मैसर्स एफ० डी० खान एन्ड कम्पनी

आबीद रोड, हैदराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यवित्यों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
न्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के अन्य  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अमूसूची

मलगी नं० 4-1-963, 964 और 965 जो आबीद रोड  
हैदराबाद में स्थित हैं।

के० एस० वेंटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री टी० पी० जे० स्वामी पुत्र टी० (अन्तरक)

सूर्यो राव, 10-2-289/74,  
गान्ती नगर हैदराबाद

(2) श्रीमती समी बुशीसा, अब्दुल हमीद  
पटेल बाजार रोड, चोराजी,  
राजकोट जिला, गुजरात

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 178/76-77—यतः मुझे के०  
एस० बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या बी०-२/एफ-४ है, जो पूमन अपार्टमेंट में है, जो चिराग दिल्ली अली लेन में स्थित है? (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन हैदराबाद में 18-२-७६ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

#### अनुसूची 11 उपरांकित सम्बन्धी

आंशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० 5-8-512 ता० 517 ग में अविभाजित 1.8904 प्रतिशत अंश या भाग, जिसकी अवस्थिति और विवरण : चिराग अली लेन, हैदराबाद, नगर है द्वैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद जो कि उपर्युक्त अनुसूची 1 में वर्णित है, का पूर्ण स्वामीत्व का फॉलैट की संख्या बी०-२/एफ-४ क्षेत्रफल 1085 वर्गफीट, जो कि उपरोक्त "पूनम एपार्टमेंट" के नाम से ल्याल भवन में है, उपर्युक्त चिराग अली लेन, हैदराबाद के 3000 बर्ग गज के भूखंड में निर्मित है।

के० एस० बेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-1976

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स स्वस्तीक कनस्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

111 एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़ हैदराबाद

(2) श्रीमती राहत हख (2) श्री शावर हख/

श्रीमती एफ० हख द्वारा ए० बंगला

बी० एच० ई० एल० भूपाल

(अन्तरिती)

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 179/76-77—यतः मुझे  
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3 एस० डी० रोड है, जो सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 17-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, तल मंजले पर जो चन्द्रलोक काम्लेक्स, 111  
एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, हैदराबाद

दिनांक : 11-10-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेन्ज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 180/76-77—यतः मुझे  
के० एस० बैंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी आफीस नं० 108 पी०-117 है, जो चन्द्रसोक सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—306GI/76

(1) मेसर्स स्वास्तिक कस्टडीक्षण कम्पनी,  
111-सरोजनी देवी रोड  
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री डी० जी० गुरु 81 रास्ताउपेट  
पूना, महाराष्ट्रा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध विश्वी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

आफीस का नं० 108 और 117 I सता बनमेलपर चन्द्र-लोक पर-III-सरोजनी देवी रोड, सिकन्दराबाद ।

के० एस० बैंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेन्ज, हैदराबाद

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 183/76-77—यतः मुझे  
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269 थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-512 से 517/सी है, जो भीरागली लेन  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 29-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः शब्द उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 थ की  
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कुमारी असीसीमटेड बुलडरस और  
और रिमलइस्टेट येजेन्स, अबीद रोड  
हैदराबाद  
पुष्पलता के द्वारा

(अन्तरक)

(2) हीटेन डोमराल्ड प्राइवेट लिमिटेड  
कम्पनी इसका डाइरेक्टर रामनिवास  
गुप्ता पिता तीव्रमल जी गुप्ता  
घरनं० 21-2-661 अदुशरीक जार  
कमाम, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षितरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

पञ्चीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर दो का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन और मकान नं० 5-8-512 से 517/सी  
रामली लेन, हैदराबाद में पी० विस्तीर्न 1650 वर्ग यार्ड  
उसके अन्तराप में:—

उत्तर : 58 वर्ग यार्ड रास्ता

पूर्व : पहुँची सम्पत्ति

दक्षिण : पूनम अपार्टमेंट

पश्चिम : 20 फिट रास्ता

(दस्तावेज नं० 553/76 प्रकार जो हैदराबाद जाइन्ट सब-  
रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई)

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-10-1697

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 181/76-77—यतः मुझे  
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-39/9 है, जो महबूब बाग में स्थित है  
(और इसके उपांचद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मामीडी बाजशा पुत्र लक्ष्मण

(2) श्रीमती गंगाबाई पत्नी एम०  
बाजशा सुभाष नगर  
निजामाबाद ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री क्षी० बीरारेडी (2)

श्री वी० चिप्पारेडी (3) वी०  
नारायणरेडी (4) वी० गोपालरेडी  
सभी भोकनपल्ली, निजामाबाद के निवासी  
हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

शोपड़ी तथा खुली जमीन जिसका नगर पालिका नं०  
7-1-39/9 जो महबूब बाग, निजामाबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 182/76-77—यतः मुझे  
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-39/8 है, जो महबूब बाग में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

(1) श्री गोविंद रेड्डी पुत्र स्वर्गीय  
चौतपल्ली हनमतरेड्डी,  
चौतपल्ली।  
नैजामाबाद

(अन्तरक)

(2) (1) श्री वीरारेड्डी पुत्र  
नामस्वामीरेड्डी (2) चिन्ना वीरारेड्डी  
(3) नारायणरेड्डी (4) श्री  
गोपालरेड्डी, सभी नैजामाबाद के  
निवासी हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

झोंपड़ी तथा खुली जमीन जिसके नगर पालिका सं०  
7-1-39/8, जो महबूब बाग, नैजामाबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अस: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 12-10-76

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 185/76-77—यतः मुझे  
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 16/132 है, जो नेल्लूर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा  
अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः :—

(1) श्री के० सुदर रामी रेड्डी पुत्र  
पुलारेड्डी परलापल्ली मोजा,  
कोचूर तालुका

(अन्तरक)

(2) डॉक्टर विलासिनी नागीसेट्टी पल्ली  
डॉक्टर राजू एल० नागीसेट्टी नेल्लूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**इष्टटीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20 के द्वारा परि-  
भासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

### अनुसूची

ईमारत के दरवाजा नं० 132, वार्ड० नं० 16, जपे  
माधवपथीवारी अग्रहारम्, नेल्लूर में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-10-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I,  
आयुवेंदिक अस्पताल, बिल्डिंग,  
अर्जन रेंज हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

निर्वेश सं० आर० ए० सी० 184/7 6-77—यतः मुझे  
के० एस० बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, ब्लाक नं० 6 सर्वे नं० 163, है  
जो शमस्तानपूर में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 4-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहम्मद दौलत खान पुत्र नसीबयार  
जंग, रिटायर्ड सबू-जज्ज, 15-7-630।  
बैगम बाजार, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री कलाधार बीकर सेक्षन को०-  
आपरेटिव हावर्सिंग सोसायटी लिमिटेड  
बकाराम, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 163 का पूरी भाग जिसका वार्ड नं० 1, ब्लाक  
नं० 6 जो हैदराबाद के नगर पालिका के अधीन और शमीस्तान-  
पूर मोजा, तालूका अरबन् में स्थित है जिसको जो क्षेत्रफल  
6881 वर्ग गज है।

के० एस० बैंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-10-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज काकिनाडा  
काकिनाडा, विनांक 8 अक्टूबर 1976

निदश सं० आरा० ए० सी० नं० 366—यतः मुझे बी० बी०  
सुव्वाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है, कि उथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 33-1-3ए में आधा भाग है, जो काकिनाडा में रित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

1. श्री चेका कुकटेस्वरराव  
पि० वेंकटेस्वन, काकिनाडा

(अन्तरक)  
(अन्तरिती)

2. श्रीमती विमलादेवी  
प० भबूतमल, काकिनाडा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी इष्टेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-76 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 523/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वि० सुव्वाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एम० बी० काकिनाडा

तारीख : 8-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अक्टूबर 1976

भिर्देश सं० आर० ए० सी० न० 367—यतः मुझे  
बी० वी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट  
से अधिक है।

और जिसकी सं० 33-1-3ए में आधा भाग है, जो काकिनाडा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 14-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में, कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री चेक्का कुकटेस्वरराव  
पि०: वंकटेस्वलु, काकिनाडा।

2. श्री चेमपालक जैन  
(अन्तरिती)  
पि०: हीराचन्द, काकिनाडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पारिक अंत 15-2-76  
में पंजीकृत वस्तावेज नं० 524/76 में निर्गमित अनुसूची  
सम्पत्ती।

बी० वी० सुब्बराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एम० वी० काकिनाडा

तारीख : 8-10-76

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस.

(1) श्री एम. ए. राजगोपालन

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निदेश सं. 13/फरवरी/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. 3 है, जो अमर्पसन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं  
87/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन फरवरी 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहुत दूर्घमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान  
प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक्ती (अन्तरक्तियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(व) अन्तरण से हुई विसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन फरदेने के अन्तरक के क्षयित्व में  
कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ष) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुग्रहण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्—

15—306 जी आई/76

(2) श्री बक्कीट

(अन्तरिती)

(3) अबदुल्ला और को०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, अमर्पसन स्ट्रीट डोर सं. 3 (आर० एस० सं.  
11435/3) में 2 ग्राउन्ड और 371 स्क्युर फोट की भूमि (मकान  
के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976

मोहर :

CABINET SECRETARIAT  
ENFORCEMENT DIRECTORATE  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.

New Delhi, the 27th August 1976

F. No. A-11/34/76.—The following Assistant Enforcement Officers of Enforcement Dte. have been appointed to officiate as Enforcement Officers w.e.f. the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each :—

*Name, Place of posting and Date of assumption of charge*

S/Shri

1. S. Subbiah, Calcutta—9th August 1976.
2. S. P. Subramanian, Calcutta—11th August 1976.

J. N. ARORA  
Deputy Director (Admn.).

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th October 1976

No. 2/40/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. Nagarajan, Superintending Engineer of the Central Public Works Department, as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 24th September, 1976, until further orders.

R. K. SHARMA  
Secretary  
Central Vigilance Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL,

New Delhi-110011, the 28th September 1976

No. P/S(141)-Ad.J.—The President is pleased to accept the resignation of Shri G. B. Saxena, an officer of Grade III of the Indian Statistical Service and working as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India with effect from the forenoon of the 28th September, 1976.

BADRI NATH  
Deputy Registrar General, India and  
*ex-officio* Dy. Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
WEST BENGAL

Calcutta-1, the 18th September 1976

No. Admn.I/1038/XIV/3109.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from 20th September 1976 or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office, until further orders :—

S/Shri

1. Jyotish Ranjan Das
2. Sailendra Nath Halder

The Accountant General, West Bengal has also been pleased to grant Sri Bibhas Choudhury permanent Section Officer on deputation to the Education Department of the Government of West Bengal proforma promotion as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—1200/- in temporary and officiating capacity with effect from the date on which his immediate junior Sri Jyotish Ranjan Das takes over charge as Accounts Officer in the office of the Accountant General, West Bengal and until further orders. All the conditions precedent to the grant of

promotion under the "Next Below Rule" stand fulfilled in this case and the Accountant General has been pleased to declare the post held by Sri Choudhury on deputation to be outside the ordinary line of service under the second proviso to FR 30(1).

The inter-se-seniority of the officers will be indicated in due course and will not depend on their dates of taking over charge as Accounts Officers.

GHANSIHAM DAS  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.),  
West Bengal.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-69, the 24th September 1976

No. 2/76/A/M.—The President is pleased to grant extension of service for one year from 1st July 1976 to 30th June 1977 to Dr. L. M. Tripathi Permanent Asstt. Surgeon Gr. I, Ordnance Factory, Ambarnath.

P. RAJAGOPALAN  
Addl. DG/P.  
for Director General, Ordnance Factories.

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 27th September 1976

No. 73/G/76.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri A. N. Das, offg Assistant Manager (Subs & Permanent Foreman) retired from service w.e.f. 29th February, 1975 (AN).

M. P. R. PILAI  
Assistant Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 28th September 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/713/63-Admn(G)/6133.—The President is pleased to appoint Shri N. A. Kohly, an officer permanent in the Section Officers Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for a period of 60 days with effect from 2nd August 1976 to 30th September 1976.

The President is also pleased to appoint Shri Kohly as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

The 29th September 1976

No. 6/533/58-Admn.(G)/6179.—The President is pleased to appoint Shri A. Ramachandran an officer officiating in the Selection Grade of the CSS and Dy. Chief Controller of Imports and Exports as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office in an officiating capacity for a further period from 20th July 1976 to 31st October 1976.

A. S. GILL  
Chief Controller of Imports and Exports.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th September 1976

No. 18(1)/73-76/CLB-II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Control Order, 1955, and with the previous sanction of the Central Govern-

ment, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. S. R. O. 1104, dated the 28th April, 1956, namely :—

In the Schedule appended to the said Notification, after Serial No. 5, the following entries shall be added under column Nos. 1, 2 and 3, namely :—

"6 All Officers not below the rank of Deputy Director at Headquarters Office of the Textile Commissioner 13A."

G. S. BHARGAVA  
Joint Textile Commissioner.

**MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION  
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**  
(ADMINISTRATION SECTION A-15)

New Delhi, the 29th September 1976

No. A-15/28(217)/76.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Duggal, a permanent Grade I Officer of Central Secretariat Service and Under Secretary (Establishment) in the Department of Supply, to officiate as Director (Administration) in the Directorate General of Supplies and Disposals on pay in the Selection Grade of Central Secretariat Service for a period of 3 months with effect from the forenoon of 1st September 1976.

No. A-15/28(349)/76.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Ahir, a permanent Grade I Officer of the Central Secretariat Service and Deputy Director (Co-ordination) in the Directorate General of Supplies and Disposals to officiate as Director (Complaints and Public Relations) in the Directorate General of Supplies & Disposals on pay in the Selection Grade of Central Secretariat Service for a period of 62 days with effect from the forenoon of 20th September 1976.

K. L. KOHLI  
Deputy Director (Administration),  
for Director General of Supplies and Disposals.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the September 1976

No. A-1/2(435).—The President is pleased to appoint Shri Sultan Singh Mehra, officiating Assistant Legal Adviser (Grade IV of the Central Legal Service) in the Department of Legal Affairs, Ministry of Law, Justice & Company Affairs, New Delhi to officiate as Deputy Director (Litigation) in the DGS & D, New Delhi on deputation basis with effect from 1st September 1976 (F.N.) and until further orders.

K. L. KOHLI  
Deputy Director (Administration),

**MINISTRY OF STEEL AND MINES  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**  
Calcutta-16, the 24th September 1976

No. 2222(CRS)/19A.—Shri Chitta Ranjan Saha, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 7th July, 1976, until further orders.

The 28th September 1976

No. 50/66(KSSR)/19B.—Shri K. S. Subba Rao has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the afternoon of 30th June, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 50/60(JS)/19B.—Shri J. Somaiah has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 1st July, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 50/66(ASR)/19B.—Shri A. Sangameswara Rao has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the afternoon of 30th June, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 50/66(SA)/19B.—Shri S. Anantharam has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 1st July, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd.

No. 50/66(SRVR)/19B.—Shri S. R. Varada Raj has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 10th June, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 264(23/E)/19B.—Shri S. C. Mondal has received charge of the post of Officer Surveyor in the Geological Survey of India on the forenoon of 1st July, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

V. K. S. VARADAN  
Director General

Calcutta-16, the 27th September 1976

No. 2222(MSJ)/19A.—Shri M. S. Jethra, Assistant Geologist, Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing, Geological Survey of India has been released by the Director General Geological Survey of India from the services in the Geological Survey of India with effect from the forenoon of the 1st July, 1975 for joining the post of Junior Hydrogeologist in the Central Ground Water Board, Government of India.

The 28th September 1976

No. 2181(DM)/19B.—Shri Dinabandhu Misra, M.Sc is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th August, 1976, until further orders.

S. V. P. IYENGAR  
Deputy Director General (Hqrs.)

**SURVEY OF INDIA  
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE**

Dehra Dun, the 4th October 1976

No. E1-5142/724-SOS.—In Surveyor General's Office Notification No. E1-5135/724-SOS dated 10th September 1976 the following amendments may please be made :—

For "Vijai Kumar Sharma"

Read "Vijay Kumar Sharma"

K. L. KHOSLA  
Major General,  
Surveyor General of India.

**DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 4th October 1976

No. 10/33/76-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Satnam Singh, Senior Engineering Assistant to officiate in the grade of Assistant Engineer at All India Radio, Chhatarpur (M.P.) with effect from 12th August 1976 (F.N.) until further orders.

M. L. TANDON  
Deputy Director of Administration,  
for Director General.

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 27th September 1976

No. 6/88/54-Est.1.—On relinquishment of charge of the post of Chief Cameraman, Films Division, Bombay, Shri J. N. Desai reverted to his substantive post of Cameraman, Films Division, Bombay with effect from the afternoon of the 4th September 1976.

M. K. JAIN  
Administrative Officer,  
for Chief Producer.

**DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY**

New Delhi-1, the 29th September, 1976

No. A-31014/1/74-Est. II.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints the following temporary Field Exhibition Officers in substantive capacity in the post of Field Exhibition Officer in this Directorate with effect from the date shown against each:—

Name of Officer	Date of substantive appointment
1. Shri A. R. Venkatesan	11th February, 1972
2. Shri S. K. Bhagat	11th February, 1972
3. Shri V. B. Pandey	27th September, 1976
4. Shri S. P. Gopakumar	27th September, 1976
5. Shri D. B. Kulkarni	27th September, 1976
6. Shri S. S. Solanki	27th September, 1976
7. Shri Rup Chand Shenmar	27th September, 1976

R. DEVASAR  
Deputy Director (Admn.)  
for Director

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 29th September 1976

No. A-19020/1/76-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. P. K. Sarin, to the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme, Delhi, with effect from the afternoon of 31st July, 1976 in a temporary capacity and until further orders.

Dr. Sarin relinquished charge of the post of Dental Surgeon at the Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi, on the afternoon of 31st July, 1976.

No. A-12023/13/76(JIP)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Sh. P. Ranganathan, Technical Asstt. in the Clinical Biochemistry Laboratory at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry to the post of Asstt. Biochemist at the same Institute, with effect from the forenoon of the 8th September, 1976, on an *ad hoc* basis, and until further orders.

No. A-12024/1/76(IDS)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Manjeet Luther to the post of Dental Surgeon, Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of 28th August, 1976 on an *ad hoc* basis and until further orders.

The 4th October 1976

No. A-31014/5/76-(NMI) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint S/Shri A. G. Patil, V. P. Chaudhury and M. K. Bhatt in a substantive capacity to the permanent posts of Librarian, Grade I, in the National Medical Library of the Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the 20th October, 1975.

The 5th October 1976

No. A-31013/3/76(CRI) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Abinash Chaudhury in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Director (Non-Medical) at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the 1st November, 1975.

S. P. JINDAL  
Deputy Director Administration,

New Delhi, the 18th September 1976

No. 20-5/73-SI.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri V. B. Deshpande, officiating Senior Scientific Assistant, Government Medical Store Depot, Bombay as Asstt. Factory Manager, in the Medical Store Organisation, on temporary basis with effect from the forenoon of 1st November 1975 in the Government Medical Store Depot, Bombay and until further orders.

The 24th September 1976

No. 16-40/75-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Munnuwami, officiating office Superintendent in the Medical Store Depot, Madras as Assistant Depot Manager in the same Depot with effect from the forenoon of 27th August, 1976 until further orders.

The 5th October 1976

No. 24013/2/76-SI.—On his expiry Shri T. V. Bakhthiavi, Asstt. Depot Manager in the Govt. Medical Store Depot Madras ceased to be in service with effect from 1st August 1976.

SANGAT SINGH  
Dy. Director Administration (Stores).

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT**

Kalpakkam-603 102, the 8th September 1976

No. MAPP/3(1114)/76-Adm.—Consequent on his transfer to this Project, Shri V. R. Balajee a Quasi-permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Rajasthan Atomic Power Project has assumed charge as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in this Project on the forenoon of June 24, 1976.

K. BALAKRISHNAN  
Administrative Officer.

**RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT**

Anushakti-323303, the 25th September 1976

No. RAPP/04627/1(396)/76/S/Admn./952.—Consequent upon his transfer to Civil Engineering Division, Department of Atomic Energy, Bidhan Nagar, Calcutta, Shri A. K. Mukherji, a quasi-permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project relinquished charge of his post in the afternoon of 25-8-1976.

The 30th September 1976

No. RAPP/Recit./9(12)/76/282.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri M. L. Maloo, a permanent Upper Division Clerk of Power Projects Engineering Division and officiating APO on '*ad hoc* basis' in RAPP to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1st September, 1976 until further orders. Shri Maloo officiated as APO on '*ad hoc* basis' from 14-8-76 to 31-8-1976.

GOPAL SINGH,  
Administrative Officer (E)

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 29th September 1976

No. PAR/0705/1843.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri V. Hanumantha Rao, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer, on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for the period from 27-8-1976 to 24-12-1976, or until further orders, whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO,  
Administrative Officer

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 29th September 1976

No. 05000/S-235/6076.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Suresh Krishnatao Saraf, a temporary Assistant Security Officer of Nuclear Fuel Complex, Department of Atomic Energy, Hyderabad, to officiate as Security Officer in Heavy Water Project (Talcher), in a temporary capacity, with effect from September 10, 1976 (FN), until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY,  
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 4th October 1976

No. E(1)05167.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Sankaraiya, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 20th September 1976 to 17th December 1976.

Shri Sankaraiya, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

The 5th October 1976

No. E(1)03875.—Shri K. Ramamurthy, Officiating Assistant Meteorologist, in the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona, India Meteorological Department, voluntarily retired from Government service, with effect from the afternoon of 6th September 1976.

M. R. N. MANIAN,  
Meteorologist,  
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 25th September 1976

No. A.32013/1/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. A. Bellappa, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Communication Officer with effect from the 7th August 1976 (FN) on *ad hoc* basis in the leave vacancy of Shri R. C. Chitkara, Communication Officer.

H. L. KOHLI,  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 20th September 1976

No. A.38012/1/75-EC.—Shri M. H. Malhotra, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Com-

munication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st August, 1976 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 29th September 1976

No. A32013/7/75EA.—The President is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of the following officers, as Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department upto the 31st December, 1976 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

<i>Name</i>	<i>Station of posting</i>
1. Shri O. P. Dhingra	Headquarters as T.O. (P)
2. Shri M. P. Khosla	Udhampur
3. Shri J. S. R. K. Sharma	Madras
4. Shri K. S. Prasad	Dum Dum
5. Shri N. D. Ghosh	Dum Dum
6. Shri Ravi Tankha	Safdarjung
7. Shri C. R. Rao	Rajkot
8. Shri Kundan Lal	Aurangabad
9. Shri J. K. Sardana	Safdarjung
10. Shri K. C. Misra	CATC, Allahabad.
11. Shri G. B. Nair	Santacruz.
12. Shri D. D. Sardana	Safdarjung
13. Shri K. N. Venkatchalliah	Santacruz
14. Shri S. Dayal	Headquarters as T.O. (AS).
15. Shri S.C. Sekhri	Palam
16. Shri M. P. Jain	Safdarjung
17. Shri S. K. Jain	Palam
18. Shri D. Ramanujam	Srinagar
19. Shri A.T. Verghese	Coimbatore
20. Shri K.V.S. Rao	Madras
21. Shri N. P. Sharma	Safdarjung
22. Shri S. K. Banerjee	Dum Dum
23. Shri R. Kothandaraman	Tiruchirappalli
24. Shri L. A. Lobo	Bombay
25. Shri R. D. Nair	Bombay
26. Shri Amir Chand	Chandigarh
27. Shri K. K. Saxena	Palam
28. Shri A. M. Thomas	Madras
29. Shri S. A. Ram	Dum Dum
30. Shri M. M. Sharma	Agra
31. Shri D. C. Kharab	Palam
32. Shri S. S. Pillai	Trivandrum
33. Shri K. B. K. Khanna	Palam

V. V. JOHRI,  
Asstt. Director of Administration

## FOREST RESEARCH INSTITUTE &amp; COLLEGES

Dehra Dun, the 20th September 1976

No. 15/1009/76-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint the following Research Assistant Grade I to the posts and from the dates mentioned against each on ad-hoc basis until further orders:—

Name	Post	Date
1. Shri H. S. Galhot	Research Officer, F.R.I. & Colleges.	24-8-76 (F.N.).
2. Shri P. S. Payal	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.)
3. Shri P. K. Bhattacharya	Assistant Mensuration Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.)
4. Shri Adarsh Kumar	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
5. Shri B. B. Gupta	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.)
6. Shri K. C. Badola	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
7. Shri R. S. Arya	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
8. Shri G. N. Kharkwal	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
9. Shri K. K. Sharma	Research Officer, F.R.I. & Colleges	26-8-76 (F.N.).
10. Shri B. L. Dhar	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
11. Shri R. M. Misra	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
12. Shri Shiv Prasad	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
13. Shri R. C. Gaur	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
14. Shri C. R. Sarma	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
15. Shri R. D. Tandon	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
16. Shri Krishan Lal	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
17. Shri D. K. Jain	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
18. Shri D. D. S. Negi	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
19. Shri P. P. Jain	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
20. Shri R. C. Mittal	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
21. Shri V. K. Jain	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
22. Shri K. K. Kalra	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
23. Shri J. D. Jain	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
24. Shri H. S. Ananthapadmanabha	Research Officer, Forest Research Laboratory, Bangalore,	26-8-76 (A.N.).

P. R. K. BHATNAGAR,

Registrar,

Forest Research Institute and Colleges

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE &amp; CUSTOMS

Madras-34, the 26th August 1976

C. No. II/3/22/76-Estt.—The following Inspectors of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group 'B' until further orders and posted, with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names:—

Sl. No.	Name	Place where posted as Superintendent Group 'B'	Date of joining
<b>S/Shri</b>			
1. S. K. Pasha	Dharapuram MOR Erode Division	11-2-76 F.N.	
2. V. Nagasundaram	Headquarters Office, Madras	24-7-76 F.N.	
3. N. M. Cuxton	Manjoor MOR Coonoor Division	28-6-76 F.N.	
4. F.S.G. Sathianathan	Vedaranyam MOR I Pondicherry Division	15-7-76 F.N.	
5. M. Balasundaram	Mettur MOR Salem Division	13-7-76 A.N.	
6. C. S. Ayyasamy	Idappady MOR Salem Division	12-8-76 F.N.	
7. P. C. Rangappa Naidu	Tiruppur MOR Coimbatore II, Division	2-8-76 A.N.	

I. J. RAO, Collector

Patna, the 21st September 1976

C. No. II(7)5-ET/75/8740.—In pursuance of Government of India Department of Revenue and Banking, New Delhi's order No. 87/76 dated 10-6-76 and this office Estt. order No. 180/76 dated 16-6-76 appointing three Superintendent of Central Excise/Customs Group 'A' Gazetted Officers of this Collectorate on purely ad-hoc basis to officiate as Assistant Collector of Central Excise/Customs (Jr. Scale) Superintendent of Central Excise/Customs Group 'A' Gazetted post in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/-, the following officers have assumed charges as Superintendent Central Excise/Customs Group 'A' at their respective places and with effect from dates and hour indicated against each.

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Sri J. K. Dey	Supdt. Group 'A' Central Excise (Tech.) Patna Division.	30-6-76 (F.N.).
2.	Sri S. K. Das Gupta	Supdt. Group 'A' Central Excise (Tech.) Hqrs. Office Patna.	28-6-76 (F.N.).
3.	Sri S. K. Mishra	Supdt. Group 'A', Customs Land Customs Station Raxaul.	6-8-76 (F.N.).

C. No. II(7)5-ET/75/8739.—In pursuance of Government of India, Department of Revenue and Banking, New Delhi's order No. 87/76 dated 10-6-1976 and 107/76 dated 8-7-1976 appointing Sri A. Rahman, Superintendent of Central Excise/Customs Group 'B' Gazetted officer of this Collectorate on purely *ad hoc* basis to officiate as Assistant Collector of Central Excise/Customs (Jr. Scale)/Superintendent of Central Excise/Customs Group 'A' Gazetted post in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- assumed charge as Superintendent Group 'A' Central Excise (Audit) Hqrs. Office, Patna in the forenoon of 14-7-76.

H. N. SAHU,  
Collector

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M.P. &amp; VIDARBHA

Nagpur, the 24th September 1976

No. 24.—Consequent upon his promotion, Shri P. S. Karjgaonkar, lately posted as Inspector (SG) Central Excise of this Collectorate, has assumed charge as Superintendent of Central Excise, M.O.R. Chanda in afternoon of 27th August 1976.

No. 25.—Consequent upon his promotion, Shri R. B. Lele, lately posted as Inspector (SG) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent of C. Ex. M.O.R., Chanda in the forenoon of 7th September 1976.

No. 26.—Shri W. B. Karkarey, lately posted as Superintendent (Tech) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur has proceeded on leave preparatory to retirement w.e.f. 13th September 1976 to 31st December 1976 on expiry of which he will retire from Government service.

No. 27.—Consequent upon his promotion, Shri R. N. Santani, lately posted as Office Supdt., C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur, has assumed charge of Offg. Administrative Officer, C. Ex. Division, Sagar, in the forenoon of 9th September 1976.

The 30th September 1976

No. 28.—Consequent upon his promotion, Shri P. N. Kaul, Inspector of Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent of Central Excise (Group B) (Gold), Itarsi in the forenoon of 6th September 1976.

No. 29.—Consequent upon his promotion, Shri V. E. Tiwari, lately posted as Inspector Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent (Prev.) Central Excise Division, Raipur in the forenoon of 1st September 1976.

No. 30.—On his transfer, Shri N. S. Dixit lately posted Asstt. Collector (Hqrs.), Nagpur of this Collectorate has assumed the charge of Assistant Collector (Audit), Central Excise, Headquarters Office, Nagpur in the afternoon of 14th September 1976.

M. S. BINDRA,  
Collector

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 29th September 1976

No. A-19012/584/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri A. J. Thomas, Design Assistant as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the 19th July 1976, until further orders.

Shri A. J. Thomas assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

No. A-19012/586/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Jalaluddin, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 with effect from afternoon of 13th August 1976, until further orders.

Shri Jalaluddin assumed charge of the office of the Assistant Engineer in the C.S.D. II, Central Water Commission, Kishtwar under Chenab Investigation Circle, Jammu with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH  
Under Secy.  
for Chairman

## CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF

New Delhi, the 29th September 1976

No. 1/137/69-Adm IV/ECIX.—On attaining the age of superannuation, Shri N. S. Javale officiating Senior Architect of this Department will retire from Government service with effect from 30th September 1976 (AN).

No. 33/1/76-ECIX.—The Engineer-in-Chief is pleased to appoint the following candidates nominated by the U.P.S.C. against the temporary posts of Assistant Director of Horticulture in the C.P.W.D. in (General Central Service Class II Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—80—40—1000 FB—40—1200 with effect from the dates mentioned against each on usual terms and conditions of service:—

S. No.	Name	Date of joining	Pay
1.	Shri Ram Niwas Singh Tyagi	1-9-1976 (FN)	According to rules during the period of probation he will draw pay @ Rs. 650/- P.M.
2.	Shri Veriandra Kumar Verma	3-9-76 (FN)	—do—
3.	Shri Murari Lal	1-9-76 (FN)	Minimum of the scale.

2. On appointment these officers are placed on probation for a period of two years with effect from the dates noted against each.

S.S.P. RAU,  
Deputy Director of Administration  
for Engineer in Chief

New Delhi, the 30th September 1976

No. 27-EC/27/75-EC II.—The following officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation have been retired from service on 30-9-76 (A.N.)

Name	Present Designation
<b>S/Shri</b>	
1. M.K. Sivasubramanian	Chief Engineer (Vigilance) CPWD, New Delhi.
2. M. Chakravorty	Surveyor of Works, office of the S.S.W. (Aviation) CPWD, New Delhi.
3. Harbans Lal	Executive Engineer (Valuation Cell), Income Tax Deptt. New Delhi.

No. 5/1/76-ECI.—The President is pleased to allow the following Assistant Engineers (Civil & Elect.) to continue to officiate as Executive Engineers (Civil & Elect) in CES Group A and CEES Group A on purely *ad-hoc* basis upto 31st December 76 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

CES Group A (Civil)	CES Group A (Electrical)
<b>S/Shri</b>	<b>S/Shri</b>
1. S. C. Saha	1. I. S. Rao
2. S. P. Aggarwal	2. I. S. Kocher
3. C. P. Gupta	3. R. K. Kalra

P. S. PARWANI  
Dy Director of Admn.

SOUTH CENTRAL RAILWAY

PERSONNEL BRANCH

Secunderabad, the 30th September 1976

No. P. 185/GAZ/PB.—The following officiating Class II Officers of the Personnel Department are confirmed in Class II Service of that department as Assistant Personnel Officers with effect from the dates shown against each:

1. Shri A. Venkatesh—4-5-1975.
2. Shri Nelson Samuel—4-5-1975.
3. Shri S. Venkatachari—1-8-1975.

K. S. RAJAN,  
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of Bakshi Club Ltd.*

Jaipur, the 23rd September 1976

No. Stat/1420/11450.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bakshi Club Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KURIEL,  
Registrar of Companies, Rajasthan  
Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Pomplia Transports Private Limited*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/3731/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Pomplia Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of Sri Jayalakshmi Merchant Chit Fund Co. P. Ltd.*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/2630/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Jayalakshmi Merchant Chit Fund Co. P. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of Melur Bus Service P. Ltd.*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/4848/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Melur Bus Service P. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Pennagaram Transports Private Ltd.*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/4656/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Pennagaram Transports Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Banakandy Tea Estates Private Limited*

Madras-6, the 28th September 1976

No. 4396/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Banakandy Tea Estates Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Sri Villiputhur Transports Private Limited*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/4197/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Villiputhur Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Sd. JLLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Technograph Corporation (India) Private Limited*

Delhi, the 5th October 1976

No. 2227-17925.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Technograph Corporation (India) Private Limited

No. 41/GO/1976-77.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers, Class II, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date they take over as such by relieving the officers in whose place they have been posted and until further orders:

Sarvshri

1. B.C. Petial
2. Iqbal Singh
3. Balwant Singh.
4. P.P. Bhatnagar (I).

2. These promotions are being made against the vacancies caused by:

- (i) Officer missing without intimation
- (ii) Officers under suspension.

It is clarified that in the event of return to duty after prolonged absence or re-instatement of the officers concerned the promoted officers will have to revert to the post of Inspector if there is no other vacancy available at that time. It should be noted by the Inspectors being promoted.

3. Consequent upon the above promotions, the following postings and transfers of Income-tax Officers are ordered with immediate effect:

S. No.	Name of the Officer	Presently posted	Now posted as	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Shri J. J. Krishna	I.T.O. Trust Cir. I.	Junior A.R.	Vide Board's Order F. No. A-22012/21/76-Ad VI dated 29-6-76.

has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

M. M. S. JAIN,  
Assistant Registrar of Companies  
Delhi—Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
DELHI-I

New Delhi, the 17th June 1976

ORDER

No. 37/G.O.-1976-77.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers, Class-II, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. the date they take over as such, till further orders:

1. Sri D. N. Tara.
2. Sri A. J. S. Sethi.

Consequent upon their promotion, the following postings and transfers are ordered with immediate effect:

1. Sri D. N. Tara, newly promoted I.T.O. is posted as Income-Tax Officer, Private Salary Circle-I relieving Sri O. P. Rajpal, Income-tax Officer, P.S.C.-II of this additional charge.

2. Sri A. J. S. Sethi, newly promoted I.T.O., is posted as Income-tax Officer, Distt. III (26), relieving Miss Rupinder Chawla, transferred.

3. Miss Rupinder Chawla, Income-tax Officer, Distt. III (26), is transferred and posted as Income-tax Officer, Distt. III (16) Addl. relieving Sri B. L. Dhawan, Income-tax Officer, Transport Circle of this additional charge, held by him in leave arrangement of Sri I. S. Kohli.

4. On return from leave Sri I. S. Kohli, Income-tax Officer, Distt. III (16) Addl. is transferred and posted as Income-tax Officer, 1st Addl., Transport Circle vice Sri A. K. Aneja already transferred *vide* order No. 34 G.O. dated the 10th June 1976.

5. Sri A. K. Handa, Income-tax Officer (Intelligence-III), is posted as Income-tax Officer, Distt. III (5) relieving Sri R. S. Jawa of this additional charge held by him in leave arrangement of Sri Krishan Lal.

6. Sri N. D. Sanghi on return from leave will be posted as Income-tax Officer, Distt. III (7) relieving Sri M. R. Jhatta of this additional charge.

The 30th June 1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S/Shri				
2. B. C. Patial	.	Newly promoted	I.T.O. Trust Cir. I	Vice Sh. I. J. Krishna transferred.
3. M. R. Sharma	.	I.T.O. (H. Qr. III)	I.T.O. Cent. Cir.	Vide Board's order against S. No. 1.
4. K. B. Madan	.	I.T.O. P.S.C. III.	I.T.O. (H. Qr. III)	Vice Sh. M.R. Sharma, transferred.
5. Iqbal Singh	.	Newly promoted	I.T.O. PSC III	Vice Sh. K.B. Madan transferred.
6. K. L. Bhatia	.	I.T.O. Distt. III(18)	I.T.O. (Inspectorate)	Vide Board's order at S. No. 1.
7. Balwant Singh	.	Newly promoted	I.T.O. Distt. III(18)	Vice Sh. K.L. Bhatia transferred.
8. P.P. Bhatnagar (I)	.	Newly promoted	I.T.O. Int Audit (I)	Vice Sh. Achal Singh.
9. Achal Singh	.	I.T.O. (Int. Audit I)	I.T.O. Spl. Cir. VIII(Addl.)	Vice Miss Manju Aggarwal.
10. Manju Aggarwal (Miss)	.	I.T.O. Spl. Cir. VIII (Addl.)	A.D.I. (Int.)	Vide Board's order at S. No. 1.
11. P. N. Verma	.	On return from leave	I.T.O. Dist. IV(2)	Vice Sh. Govind Ram transferred.
12. Govind Ram	.	I.T.O. Distt. IV(2)	I.T.O. (Inspectorate)	Vice Board's order at S. No. 1.
13. Kuldip Singh	.	Jr. A.R. ITAT.	I.T.O. Spl. Cir. V	Vice Sh. Harjit Singh transferred,
14. Harjit Singh	.	I.T.O. Spl. Cir. V.	Jr. A.R. I.T.A.T.	Vide Board's order at S. No. 1.
15. S.S. Pushkarna	.	I.T.O. Distt. II(11).	Jr. A.R. I.T.A.T.	-do-
16. V.P. Mehdiratta	.	I.T.O.-Distt. II(15)	To hold additional charge of Distt. II(11).	Relieving Sh. S.S. Pushkarna.

AVTAR SINGH,  
Commissioner of Income-tax  
Delhi—I, New Delhi

**FORM ITNS**

(1) Shri M. A. Rajagopalan, No. 20, Garden Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Shri Bakir, S/o Fakhruddin, No. 16, Singanna Naicken St., Madras-1.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6(3) M/s. E. M. Abdulla & Co.  
(Person in occupation of the property)

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 13/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Umpherson Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras (Doc. No. 87/1976) in February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act that have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 2 grounds and 371 sq. ft. with building thereon at door No. 3 (R.S. No. 11435/3), Umpherson Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 38/FEB/75-76.—Whereas, I,  
G. RAMANATHAN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 172/1A1 situated at Kokkarayanpet village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 224/76) on 16-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. M/s. B. N. Thiagarajan,  
2. B. N. Viswanathan,  
3. B. B. Rathinasabapathy,  
4. B. N. Sivasubramaniam,  
5. B. S. Ganeshan  
6. Dr. B. S. Murugesan,  
Govt. Hospital, Virudunagar.  
7. B. S. Chandrasekharan,  
Govt. High School, Rasipuram  
8. B. S. Sadasivan, Govt. High School, Chinnappampatty.  
9. Dr. B. S. Balasubramaniam, Govt. Hospital, Tiruchengode.

(Transferor)

- (2) 1. M/s. Sengoda Gounder, S/o Simalai Gounder, Nadukadu Thottam, Kokkarayanpet, Tiruchengode Tq.  
2. Perumal Gounder, Pallakadu Kokkarayanpet, Tiruchengode Tq.  
3. Ramasamy Gounder and  
4. Sengoda Gounder,  
sons of Kuppanna Gounder,  
Vettuvapalayam, Sirumolasi village,  
Tiruchengode taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 3.70 acres in survey Nos. 172/1A1, Kokkarayanpet village, Pallipalayam, Salem district.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Smt. Ellammal,  
2. Shri Pandurangan and  
3. Shri Rayndran,  
No. 79, Mettu Theru, Rasipuram, Salem Dt.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Chellamuthu, No. 86, Perumparai Road, Pallipalayam village, Salem district.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 71/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 123, situated at Pallipalayam Agraharam, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 234/76), on 18-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.49 $\frac{1}{4}$  acres in new survey No. 123, Pallipalayam Agraharam village with half share in a well.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Smt. Ellammal, 2. Shri Pandurangan and 3. Shri Ravindran, No. 79, Mettu Theru, Rasipuram, Salem Dt.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 27/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 123 situated at Pallipalayam Agraharam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 323/76) on 4-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.49½ acres in new survey No. 123, Pallipalayam Agraharam village, Salem district with half share in a well.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1976

Ref. No. 37/FEB/75-76.—Whereas, I,  
**G. RAMANATHAN**,  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having a  
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 79/1 & 2 situated at Thokkavandi Goundampalayam,  
Salem Dt.,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Tiruchengode (Doc. No. 119/76) on 2-2-1976,  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen percent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

- (1) 1. M/s Palani Naicken.  
2. Muthu Naicken.  
3. Chinna Muthu Naicken.  
4. C. A. Palani Naicken.  
5. Bommusamy.  
6. Palanisamy (minor) by guardian Shri Chinna-  
muthu Naicken.  
7. Nagappan  
8. Balasubramaniam (minor) by guardian C. A.  
Palani Naicken,  
Kuchipalayam, Thokkavadi, Tiruchengode Tq., Salem  
Dt.

(Transferor)

- (2) 1. M/s K. Palaniappan.  
2. Ponnusamy,  
3. Muniappan,  
4. Muthan,  
Kadachinallur village, Tiruchengode Tq., Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 8.59 acres in R. S. Nos. 79/2  
(5.98 acres) and 79/1 (2.61 acres) with one well, in Thok-  
kavandi Goundampalayam village, Salem District.

**G. RAMANATHAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1976

Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6**

Madras-6, the 6th October 1976

Ref. No. 53/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 259/1 & 2 situated at Puduvilangudi, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 405/76) on March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri A. R. Meenakshisundaram, Shri M. Ramesh, Shri M. Ganesh (minor) by father and guardian Shri A. R. Meenakshisundaram, No. 13, Goods Shed Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri S. Velusamy Pillai, S/o V. Subbiah Pillai, Puduvilangudi, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 4.14 acres in survey Nos. 259/1 (2.78 acres) and 259/2 (1.36 acres) at Puduvilangudi village, Madurai.

**G. RAMANATHAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Janab S. Zafar Ahmed, S/o S. M. Abdul Zameel,  
Jameelabad Street, Melvisharam.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1976

Ref. No. 74/FEB/75-76.—Whereas, I,  
G. RAMANATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-  
and bearing  
No. 34, 34A & 34B situated at Amoor Road, Manthangal  
village,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Walajanagar (Doc. No. 394/76) on 28-2-1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the  
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

17—306GI/76

(2) 1. M/s. Janab. K. Abdul Jaleel Sahib,  
2. Janab S. M. Nazeer Ahmed Sahib,  
3. Janab K. Jabbar Ahmed Sahib and  
4. Janab K. Rafiq Ahmed Sahib,  
No. 7, Durga Street, Melvisharam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons whichever  
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 2.20 acres with buildings at door Nos. 34,  
34A & 34B (Survey Nos. 112, 113 & 117/1), Amoor Road  
(near Ranipet), Manthangal village.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri G. T. Soundarapandiaraj, Kothagiri.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Innocent Choris, Sivan Koil Street, Tuticorin.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1976

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 76/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 3755, 3756, 3757 situated at 5th Street Deovipuram Tuticorin, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tuticorin (Doc. No. 151/76) on February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 25 cents with buildings thereon at door Nos. 12C & 12A (T.S. Nos. 3755, 3756 & 3757), 5th Street, Deovipuram, Tuticorin.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 6-10-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Devakinandan Modi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Bharat Salt &amp; Chemical Industries Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-9, FOREST PARK,  
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 9th September 1976

Ref. No. 27/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 22 situated at Purba Badagada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 13-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The land with structures thereon situated at Mouza-Purba Badagada, Bhubaneswar, Dist. Puri within the jurisdiction of Sub-Registrar Office, Bhubaneswar and registered by sale document No. 1172 dated 13-2-76.

A. N. MISRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 9-9-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Sunder Bhawasinka

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri W. B. Mathews

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-9, FOREST PARK,  
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 9th September 1976

Ref. No. 28/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3(A) situated at Unit-VIII, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 19-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The land with building located at Plot No. 3(A), Unit-VIII, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by Sale document No. 3062 dated 19-4-76.

A. N. MISRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 9-9-76

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Biswanath Samantray

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhabananda Mallick

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-9, FOREST PARK,  
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 20th September 1976

Ref. No. 29/76-77/JAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. S. No. 65 situated at Badagada (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhubaneswar on 12-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land with structure thereon situated at Mouza-Badagada (West) under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 3996 dated 12-5-76.

A. N. MISRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 20-9-76

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA : 411004

Poona-411 004, the 6th September 1976

Ref. No. C.A.5/Thana/Feb.'76/300/76-77.—Whereas, I,  
V. S. GAITONDE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot No. 6 of F.P. No. 214, T.P. Scheme situated at Naupada,  
Thana  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Thana on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following  
persons, namely :—

(1) Mrs. Rekha Mohan Vaidya,  
Subhechha, Co-operative Housing Society.  
Naupada, Thana.

(Transferor)

(2) New Soni Co-operative Housing Society, Ltd.,  
Plot No. 214, Sub-plot No. 6,  
Opposite Forest Office,  
Naupada, Thana.

(Transferee)

- (3) 1. Smt. Sulaxna Balkrishna Mokashi  
2. Mr. Nand Kishor Sharma  
3. Mr. Vishwas Sitaram Gokhale  
4. Smt. Mumtazbegam Sabajali Qureshi  
5. Smt. Kamala Hemuraj Motwani  
6. Smt. Saryu J. Sanghrajka  
7. Smt. Saroj Natwarlal Shah  
8. Mr. Kuldeep Singh Arora  
9. Miss Jasjit Arora  
10. Mr. D. P. Hardasmalani  
11. Smt. Suchetra S. Shah  
(person in occupation of the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act'  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situated lying  
and being at Naupada taluka and District Thana in the  
Registration sub-district of Thana admeasuring 592 sq. yds.  
or 494.97 sq. meter or thereabouts being sub-divided plot  
No. 6, of the said final plot No. 214 of the proposed town  
planning scheme No. 1 of Thana.

[Property described in the sale-deed registered under No.  
47, dt. 4-2-76 in the office of the Sub-Registrar, Thana]

V. S. GAITONDE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA : 411004

Poona-411 004, the 6th September 1976

Ref No. C.A.5/Bom./Thana/April'76/301/76-77.—

Whereas, I, V. S. GAITONDE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A 26, Road No. 10, Panchahadi, situated at Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Vinodrai J. Gandhi, Chetan Co-operative Housing Society, Bungalow No. 11, Padara Road, Akota, Baroda-5.
2. Dhirajlal D. Mehta, 14, Anupam, L. B. Shastri Marg, Ghatkopar, Bombay-36.
3. Rajeshi D. Mehta, 77, I Sarvodaya, New Ranade Road Bombay-28.

(Transferor)

- (2) Bharat Industrial Engineering Corporation through partners :—
  1. Ijaitrai S. Shah, 138-A, C. P. Tank Road, Chanda Wadi, Bombay-4.
  2. Smt. Gita S. Dalal, 15, Alta Mount Road, 403-404, Prabhu Kutir, Bombay-26.
  3. Smt. Asha S. Dalal, 15, Altamount Road, 403-404, Prabhu Kutir, Bombay-26.
  4. Shri Kishore J. Mehta, Jayant Villa, Flat No. 6, 11th Road, Khar, Bombay-52.
  5. Shri Vinodrai J. Gandhi, Chetan Co-operative Housing Society, Bungalow No. 11 Padra Road, Akota, Baroda-5. (Gujarat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL THAT building or structure standing on plot No. A-26, on Road No. 10, area 1488 sq. mts. in the Thana Industrial Area within the village limits of Pahcpakhadi, Taluka and Registration Sub-District Thana, District and Registration District Thana.

(Property as mentioned in the sale deed registered under No. 1898 dated 23-4-76 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

V. S. GAITONDE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA : 411004

Poona-411 004, the 27th September 1976

Ref. No. C.A.5/Bom/(Thana)/June 76/303/76-77.—  
Whereas, I. V. S. GAITONDE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 266-A, Hissa No. IA (Pt.) situated at Thakurli, Tak. Kalyan, Dist. Thana

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Raghunath Gahesh Navare,  
2. Shri Govind Prabhakar Dixit,  
partners of Shri Saraswati Development Corporation, Shree Saraswati 38, Anand Park Resident's Association, Aundh Road, Poona-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri Raoji Lalji Patel  
2. Shri Jivraj Lalji Patel  
3. Shri Karamshi Lalji Patel  
4. Shri Virendra Lalji Patel  
partners of Rayji Lalji & Co.,  
Office at 3 Uniya Co-op-Hsg. So. Ltd.  
Maneklal Estate, Ghatkopar, Bombay-36

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land situated at Village Thakurli, Tal. Kalyan Dist. Thana, Registration sub-Dist. Kalyan, Registration Dist. Thana within the limits of Dombivali Municipal Council, admeasuring about 1344 Sq. yds. equivalent to 1123 Sq. Mts bearing S. No. 266—A, Hissa No. IA (Part) and bounded as follows i.e. to say on the North by remaining portion of S. No. 266—A, Hissa No. 1—A (Part), on the East by Mahatma Phule Road, on the West by S. No. 22 of Village Dombivali, and on the South by S. No. 22 Village Dombivali.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1470 on 7-6-76 in the office of the Sub-Registrar, Bombay)

V. S. GAITONDE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 27-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Gajkwad Real Estate Traders,  
Indumati Mahal, Baroda, (Gujarat)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA : 411 004

Puna-411 004, the 29th September 1976

Ref. No. C.A.5/Haveli-II/Feb.76/304/76-77.—Whereas, I, V. S. GAITONDE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 55 & 56 Koregaon Park, Poona-I, situated at Poona-I, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 11-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (2) 1. Shri Shantilal Ratanchand Lunkad,  
2. Shri Subhash Mohanlal Lunkad,  
3. Shri Pravin Surajmal Lunkad,  
4. Shri Vijay Mohanlal Lunkad,  
5. Shri Ashok Mohanlal Lunkad,  
6. Shri Prakash Mohanlal Lunkad,  
All residing at 7 Modi Baug, Poona-16.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.S.No : 55 & 56 Koregaon Park, Poona—I with the building and outhouses and garrage etc, thereto.

(Property as described in the sale deed registered under No. 114 dated 11-2-1976 in the Office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Poona).

V. S. GAITONDE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 29-9-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

18—306GI|76

## FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Pd. and others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 7th June 1976

Ref. No. 119—S(A)/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. S—13/6, S—13/7, S—13/8, S—13/11, S—13/12, situated at Tailiyabagh, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 8-4-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sant Nirankari Mandal Delhi-9 C/o Sri Ram Saran, Shachiv, Sant Nirankari Colony, Dehli-9.

(Transferee)

(3) Sri Satya Narain Prasad and Sri Basubeo 1/3 portion.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. S—13/6, S—13/7, S—13/8, S—13/11, and S—13/12, Tailiyabagh, Varanasi.

F. RAHMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th June 1976

- (1) Shri Satya Narain Prasad. (Transferor)  
 (2) Sant Nirankari Mandal Delhi-9. (Transferee)  
 (3) 1/3 portion with Jagdish Prasad.  
 and 1/3 portion with Vasudeo.  
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 119—S(B)/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. S-13/6, S-13/7, S-13/8, S-13/11 and S-13/12, situated at Taliyabagh City, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 8-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. S-13/6, S-13/7, S-13/11, S-13/12, which is situated at Taliyabagh, City Varanasi.

F. RAHMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vasudeo Prasad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th June 1976

Ref. No. 119—S(C)/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. S-13/6, S-13/7, S-13/8, S-13/11 and S-13/12, situated at Taliyabagh City, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 8-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sant Nirankari Mandal Delhi-9.  
(Transferee)

(3) 1/3 portion with Satya Narain  
and 1/3 portion with Jagdish Prasad,  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. S-13/6, S-13/7, S-13/8, S-13/11, S-13/12, which is situated at Taliyabagh, City Varanasi.

F. RAHMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Amlendu Hazra, Shri Mahadeb Hazra,  
R/o P-88 Lake Road, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th September 1976

Ref. No. Acq/1065/Mathura/75-76/1533.—Whereas, I, VAJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 21-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Amlendu Hazra, Shri Mahadeb Hazra,  
R/o P-88 Lake Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Shanti Pd. Agarwalla,  
(2) Sri Bhagwati Pd. Agarwalla R/o 50 Chitranjan Revenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property Holding No. 52, 53, 54, 55 and 56 situated at Chatikara Road Raman Reti Vrindaban Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration for Rs. 45,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1976

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 24th September 1976

Ref. No. Acq/6-A/Meerut/76-77/1581.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 3-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Rajesh Garg W/o Sri Brij Mohan through attorney Sri Brij Mohan (husband) Self R/o 39 Sariai Mali Khan Chowk, Lucknow.  
(Transferor)

(2) Shrimati Raj Kaur W/o Shri Lal Singh S/o Shri Bablu Kabool Singh R/o Budhana Dasana Modi Nagar, Meerut.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property 145 D measuring 1061 sq. yds. situated at Saket Civil Line City Meerut transferred for an apparent consideration for Rs. 55,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1976  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shrimati Harbans Kaur W/o Sardar Harditta Singh  
R/o 90 North Ldgaha Colony, Agra.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 24th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/25-A/Agra/76-77/1582.—Whereas, I, VAJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 16-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Immovable property No. 11/94 A measuring 1268 sq. yds. situated at Karol Para Kotwali Ward, Agra, transferred for an apparent consideration for Rs. 48,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shyam Lal S/o Khaggan,  
R/o Daheli Sujanpur, Tehsil and District Kanpur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th October 1976

Ref. No. 1062-A/Acq/Kanpur/75-76/1587.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Teachers Housing Cooperative Society Limited, 83/357, Deo Nagar, Kanpur through Sri Kripa Shanker Seiger, Secretary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property consisting of agricultural land bearing No. 1144, measuring 6 bigba, situated at village Dalehi Sujanpur, Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sumira, Widow, Legal Heir Ram Dayal,  
R/o Nawalpur Bhag Mahrara, Teh. Sadabad, Distt.  
Mathura.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th October 1976

- (2) (1) Shri Pratap Singh,  
(2) Shri Jugendra Singh S/o Gajadhar Singh,  
(3) Smt. Shanti Devi W/o Siya Ram,  
(4) Shri Kali Charan and  
(5) Shri Mukat Singh S/o Shri Mardan Singh,  
(6) Shri Nahar Singh S/o Shri Sarnam Singh,  
(7) Shri Ramphal S/o Shri Ratan Singh,  
R/o Nawalpur Bhag Mahrara, Sadabad, Distt.  
Mathura.

(Transferee)

Ref. No. 43/Acq/Sadabad/76-77/1593.—Whereas, I,  
**VIJAY BHARGAVA**,  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
No. As per Schedule situated at As per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Sadabad on 24-1-1976  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property as per details given in form No. 37-G,  
situated at Village Mahrara, Teh. Sadabad, Distt. Mathura,  
transferred for an apparent consideration of Rs. 74,000/-.

**VIJAY BHARGAVA,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-10-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Pichaimuthu Gaudar &  
2. Smt. Marakkal,  
Thippampatti, Kethaiyurambu village,  
Palani taluk, Madurai district.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Vembanna Gounder &  
2. Shri Chinnappa Gounder,  
Thippampatti, Kethaiyurambu village,  
Madurai district.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 5th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 59/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 695, situated at Kethaiyurambu village, Madurai district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Oddanchatram (Doc. No. 195/76) on 24-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 13—62 acres in survey No. 695 (with one well) in Kethaiyurambu village, Madurai district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Rajamanicka Thai &  
Bhuvaneswar  
Meloor, Shencottai.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Leela Ammal,  
W/o Shri K. Velusamy Thevar,  
Vallam, Piranoor village, Tenkasi taluk.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 78/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 140/1 and 139/1A, situated at Karkudi village, Tirunelveli district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shonkottah (Doc. No. 315/76) in February 1976 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 7.25 acres in survey Nos. 140/1 (3.62½ acres) and 139/1A (3.62½ acres) with coconut and other trees in Karkudi village, Shencottai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 80/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

265, situated at Ramanathapuram Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 544/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri P.R.A. Annamalai Chettiar,  
C/o Annamalai Corporation,  
942/43, East Raja Street,  
Tanjore.

(Transferor)

(2) Smt. D. Parvadavardhini Ammal,  
W/o Shri Dandayudapani,  
No. 7, Rayagopuram South Lane,  
Madurai.

(Transferee)

(3) 1. Indian Bank.  
2. Dr. Sridharan.  
3. Shri Hameed Omar.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Central portion of land and building measuring 538-5/16 sq. ft. at door No. 265 (T. S. No. 2124/1), Ramanathapuram Road, Madurai.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri PR. A. Annamalai Chettiar,  
C/o Annamalai Corporation,  
942/43, East Raja Street,  
Tanjore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 81/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 265, situated at Ramanathapuram Road, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Maduari (Doc. No. 545/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(2) Shri G. Dhandayuthapani,  
No. 7, Rayagopuram South Lane,  
Madurai.

(Transferee)

(3) 1. Indian Bank.  
2. Dr. Sridharan.  
3. Shri Hameed Omar.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Northern portion of land and building measuring 538-5/16 sq. ft. at door No. 265, (T.S. No. 2124/1), Ramanathapuram Road, Madurai.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri PR. A. Annamalai Chettiar,  
C/o Annamalai Corporation,  
942/43, East Raja Street,  
Tanjore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. Nagarajun,  
No. 7, Rayagopuram South Lane,  
Madurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

(3) 1. Indian Bank.  
2. Dr. Sridharan.  
3. Shri Hameed Omar.

[Persons in occupation of the property]

Madras-6, the 5th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 82/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 265, situated at Ramanathapuram Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 546/76) in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Southern portion of land and building measuring 530<sup>4</sup> sq. ft. at door No. 265, (T.S. No. 2124/1), Ramanathapuram Road, Madurai.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Angammal, W/o Arunachala Chettiar,  
Smt. Padmavathi Ammal, W/o  
Kuppusamy Chettiar,

Vanigar Veethi (East), Thimiri, North Arcot Dt.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1976

Ref. No. 62/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 83/4B, 78/1B-2, 72/14,

situated at Vanakkambadi village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arni (Doc. No. 396/76) in February 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri A. N. Padmanabha Mudaliar,  
S/o A. K. Narayanasamy Mudaliar,  
Kelloor village, North Arcot Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands in Vanakkambadi village, North Arcot District with the following survey Nos.:

S. No. 83/4-B	3.19 acres
S. No. 78/1B-2	2.11 acres (with 1 well & 5 HP motor & pumpset)
S. No. 72/14	0.10 acres

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

Date : 7-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1976

Ref. No. 85/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 199/1, 212/1, 211/3, 411/4, situated at Vadugam village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Rasipuram (Doc. No. 205/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. M/s. Komrappa Gounder,  
2. M/s. Nalliappa Gounder,  
3. M/s. Natesa Gounder,  
4. M/Duraisamy Gounder, and  
5. M/s. Muthayammal,  
Pagapady village, Attur Taluk, Salem Dt.,  
(Transferors)

- (2) Shri Sengottaiyan,  
S/o Nanjappa Gounder,  
Vadu Kailasampalayam village,  
Rasipuram.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 4.33½ acres in S.F. No. 199/1 (1.35 acres), S.F. No. 212/1 (1.52 acres), S.F. No. 211/3 (1.42 acres) and S.F. No. 411/4 (0.04½ acres), Vadugam village, Rasipuram taluk, Salem District.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Pappayammal  
By power of attorney agent  
Shri M. S. Periasamy,  
No. 18, Mettu Srinivasan street,  
Salem.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6**

Madras-6, the 7th October 1976

Ref. No. 90/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 269/1, 269/3 & 124/2B, situated at Punjai Idayar Melmugam village & Idumbakkulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Paramathi (Doc. No. 217/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

20—306G1/76

(2) M/s. Rasappa Gounder & Palaniappan,  
Kottannapalayam,  
Idumbakkulam village,  
Namakkal taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/3rd share in the following properties :

Punjai Idayar Melmugam Village :  
S. No. 269/1                  4.34 acres  
S. No. 269/3                  1.76 acres

Idumbakkulam village :  
S. No. 124/2B                  7.67 acres  
(with 1 well)  
1/4th share

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Pappayammal  
By power of attorney agent  
Shri M. S. Periasamy,  
No. 18, Mettu Srinivasan street,  
Salem.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

(2) M/s Nallappan & Chellappan,  
sons of Kuttianna Gounder,  
Kottannapalayam,  
Edumbakkulam village,  
Namakkal taluk,

(Transferee)

Madras-6, the 7th October 1976

Ref. No. 70/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 269/1, & 3 & 124/2DT, situated at Punjai Idayar Melmugam village & Idumbakkulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paramathi (Doc. No. 218/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in the following properties :

Punjai Idayar Melmugam Village :	
S. No. 269/1	4.34 acres
S. No. 269/3	1.76 acres
S. No. 124/202	7.67 acres
(with 1/4th share in well)	

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-10-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 14th October 1976

Ref. No. 66/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 98/1 &amp; 2, 96/4, 106/11, 96/5,

situated at Edappadi village, Salem Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappadi (Doc. No. 253/76) on 26-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons; namely :—

(1) Shri Karumana Gounder &  
Shri Mathesh,  
Vaduvachi Kattuvalayu,  
Edappadi village, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Athayee Ammal,  
W/o Shri Lakshmana Gounder,  
Rayaloor, Chinna Goundanoor village,  
Sankaridrug taluk, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.50-1/6 acres in Edapadi village, Salem district with the following survey numbers :

Survey No. 98/1	2-27½ Acres
Survey No. 98/2	0.50½ Acres (with half share in one well & one 5 HP motor)
Survey No. 96/5	0.02-1/6 Acres
Survey No. 106/11	0.84 Acres

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 14th October 1976

Ref. No. 67/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 98/1&2, 96/4&5 & 106/11,

situated at Edappadi village, Salem Dt., (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Edappadi (Doc. No. 256/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sengoda Gounder & Shri Venkatachalam (minor) by father & guardian Shri Sengoda Gounder, Vaduvachi Kattuvalavu, Edappadi village, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmana Gounder, Rayaloor, Chinna Goundanoor village, Sankaridrug taluk, Salem Dt.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property shall be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 4.50-1/6 acres in Edappadi village, Salem Dt. bearing the following survey numbers :

Survey No. 98/1	2.27½ Acres
Survey No. 98/2	0.50½ Acres (with half share in one well & 5 HP motor)
Survey No. 96/4	0.86 Acres
Survey No. 96/5	0.02-1/6 Acres
Survey No. 106/11	0.84 Acres

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-10-1976

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Swarna s/o Kartara  
s/o Shri Nama,  
r/o Village Mahil,  
Teh. Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

(2) Smt. Gurmit Kaur w/o Shri Bishan Singh,  
s/o Shri Atma Singh,  
r/o Goraya,  
Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 over leaf.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Jullundur, the 5th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1627.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, As per schedule, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at village Mahil, Teh. Phillaur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Phillaur on Feb., 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanals at village Mahil Teh. Phillaur registered v/e deed No. 4173 of February, 1976 S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh  
s/o S. Bhagat Singh,  
383-A Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

(2) S. Rajinder Singh s/o  
S. Sadhu Singh P/o  
P/o M/s. Narinder Singh & Co.  
Br. Kanak Mandi,  
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]  
(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Amritsar, the 6th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 383-A (1/4th share) Green Avenue, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3081 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Dharam Paul s/o  
Sh. Dewan Chand r/o  
33-B, R. B. Parkash Chand Road,  
Amritsar.

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,**  
**AMRITSAR**

Amritsar, the 6th October 1976

(2) Shri Amar Nath s/o  
Shri Bishan Dass &  
Smt. Hira Devi w/o Shri Amar Nath  
r/o Bazar Guru-ka-Mahal,  
Amritsar.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer or to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

Property No. 33-B R. B. Parkash Chand Road, Amritsar  
as mentioned in the Registered Deed No. 3085 of February,  
1976 of the Registering Authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee to  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C  
of the said Act, I hereby initiate proceedings for the ac-  
quisition of the aforesaid property by the issue of this notice  
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Swaran Kaur  
w/o S. Sohan Singh r/o  
V. Birk Tehsil Phillaur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR**

(2) Shri Baij Nath s/o  
Shri Fateh Chand  
V. Talwan Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]  
(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. Phg/76/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property, situated at Central Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in February, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property in Central Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 1843 of February, 1976 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Swaran Kaur w/o  
S. Sohan Singh r/o  
V. Birk Tehsil Phillaur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. Phy/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Central Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(2) Smt. Saroj Majitha  
w/o Shri Bajji Nath  
V. Talwan Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property in Central Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 1795 of February, 1976 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

21—306GI/76

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Darshan Singh s/o Shri Kartar Singh  
11-A Model Town, Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

(2) Shri Davinder Singh s/o Shri Nirmal Singh  
9-B, Model Town Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. KPL/78/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-B, situated at Model Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 9-B Model Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 1746 of February, 1976 of the Registering Authority, Phagwara.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1976

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/79/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 11-B, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harbans Kaur  
w/o Sh. Kartar Singh, through  
Shri Kartar Singh s/o Shri Kishan Singh  
Shri Hardev Singh, Joginder Pal Singh  
ss/o Shri Kartar Singh & Gurdip Kaur  
d/o Shri Kartar Singh  
r/o Kalu Ganpur,  
Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdip Singh s/o  
Shri Kartar Singh,  
Kucha Nabian, Kt. Karam Singh,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 11-B, Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2980 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA . . . . .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/80/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11-D, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Harbans Kaur  
w/o Sh. Kartar Singh, through  
Shri Kartar Singh s/o Shri Kishan Singh  
Shri Hardev Singh, Joginder Pal Singh  
S/o Shri Kartar Singh & Gurdip Kaur  
d/o Shri Kartar Singh  
r/o Kala Ganupur,  
Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Maninder Pal Singh s/o  
Shri Kartar Singh,  
Kucha Nabian, Kt. Karam Singh,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Plot No. 11-D, Rani-ka-Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2974 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/81/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11-C, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in that said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harbans Kaur  
w/o Sh. Kartar Singh, through  
Shri Kartar Singh,  
Shri Hardev Singh, Joginder Pal Singh  
s/o Shri Kartar Singh & Gurdip Kaur  
d/o Shri Kartar Singh  
r/o Kala Ganpur,  
Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Pal Singh s/o  
Shri Kartar Singh,  
Kucha Nabian, Kt. Karam Singh,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 11-C, Rani-ka-Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2998 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/82/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 562, situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

25--286G1/76

(1) Sh. Davinder Chand  
s/o Shri Gujjar Mal, Karta of HUF  
r/o 19 Rattan Chand Road, Amritsar.  
Smt. Maya Devi w/o Shri Davinder Chand  
S/Shri Narinder Chand Khanna  
Ravinder Chand ss/o Shri Amin Chand  
r/o R. B. Rattan Chand Road,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Harbans Lal s/o  
Shri Bishan Dass Prop. M/s Harbans Lal  
& Sons, Bazar Kathian,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2850 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/83/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 563, situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Davinder Chand  
s/o Sh. Gujjar Mal,  
Smt. Maya Devi w/o Sh. Devinder Chand  
S/Shri Narinder Chand,  
Ravinder Chand s/o Shri Amin Chand  
r/o 19 Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Radha Raman s/o  
Sh. Parmeshwari Dass r/o  
Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2852 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Mahaluxmi Land & Finance Co. (P) Ltd.,  
8-B, Jindal Trust Building, Asaf Ali Road, New  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 7th October 1976

Ref. No. F. Acq/77/Gbd/76-77/1610.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-2-1966 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Pashpa Devi w/o Sri Prakash Chandra r/o Flat No. 16, Municipal Market, Ramesh Nagar, New Delhi and (ii) Smt. Veena Arora w/o Sri Nand Lal, H. No. 1149, Shora Kothi Sabjimandi, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immoveable property Plot No. S-1 measuring 666 sq. yds. situated at Brindavan Garden Village Pasonda, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 19,980/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-1976.

Scal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR**

Kanpur, the 7th October 1976

Ref. No. F. Acq./76/Ghd/76-77/1611.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 19-2-1976. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22—306GII/76

(1) M/s. Mahaluxmi Land & Finance Co. (P) Ltd., 8-B, Jindal Trust Building, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Pt. Kanshi Ram, 2. Shiv Nath, 3. Rakesh, 4. Jeetpal, 5. Rajesh R/o Krishna Water Supply Co., 60, G. B. Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property Plot No. S-21 measuring 667 sq. yds. situated at Brindavan Garden Village Pasonda, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 14,674/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 7th October 1976

Ref. No. F. Acq/33A/Dehradun/76-77/1645.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 13-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shrimati Brij Rani w/o Sri A. K. Bakshi r/o 82, Rajpur Road, Dehradun. 2. Sri Brij Mohan s/o Sri Jai Krishan Dass r/o Phagwara (Punjab) now in Pali, Rajasthan through his attorney Sri Avtar Krishan Bakshi.

(Transferor)

(2) M/s. Nav Chitra Cooperative Housing Society Ltd., Office at 11 Kaulagarh Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 115 M a piece of land ( $\frac{1}{2}$  portion) measuring 3605.5 sq. yds. situated at Kanwali, Pargana Central Doon Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ratan Lal s/o Hira Singh, R/o Village Jaganpur, Distt. Agra.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 13th October 1976

Ref. No. 51/Acq./Agra/76-77.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 28-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) 1. Shri Rajendra Pd. Anand s/o Prem Das Anand, 2. Smt. Surla Anand w/o Sant Swaroop Anand, 3. Smt. Prabha Bhargava w/o Atri Bhargava, 4. Gur Saran Das s/o Lala Bhanamal, 5. Smt. Swami Pyari w/o Satyapal, R/o Swami Nagar, Dayalbagh, Agra, and 6. Mukdam s/o Ratan Lal R/o Jaganpur, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land bearing Khata No. 282, measuring 4 Bigha, situated at Village Jaganpur, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Dharamawati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961  
THE SCHEDULE

(2) Smt. Indrashana Devi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

(3) Smt. Dharamawati Devi.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 10-I/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 101, situated at Moh. Shivajinagar Mamurjanj, Parg, Dehat Amanat, Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 13-2-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 101 measuring 9640 sq. ft. situated at Moh. Shivaji Nagar, Mamurjanj, Parg, Dehat Amanat, Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 4-10-76

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Shiv Murti Singh.

(Transferor)

(2) Queen of Apostles Society Saint Marriage Convent.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 20-U/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 19/3, situated at Sona Talab Parg, Shivpur, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Varanasi on 6-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1975);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. C-19/3, Sona Talab, Pargana Shivpur, Varanasi City.

A. S. BISEN,  
**Competent Authority,**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-76.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Suresh Chandra Goyal and others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Niraj Kumar Sharma.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW**

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 21-N/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

278, House and land situated at Dadi Karvat, Rallupur, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

A house and land on plot No. 278, situated at Vill. Dadi Karvat, Rallupur, Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 4-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Northern India Land & Finance Housing Corp.  
Lanka, Varanasi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parijat Roy owner (Vendor).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 57-P/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 28 of 222/1 situated at Mauja Nagwa Parg. Dehat, Amanat Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 2-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot No. 28 Part of Settlement No. 222/1, situated at Mauja Nagwa, Parg. Dehat Amanat, Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
Date : 13-9-1976

Date : 4-10-76.

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Shri Gaya Prasad Rastogi,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 65-K/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House with land No. 105/291 situated at Husainganj, Fool Bagh, Chirain Dhapurwa, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house with land No. 105/291, situated at Husainganj, Fool Bagh, Chirain Dhapurwa, Lucknow.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-76.  
Seal

## FORM ITNS

(1) Smt. Lakshmi Devi &amp; others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sardar Baldeep Singh &amp; others.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

(3) Smt. Lakshmi Devi &amp; others.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Araji Bhoomidhari No. r/952 etc. with Building situated at Village Sannaua Parg., Teh. & Distt. Bareilly.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
23—306GI/76

Date : 4-10-76.

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Bachhu &amp; others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW**

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 88-M/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 147 situated at Dahadurganj, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) Seller.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house No. 147 situated at Bahadurganj, Allahabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nand Lal &amp; others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 108-R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Mauja Marzad Patti, P.O. Anai Parg. Bhadohi, Distt. Bhadohi, Varanasi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 17-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Rahmatullah &amp; others.

(Transferee)

(3) Vendee.

(person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House Mauja Marzad Patti, P.O. Anai Parg. Bhadohi Distt. Varanasi.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-76.

Seal :

FORM INTS—

(1) Shri Gabunath Sonker &amp; others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 109-R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 339/14, Ka situated at Trimmiganj, City Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 4-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferred to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Ramawati Jaiswal.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house No. 339/14, Ka situated at Trimmiganj, Lucknow.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Bai Mariambai, wife of Ismail Haji Mohamed Patel.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING, NETAJI  
SUBHAS ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 21st September 1976

Ref. No. AR-I/1523-9/Feb.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1/1266 of Lower Parel Division situated at Bhavani Shankar Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Ravindra Huna Dhake.

(Transferee)

(3) 1. Shri J. F. Dias; 2. Mr. T. Ferreira; 3. Mrs. D. D'Souza and Pandurang.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL THAT piece or parcel of pension and tax tenure land or ground with messuage, tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Bhavani Shanker Road, in the Registration Sub District of Bombay City and Bombay Suburban in the Island of Bombay containing by admeasuring 499 sq. metres i.e. 597 square yards or thereabouts and delineated on the plan thereof and shown as surrounded by a red coloured boundary line and bearing Final Plot No. 438 of the Town Planning Scheme No. 1F of Mahim area and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Old No. A/1198, New No. 4324, New Survey No. Part 2/1841, Cadastral Survey No. 1/1266 of Lower Parel Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under G Ward Nos. 3365(3), 3366(1), 3366(1A), 3366(2) and 3367(3) and Street Nos. 13D, 15A, 15AB, 15AA and 13BB and bounded as follows : that is to say, on or towards the EAST by the property belonging to Rev. Father H. J. Dias and others, on or towards the WEST by the property belonging to the late Mrs. Louisa the Isabella Dias and others, on or towards the NORTH by Public Road and on or towards the SOUTH by the Property bearing New Survey No. 1841.

V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 21-9-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) M/s. Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd.,  
Ballard House, 2nd Floor,  
Mangalore Street, Fort, Bombay-400 001.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV  
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,  
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

(2) Shri Jitendra Ratilal Shah,  
Smt. Indumati Ratilal Shah,  
Smt. Devyani Deepak Shah,  
partners in the firm of M/s. Kagaj Traders, No. 3,  
New Stock Exchange Building, Apollo Street, Fort,  
Bombay-400 023.

(Transferee)

M/s. Veera Land Development Corporation, Sham  
Nagar, Veera Desai Road, Andheri (West),  
Bombay-400 068.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property.)

Bombay-400 002, the 11th October 1976

Ref. No. Acqn.Range-IV/AP.236/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B/38 Survey No. 41 (Part) situated at Oshivara Village

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing Plot No. B/38 of the Lay Out and Scheme in Survey No. 41 (Part) admeasuring 1216 sq. yds. (1017 sq. metres) in Village Oshivara, Taluka Andheri and bounded as follows : that is to say on or towards the North by Plot No. B/24, on or towards the West by 44 Feet Wide Road, on or towards the South by Plot No. B/53 and on or towards the East by Plot No. B/36.

G. A. JAMES,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vinayak Kalyanji Shah.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gyanchand N. Kothari.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX.  
ACQUISITION RANGE-I  
AYURVEDICK COLLEGE BUILDING, NETAJI SUBHASH  
ROAD, BOMBAY-400 002

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. AR-I/1526-12/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS No. 568 (pt.) 135-A, Gowalia Tank Rd., situated at Malabar & Cumballa Hill,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 3-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL THAT piece or parcel of land with the dwelling house standing thereon situate at 135A Gowalia Tank Road (now known as August Kranti Marg) in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasuring 600 sq. yds. equivalent to 501.600 sq. metres or thereabouts and registered by the Collector of Land Revenue under New No. 1/3039 Cadastral Survey No. 568 (part) of Cumballa and Malabar Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Corporation of Greater Bombay formerly under D Ward No. 2935 and Street No. 2, Gowalia Tank Road and now under 14D Ward No. 2355 and 135A, August Kranti Marg and which is bounded on the East by the property of the Vendors, on the West by the property of Nusserwanji R. Nazir, on the South by the property formerly of the Trust Estate of Hormasji Jeewanji and then of Abdul Hussein Gulamhussein Bandukwalla and Esufali Gulamhussein Bandukwalla, and on the North by the property formerly of the Trust Estate of Hormasji Jeewanji and now of Mithibai Dadabhoy Mistry and others.

G. A. JAMES,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Pukhraj Chunilal Bafna.

(Transferor)

(2) Shri Rajendrakumar K. Kothari.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Ref. No. AR-I/1527/13/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES,  
 INSPECTOR OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I  
 AYURVEDICK COLLEGE BUILDING, NETAJI SUBHASH  
 ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. AR-I/1527/13/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1/3039, CS No. 568 (pt.) Malabar and Cumballa Hill Divn. situated at 135-A, Gowalla Tank Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL THAT piece or parcel of land with the dwelling house standing thereon situate at 135A Gowalia Tank Road (now known as August Kranti Marg) in the Registration Sub-District and District Bombay City and Suburban containing by admeasurement 600 square yards equivalent to 501.600 square metres or thereabouts and registered by the Collector of Land Revenue under New No. 1/3039 Cadastral Survey No. 568 (part) of Cumballa and Malabar Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Corporation of Greater Bombay formerly under D Ward No. 2935 and Street No. 2, Gowalia Tank Road and now under 14 D Ward No. 2935 and 135A, August Kranti Marg, and which is bounded on the East by the property of the Vendors, on the West by the property of Nusservanji R. Nazir, on the South by the property formerly of the Trust Estate of Hormasji Jeewanji and then of Abdul Hussein Gulamhussein Bandukwalla and Esufalli Gulamhussein Bandukwalla, and on the North by the property of formerly of the Trust Estate of Hormasji Jeewanji, and now of Mithibai Dadabhoj Mistry and others.

G. A. JAMES,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dalla Pallonji Panthaki.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntaladevi Jhamb.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, AYURVEDICK COLLEGE  
 BLDG. NETAJI SUBHASH ROAD,  
 BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. AR-1/1530-16/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old S.No. 618, New No. 5773, CS No. 305 situated at Bombay—Fort (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—306GI/76

(3) 1. Dr. D. V. Shah, 2. Mr. Homi R. Kias, 3. Mr. Hastubhai A. Abbas, 4. Shah T. Co., Arun Ashish Trivedi, 5. Mrs. Keke F. Panthaki and Mrs. Nargis M. Shroff.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or quit and ground rent tenure with messuage tenements and dwelling house standing thereon situate at Bazargate Street, Fort, in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 114 8/9 sq. yds. being equivalent to 96.00 sq. metres or thereabouts and bearing Collector's old No. 618 New No. 5773 Old Survey Nos. 102, 103 New Survey No. 9284 Cadastral Survey No. 305 Fort division and assessed by the Assessor of Municipal Rates under A Ward No. 2097 Street No. 249-51 and bounded on the East by the House of Cursetji on the West by the said Bazargate Street on the North by the house of Framji Ruttonji Comrigar and on the South by the Chawl of Hormusji Cawasji Mithaiwala.

G. A. JAMES,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Bombay.

Dated : 12-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sudhalaxmi Mohanlal Jhaveri.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AYURVEDICK COLLEGE BLD  
NETAJI SUBHASH ROAD BOMBAY-400 002.**

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. ARI/1538-24/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1384(pt) C.S. No. 1343, Bhuleshwar Division situated at Dhanji (Dongria) Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL that piece or parcel of Fazandari land or ground together with the messuage tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Dhanji (Dongria) Street without the Fort in the Island of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay admeasuring one hundred and forty-two square yards and five-ninths of another square yard be the same little or more or less and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the Sweeper's passage, on or towards the West by the said Dhanji (Dongria) Street, on or towards the North by the property formerly belonging to the late Byramji Forbes and now of Premchand Kalyanchand and on or towards the South by the property formerly belonging to Pirojshah Manekji Choksey and now to Bai Gulab widow of Naginchand Rupchand Ghelabhai and her sons and which said premises are assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Rates and Taxes under C Ward No. 690 Street Nos., 99-101 and New Nos. 13-15 Collector's New No. 251, New Survey No. Part of 1384 and Cadastral Survey No. 1343 of Bhuleshwar Division.

G. A. JAMES,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated : 12-10-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sudhalaxmi Mohanlal Jhaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AYURVEDICK COLLEGE  
BLDG. NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. ARI/1539-25/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1384 (pt.), C.S.No. 1343, Bhuleshwar Division situated at Dhanji (Dongria) Street, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Shah Lachmandas Hajarimal &amp; Ors.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL that piece or parcel of Fazandari land or ground together with the messuage tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Dhanji (Dongria) Street without the Fort in the Island of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay admeasuring one hundred and forty-two square yards and five-ninth of another square yard be the same little or more or less and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the Sweeper's passage on or towards the North by the property formerly belonging to the late Byramji Forbes and now of Premchand Kalyanchand and on or towards the South by the property formerly belonging to Pirojshah Manekji Choksey and now to Bai Gulab widow of Naginchand Rupchand Chelabhai and her sons and which said premises are assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Rates and Taxes under C-Ward No. 690 Street Nos. 90-101 and New Nos. 13-15 Collector's New No. 251, New Survey No. part of 1384 and Cadastral Survey No. 1943 of Bhuleshwar Division.

G. A. JAMES,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 12-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd.  
Ballard House, 2nd Floor,  
Mangalore Street, Fort, Bombay-400 001.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
SMT KGMP, AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,  
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD  
BOMBAY

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.235/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B/64, Survey No. 41 (Part) situated at Oshivara Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd.  
Ballard House, 2nd Floor,  
Mangalore Street, Fort, Bombay-400 001.
- (2) Shri Sevadas Labhuram Saimbi,  
Shri Baldev Sevadas Saimbi,  
Shri Gutecharandas Sevadas Saimbi,  
Partners and  
Master Balbir S. Saimbi, admitted to the benefit of  
288/3 Hill Road, Bandra (West), Bombay-400 050.  
(Transferee)
- (3) M/s Veera Land Development Corporation,  
Sham Nagar, Veera Desai Road,  
Andheri (West), Bombay-400 058.  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. B/64 of the Lay out and Scheme in Survey No. 41 (Pt) admeasuring 2483 square yards (2084 sq. mts.) in Village Oshivara, Taluka Andheri and bounded as follows : that is to say on or towards the North Plot No. B-63, on or towards the West by Plot No. Block C, on or towards the South partly by Plot No. A-8 and partly by Plot No. A-9 and on or towards the East by the Scheme Road and bearing City Survey No. 701.

G. A. JAMES,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 12th October, 1976.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Executors of the Will of late Shri Ratilal Monjibhai  
 1. Smt. Ruxmaniben Ratilal Nagodra  
 2. Shri Jayantilal Monjibhai Nagodra  
 4-Ramkrishnanagar, "Deepak", Rajkot.  
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,  
 HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD  
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th October 1976

Ref. No. Acq.23Asc.23-1-1169(555)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Lekh No. 46 part situated at Near Radia Oil Mill, Mavdi Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) M/s Saurashtra Metal Industries : Through its partners :  
 1. Shri Jayantilal Popatlal Chotai  
 2. Shri Chandulal Maganlal Mehta,  
 Mavdi Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1225 S. Yds. bearing Lekh No. 46 Part, situated near Radia Oil Mill, Mavdi Road, Rajkot.

J. KATHURIA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 12-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Brij Kishore Jhawar,  
S/o Late Moti Lal Jhawar,  
At Kanke Road Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Vikromatic (India) Pvt. Ltd.  
24 R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1,  
Through, Sri Gopal Das Soni. (Director)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-208/Acq/76-77/2014.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 243, W. No. I/C, situated at Chandwe, Kanke Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 27-2-76 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land area 26 K. 9 Ch. with an old building in W. No. I/C H. No. 243, S. Plot No. 416, 417 (part), 420, 421 at Chandwe Kanke Road, Ranchi as described in deed No. 2708 dated 27-2-1976.

A. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1976  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shri Brij Kishore Jhawar,  
S/o Late Moti Lal Jhaware,  
At Kanke Road Ranchi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Brij Investment (P) Ltd.,  
24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1,  
Through, Sri Baldeo Dass Mohta (Director)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,  
PATNA, BIHAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-209/Acq/76-77/2013.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 243, W. No. I/C, situated at Chandwe, Kanke Road Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 24-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land area 26 K. 10 Ch. with an old building in W. No. I/C, H. No. 243 at Chandwe, Kanke Road, Ranchi as described in deed No. 2450, dated 24-2-76.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Brij Kishore Jhawar,  
S/o Late Moti Lal Jhawar,  
of Kanke Road, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jhawar Investment (P) Ltd.  
14, Princep Street Calcutta-72,  
Through Shanti Devi Jhawar (Director).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,  
PATNA, BIHAR

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-210/Acq/76-77/2012.—Whereas, I, A. K.  
SINHA

being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 243, W. No. I/C, situated at Chandwe, Kanke Road  
Ranchi,

(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering officer at  
Ranchi on 24-2-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the 'said Act' in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the Said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 26 K. 9 ch. with an old building in W. No. I/C  
H. No. 243 at Chandwe, Kanke Road, Ranchi as described  
in deed No. 2448 dated 24-2-76.

A. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the fol-  
lowing persons, namely :—

Date : 7-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Brij Kishore Jhawar,  
S/o Late Moti Lal Jhaware,  
of Kanke Road, Ranchi.

(Transferor)

(2) M/s Basant Holdings Pvt. Ltd.  
of 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1,  
Through, Shri B. L. Agrawall (Director).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,  
PATNA, BIHAR

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-211/Acq/76-77/2011.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 243, W. No. I/C, situated at Chandwe, Kanke Road, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 24-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—306GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 26 K. 9 Ch. with an old building in W. No. I/C, H. No. 243 at Chandwe, Kanke Road, Ranchi as described in deed No. 2449 dated 24-2-76.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Wilati Lal Sikri  
of Kadru, Ranchi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD PATNA  
BIHAR

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-212/Acq/76-77/2010.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. An open plot No. 934, Khata No. 191, R. No. 917 situated at Kadru Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ranchi on 10-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Padmawati Devi  
W/o Sri Mohan Lal Bhal of PPS—Jhalda  
Dt. Purulia (W.B.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land area 7 K. 14 ch. sq. feet with a double storied building at Kadru Ranchi, Khata No. 191, Plot No. 917 Sub plot No. 144 as described in deed No. 1521, dated 10-2-76.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1976

Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA  
BIHAR**

Patna, the 8th October 1976

Ref. No. III-213/Acq/76-77/2019.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Khata No. 76 old, R. & No. 259 (new (part) situated at Narayanpur Ahant (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 3-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Chand Agrawal  
S/o Late Jiwan Lal Agrawal of old Mahna Road  
Narayanpur Ahant P.O. Ram Krishna Seva-ashram,  
Dt. Muzaffarpur, Presently at Faizabad, U.P.  
(Transferor)

(2) S/Shri Premnath Gupta, Subhash Kumar Gupta S/o Sri Panna Lal Gupta, Smt. Saroj Rani Gupta W/o Sudesh Kumar Gupta All of Bhirani Pokhar, Town Mazaffarpur.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land area 8 K. with double storeyed building etc at Narayanpur Ahant, Muzaffarpur, Khata No. 76 old, R No. 870 old 259 new (part) vide deed No. 2017 dated 3-2-76.

A. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-10-76

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shrimati Diana Geeta Singh Roy W/o Sri Dilip Kr. Singh Roy & Sri Subrata Kr. Sen, Through Diana Geeta Singh Roy (A tormy) of Flat 31, Vemas apartment RNo. 49, Work Sea Race Bombay-18.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA  
BIHAR**

Patna, the 8th October 1976

Ref. No. III-214/Acq/76-77/2020.—Whereas, J. A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 1857 (c), part of 1857/8 situated at hehal Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ranchi on 20-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Shri Ajit Kumar Singh S/o Dr. Ram Bali Sinha of Raftu Road, Ranchi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land area 0.50 acres at hehal, P.S./Dt.-Ranchi of H. No. 1857(c) and position of H. No. 1857/8 in W. No. 2/C, part of plot No. 70A, 1/3 and 70A, 1/2 alongwith trees, out House etc. thereon as described in deed No. 2174 dated 20-2-76.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-10-76  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Tara Chand Agrawal

S/o Late Jiwan Lal Agrawal of old Mahna Road  
Narayanpur Anant P.O. Ram Krishna Seva-ashram,  
Dt. Muzaffarpur, Presently at Faizabad, U.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA  
BIHAR

Patna, the 8th October 1976

Ref. No. III-215/Acq/76-77/2021.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 76 old, S.P. No. 259 new (part) situated at Narayanpur Ahant (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Muzaffarpur on 3-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s Gupta Tube Co. at Narayanpur Anant, P.S./Dd. Muzaffarpur Through Sri Premath Gupta (Partner) at Ghirni Pokhar, Town Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires letter :—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

Land area 7 K. 3 dhur with double storied building, workshop etc. at Narayanpur Anant, Muzaffarpur, Khata No. 76 old, S.P. No. 870 old, 259 (part) new, vide deed No. 2016 dated 3-2-76.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar,  
Patna

Date : 8-10-76

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th October 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/359.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-19 situated at Rajendra Marg, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 11-2-1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Basant Lal Chhabra S/o Shri Gajanand Chhabra, resident of Plot No. E-184, Jamnalal Bajaj Marg, Ashok Nagar, C-Scheme, Jaipur.

(Transferors)

(2) Shri Prem Chand Jain S/o Shri Kapoorchand Jain Resident of village Chharerha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Northern portion of Plot No. B-19, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur admeasuring 600 sq. yards. morefully described in conveyance deed registered on 11-2-1976 by Sub Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS —————**

(1) Smt. Chitapally Nagakrishna Maheshwari, H. No. 5-9-47/5, Basheerbagh, Hyderabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Dr. T. Krishna Kumar Chatterji, H. No. 3-2/1/1 at Bagh Lingampally, Kachiguda, Hyderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 164/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2525,000/- and bearing Rs. 3-2/1 situated Bagh Lingampally, Kachiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 3-2/1/1, at Bagh Lingampally, Kachiguda, Hyderabad. Area : 800 Sq. Yds. or 672 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 5-10-1976,  
Seal :

**FORM ITNS**(1) Ch. Papa, Rao, H. No. 5-9-47-5, Basheerbagh,  
Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 165/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-2-1/1 situated at Lingampally, Bagh, Kachiguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(2) Shri S. Ravindranath, H. No. 3-2-1/1/1 at Bagh Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Premises No. 3-2-1/1/1 at Lingampally, Bagh, Kachiguda, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Ch. Subhakara Rao, R/o Suryaraopet, Vijayawada, Krishna Dist.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Tatineni Lakshmi Vara Prasad, R/o Madras, T. Nagar.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 166/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-2-1/2 situated at Bagh Lingampally, Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 6-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Premises No. 3-2-1/2 at Lingampally Bagh, Kachiguda, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—306GI/76

Date : 5-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 167/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-537/1 & 15-1-537/10 to 12, Siddiembar Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 9-2-1976, Hyderabad on 13-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Late Ehsan Hussain S/o Abbas Hussain, L-R of deceased 1. Smt. Aminabi, 2. Mustaff Hussain, 3. Murtuza Hussain, 4. Murtuza Abbas, 5. Amatula Sakina, 6. Amir Fathima, 7. Amatula Jehra, 8. Amatul Sograh, 9. Nazam Fathima, 10. Mohsin Farhat, All except No. 5 residing at H. No. 15-1-588, Siddiembar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Radhaben, W/o Sri Chunnilal Shamji, 124 Jeera Secunderabad.

(Transferee)

\*(3) 1. Sri Chunnillal Shamji, 2. Dr. Tayeb, and 3 M/s. Asia Automatronics Pvt. Ltd. II, No. 15-1-537/1 and 15-1-537/10 to 12 at Siddiembar Bazar, Hyderabad.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Mulgies bearing M. No. 15-1-537/10 to 12 and No. 15-1-537/1 (Part portion, 1st floor) at Siddiembar Bazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 168/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-I-537-1 & 15-I-537/13 & 14 at Siddiembar Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 25-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Late Ehsan Hussain, S/o Abbas Hussain, L/Rs 1. Smt. Aminabi, 2. Mustaff Hussain, 3. Murtuza Hussain, 4. Murtuza Abbas, 5. Amtula Sakina, 6. Amir Rathima, 7. Amatula Jehra, 8. Amatul Sograh, 9. Nazam Fathima, 10. Mohsina Farhat, All except No. 5 residing at H. No. 15-1-588 at Siddiembar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Kirit Baldev, So Ratilal Shamji, 2. Dinesh Baldev, S/o Ratilal Shamji, both residing at 124 Jeera, Secunderabad.

(Transferee)

(3) Shri Chunnial Shamji, and Sri Goli Eswaraiah, M/s. Asia Automotives Pvt. Ltd.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Mulgi bearing Mr. Nos. 15-11-537/13 and 14 and part of 15-1-537/1 (1st floor) at Siddiembar Bazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Pingale Randhir Reddy, S/o Vijayapal Reddy,  
R/o Wadeppalli, Warangal.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 169/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe (hereinafter referred to as the said Act) that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 405 situated at Waddepalli, Warangal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Warangal on 12-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) The Central Excise Officers Co-operative Housing Society, Hanumkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing survey No. 405 measuring Ac. 2.33 guntas at Waddepalli, sivar of Warangal.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Pingali Vijayapal Reddy, S/o Krishnareddy,  
R/o Wadeppally, Warangal.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Central Excise Officers Co-operative Housing  
Society, Hanumkonda, Warangal.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 170/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. S. Nos. 423 & 426 situated at Wadeppally, Warangal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Warangal on 12-2-1976

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reasons to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',  
in respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. Nos. 423 and 426 total area : 2.21 Acrs.  
at Wadeppally, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) 1. Smt. Malathi Devi W/o Narasimha Reddy, G.P.A. Sri P. Vijayapal Reddy, 2. Smt. Shobha Devi, W/o D. Surendharnathreddy, G.P.A. Sri P. Vijayapalreddy, 3. Mandalapu Ramaniah, S/o Veeriah, all residing at Wadepally, Warangal.

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

- (2) The Central Excise Officer's Cooperative Housing Society, Warangal.

(Transferee)

Hyderabad, the 6th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 171/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 412 & 413 situated at Wadepally, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Warangal on 13-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land in Survey Nos. 412 and 413 total area 3.27 Acre, situated at Wadepally, Warangal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) 1. Sri Pingali Janakidevi W/o Vijayapalreddy, R/o Waddepally, Warangal, 2. Mandalapu Ramanah, S/o Veeraiah, R/o Gadeppalli, Warangal.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 172/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E. Nos. 407 & 414 situated at Wadeppally, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 10-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) The Central Excise Officer's Cooperative Housing Society Hanamkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land in survey Nos. 407 and 414 total Area 3.09 Acrs. at Waddepalli sivar, Warangal.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Pingale Vijayapal Reddy, S/o Krishnaraoddy, R/o Wadepally, Warangal.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 173/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 424 situated at Wadepally, Warangal, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 11-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land in Survey No. 424 measuring 3.10 Acre, at Wadepally, Warangal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-10-1976.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) 1. Sri Pingale Randhir Reddy, S/o Vijapalreddy, R/o Waddepalli-Village, Warangal. 2. Mandalapu Ramaniah So Veeriah, R/o Gadepalli, Village, Warangal.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 174/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 401 situated at Wadepally, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 11-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—306GI/76

(2) The Central Excise Officers Co-operative Housing Society, Hanamkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land in Survey No. 401 measuring Acrs. 2.08 situated at Waddepalli sivar, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sri Pingale Vijaypal Reddy, and Sri Pingale Randhir Reddy, R/o Waddepalli, Warangal.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 7th October 1976

Ref. No. RAC. No. 175/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-5-45 situated at Hanumkonda, Warangal,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 15-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

M. No. 2-5-45 situated at Nakkalgutta, Hanumkonda, Warangal. Area : 21150 Sq. Yds. Building constructed in the year 1905.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Hushmuthunisa Begum, and Sri Jainarayan Misra, R/o Sardar Patel Road, Secunderabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. Bachi Dinshaw Behrana, and Sri D. A. Behrana, 143/B Machintyre Road, Secunderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 7th October 1976

Ref. No. RAC. No. 176/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18 situated at 156 to 159 S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot No. 18 at 156 to 159 (2-11-30) at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 510 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 8th October 1976

Ref. No. RAC. No. 177/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Mulgi, No. 4-1-963, 964, 965 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri Ghulam Khaja Shamsuddin Khan, 2. Ghulam Khaja Qutubuddin Khan, 3. Smt. Ghousumusa Begum, R/o No. 1 residing at 22-7-511, Purani Heveli, Hyderabad, No. 2 residing at Architect at Bombay, Junior building & Construction Department Opposite to C.T.O. floor fountain, Bombay-32, No. 3, residing at B-1-95 at Public Garden Road, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mrs. Shafia Begum, W/o Sri M. Akram Khan, H. No. 4-1-1224, Kingh Koti Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Mulgi Nos. 4-1-963, 964, and 965 at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri T. P. J. Swamy, S/o T. Surya Rao,  
H. No. 10-2-289/74 at Shantinagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Zaibunnisa Abdul Hameed Patel, W/o  
Abdul Hameed Patel,  
at Bazar Road, Dhoraji, Dist. Rajkot,  
Gujarat.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1976

Ref. No. RAC No. 178/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-2/F-4 situated at the Poonam Apartments Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 18-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

As mentioned in Doct. No. 642 of 1976 registered at J. S. R. Hyderabad in February 1976. Flat No. B-2/F-4 in the complex known as "Poonam Apartments" situated at Chirag Ali Lane, bearing M. No. 5-8-512 to 517-C Hyderabad.

Area : 1000 Sq. Fts. (1085 Sq. Ft.).

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1976  
Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Swastik Construction Co.,  
111 Sarojini Devi Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

(2) 1. 1. Mrs. Rahat Haque, and  
2. Master Shahwar Haque,  
both residing at "A"—Type Banallow Mrs.  
F. Haque,  
B.H.E.L. (Berkhera) Bhoopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 11th October 1976

Ref. No. RAC No. 179/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3 on Ground floor in Chadrak, situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 17-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3 on the ground floor in Chadrak at 111 Sarojini Devi Road, Secunderabad,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 11-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Swastic Construction Co., at  
111 Sarojini Devi Road,  
Secunderabad-3.

(Transferor)

(2) Sri D. Guru, 81 Rasthaupet, Poona,  
Maharashtra.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1976

Ref. No. RAC. No. 180/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office Nos. 108 and 117 situated at Chandralock at S. D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 17-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office premises Nos. 108 and 117 on 1st floor of Chandralock at 111 S. D. Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Associated Builders and Real Estate Agents,  
Abid Road, Hyderabad.  
Represented by Smt. Pushpalata.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Hotel Emerald Pvt. Ltd. Company, by its Director  
Sri Ramnivas Gupta S/o Tiberumalji Gupta,  
R/o 21-2-661, Urdu Sharief, Charkaman,  
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th October 1976

Ref. No. RAC. No. 183/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-8-512 to 517/C,  
situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Land and Building bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517/C situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad, A.P. admeasuring 1650 Sq. Yards.

Bounded in

North : By 58 ft. wide road.

East : By neighbours property.

South : By Poonam Apartments.

West : By 20 Ft. road.

As mentioned in document no. 553/76 registered at the office of the joint sub registrar Hyderabad in Feb., 1976.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Mamidi Bajanna, S/o Laxmanna,  
2. Ganga Bai, W/o M. Bajanna,  
both residing at Subashnagar, Nizamabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1976

Ref. No. RAC. No. 181/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-1-39/9,

situated at Mahabooob Bagh, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad on 15-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—306GI/76

- (2) 1. V. Vecra Reddy,  
2. V. Chinna Reddy,  
3. V. Narayan Reddy,  
4. V. Gopal Reddy,  
all 4 residing at Mokanpally, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hut with open space bearing M. No. 7-1-39/9 at Mahabooob Bagh, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Govind Reddy, S/o Late Chowtpalli Manmathan  
Reddy, R/o Chotpally, Nizamabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 12th October 1976

Ref. No. RAC. No. 182/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-39/8 situated at Mahabood Bagh, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 15-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Sri Veera Reddy, S/o Ram Swamy Reddy, 2. Chinnaveerareddy, 3. Narayanreddy, 4. Gopal Reddy all residing at Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Hut with open space M. No. 7-1-39/8, situated at Maha-boob bagh, Nizamabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri K. Sundara Ramireddy, S/o Pullareddy,  
Parlapalli, Kovur Tq.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th October 1976

Ref. No. RAC. No. 185/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/132, situated at Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 2-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises bearing Door No. 132, Ward No. 16, situated in Madhwapatthivari Agharam, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-10-1976.  
Seal .

## FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Daulat Khan S/o Naseeb Yawar Jung,  
Retd. Sub-Judge, H. No. 15-7-630, Begumbazar,  
Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th October 1976

Ref. No. RAC. No. 184/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 163, Ward No. 1, Block No. 6, Zamisthanpur village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Kaladhar Weaker Section Co-operative Housing Society Ltd., Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

## (3) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that portion bearing survey No. 163, situated at Zamisthanpur village, Taluk Urban, Ward No. 1, Block No. 6, within the Municipal limits of Hyderabad, Dist. Hyderabad, admeasuring 6881 sq. yards.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Chekka Kukkuteswararao, S/o Venkateswarlu,  
Kakinada.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Smt. Vimala Devi, W/o Bhabootmal, Rajaji Street,  
Kakinada.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 8th October 1976

Ref. No. Acq. File No. 366.—Whereas, I, B. V.  
SUBBARAO,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Door No. 33-I-3A situated at Kakinada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Kakinada on 14-2-1976for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.**THE SCHEDULE**The schedule property as per registered document No. 523/  
76, registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the  
fortnight ended on 15-2-1976.B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chekka Kukkuteswararao, S/o Venkateswarlu,  
Door No. 17/33-1-3A, Main Road,  
Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th October 1976

Ref. No. Acq. File No. 367. Whereas, I, B. V.  
SUBBARAO,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Door No. 33-1-3A in it 1/2 share situated at Kakinada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kakinada on 14-2-1976  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object :—

(2) Shri Champalal Jain,  
S/o Heerachand Jain,  
Rajaji Street, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

The schedule property as per registered document No.  
523/76, registered before the Sub-Registrar, Kakinada during  
the fortnight ended on 15-2-1976.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-10-1976.

Seal :